लोकतंत्र में गिरता मतदान प्रतिशत

● **बैंकटेश कुमार**

भारतीय लोकतंत्र में 18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव संपन्न हो चुका है। चुनाव के आंकड़े इस बात के प्रमाण है कि हमारे मतदान प्रतिशत में बेतहाशा गिरावट आयी है। सचमुच यह स्थिति इस लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घोर निराशाजनक है। हमारे देश ने 25 जनवरी को मतदाता दिवस के रूप में स्वीकार किया है। मतदाताओं की सूची बनाने, उसमें वांछित सुधार करने एवं अन्य संगत कार्यों में चुनाव आयोग का कार्य बदस्तूर जारी रहता है। फिर भी दुनिया के सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत के मतदात प्रतिशत में बेतहाशा हराश गंभीर चिंता का विषय है। प्रश्न उठता है आखिर ऐसा क्यों? क्या देश के नागरिकों में जागरूकता का आभाव है। ऐसा मानने के लिए हम तैयार नहीं है। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं अन्य श्रोतों से यह बात उठ रही है कि मतदान के प्रतिशत में हरास के आज से कुछ दिन पूर्व बी.बी.सी. न्यूज के एक संवाद में भारतीय लोकतंत्र पर चर्चा चल रही थी। उस चर्चा में एक प्रवक्ता ने कहा था- Democracy is deep root in india. कहने का भाव यह है कि भारत में लोकतंत्र की जड़े काफी गहराई तक जा चुकी है। लेकिन आज का चुनावी परिदृश्य को देखने के बाद ऐसा कुछ लगता नहीं है। राजनीतिक शास्त्र में लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्तों में कहा गया है कि जनता में जागरूकता आवश्यक है। जागरूकता पैदा करने के लिए एक से एक प्रयास किये जा रहे हैं। नुक्कड़ सभाएं हो रही है। हर स्तर पर मतदाताओं में जागरूकता लाने के लिए अनेक प्रकार के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य में पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है, किंतु स्थिति में सुधार की कोई गुंजाइश नजर नहीं आ रही है। मतलब साफ है कि भारतीय लोकतंत्र का

मतदाता आज अपने आप में निराश है और हताश है। आज के मतदाताओं में अपने नेताओं के प्रति घोर अविश्वास की स्थिति है। ऐसा लगता है कि आज जो हमारा नेतृत्व करने के लिए आगे आ रहे हैं उनकी न तो कोई अपनी नीति है और न ही कोई सिद्धांत। वे सभी के सभी मौकापरस्त हो गए हैं। उनमें जनसेवा की भावना नहीं रह गयी है। उन्हें तो सिर्फ और सिर्फ स्वहित ही दिखाई पड़ता है। हमारे साहित्याचार्यों ने ठीक ही लिखा है- 'कवयः क्रांत दर्शिनः'। इस कसौटी पर जब हम कविवर जानकी वल्लभ शास्त्री द्वारा रचित मेघ गीत की पंक्तियों को देखते हैं तो उसकी प्रासंगिकता स्वतः सिद्ध हो जाती है। कवि ने लिखा है-

जनता धरती पर बैठी है,
नभ में मंच खड़ा है।
जो जितनी ही दुरमही से,
उतना वही बड़ा है।
उपर-उपर पी जाते हैं, जो पीने वाले हैं....
लाज लजाती जिसकी कृति से,
धृति उपदेशक वह है।
मूर्त दंभ गढ़ने उठता है,
शील विनय परिभाषा।

सचमुच समाज का नेतृत्व करने वालों में क्या यह सारी चीजें देखने को हमें नहीं मिल रही है। चुनाव के दिनों में ये मतदाताओं के बीच आते हैं, लंबे-चौड़े वायदे तो करते हैं लेकिन चुनाव जीतने के बाद उन्हें उस बात की चिंता नहीं रहती कि जिनके बहुमूल्य मत के आधार पर हम यहां तक पहुंचे हैं उसके प्रति आखिर हमारी क्या जिम्मेवारी है। बेपनाह और लाचार मतदाता पपीहा की तरह अवलक दृष्टि से उनकी ओर देखता रह जाता है। मीडिया के माध्यम से लंबे-चौड़े वायदे तो होते हैं, घोषणाएं भी होती है लेकिन अधिकांश प्रतिशत जनता उससे लाभान्वित नहीं हो पाते हैं। ऐसी स्थिति में मतदाताओं का मनोबल टूटता चला जा रहा है।

उनके सामने निराशा ही टूटता चला जा रहा है। उनके सामने निराशा ही निराशा है और तब मतदाता के लिए इस मतदान का कोई महत्व नहीं रह जाता है। हालांकि चुनाव आयोग की भी नजर मतदान में गिरावट है। लोकसभा चुनाव जब आध ` चरण को पार कर गया, तब अधिकांश राज्यों में हुए कम मतदान प्रतिशत पर चर्चा कुछ चिंता और बेचैनी हो रही है। 7 मई को तीसरे चरण में 64. 6% मतदान दर्ज किया गया, जो इन निर्वाचन क्षेत्रों में 2019 की तुलना में 1.7% कम है। पहले और दूसरे चरण में भी 3-4% मतदान में गिरावट देखी गयी थी। चुनाव आयोग पहले दो चरणों के बाद मतदान में गिररावट पर निराशा व्यक्त की थी, जबकि कुल मतदान में गिरावट आयी है। यह राज्य दर राज्य अलग-अलग है। हालांकि तीन राज्यों- कर्नाटक, गोवा, छत्तीसगढ़ ने वास्तव में 2019 की तुलना में मतदान में वृद्धि दर्ज की है। मतदान में गिरावट का ज्यादातर हिस्सा हिंदी भाषी राज्यों, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार में गिरावट के साथ-साथ गुजरात और महाराष्ट्र ने भी खूब सुस्ती दिखायी है। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों से मैं जानना चाहा कि मतदान में गिरावट क्यों? तो उन्होंने अपने-अपने ढ़ंग से अलग-अलग व्याख्या किया-पारंपरिक तर्क की कम मतदान प्रतिशत सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में होगा, हमेशा सही नहीं रहा है, अतीत में जब मतदान में कमी आयी है तो सत्तारूढ़ दलों ने जीत और हार दोनो ही देखी है। यह तब कि जब अपने स्वयं के विषयों के साथ एक राष्ट्रीय चुनाव होता है, तो अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग मुद्दे भी काम करते हैं। हर राज्य की एक विशिष्ट चुनावी स्थिति होती है, जो मतदान को प्रभावित करती है। एक कारण का हवाला दिया जा रहा है कि इस साल के चुनाव में पिछले दो चुनावों की तरह कोई आकर्षक विचार या मुद्दा नहीं है। 2014 में यूपीए में राष्ट्रीय सुरक्षा एक विषय था। यह तर्क दिया जा रहा है कि इस बार ऐसा कोई प्रेरक विचारा अभियान को आगे नहीं बढ़ाता है और यह मतदाताओं के कम उत्साह का कारण हो सकता है। दूसरा कारण देश के अधिकांश भागों में अब तक सामान्य से अधिक गर्मी को भी बताया जा रहा है। यह सच भी हो सकता है। खासकर इसलिए क्योंकि इस साल गर्मी बहुत अधिक है और भविष्य में चुनाव होने पर इस बात को ध्यान में रखा जाना चाहिए। भले ही मौसम और राजनीतिक चुनावी या स्थानीय कारणों से संबंधित ऐसे कारण कम मतदान को स्पष्ट करने में कुछ महत्व रखते हो, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि यह मतदाताओं की उदासीनता का संकेत है, जो लोकतंत्र के लिए कतई अच्छा नहीं है। यह शहरी क्षेत्रों में अधिक देखा जाता है और चुनाव आयोग ने इसे उदासीनता का कठोर स्तर कहा है। मतदान करना नागरिक का अधिकार और कर्तव्य दोनो है और लोकतंत्र के कामकाज के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए घटता हुआ मतदान चिंता का विषय है।●

क्यों हुई भाजपा की दुर्गति

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

सबसे बड़ा प्रश्न है कि भाजपा का दुर्गति क्यों हुई। जनता को चाहिए तीन समस्या हल करना अपराध पर नियंत्रण, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण तथा ईमानदारी पूर्वक विकास। इसके लिए चाहिए ईमानदार, संस्कारवान और चरित्रवान जनप्रतिनिधि । ईमानदार जन प्रतिनिधि के लिए विकास फंड और ठेकेदारी बंद करना ही होगा। जन प्रतिनिधि का काम है कार्यकर्ताओं के सहयोग से जन समस्या शिविर लगाना तथा समस्या को हल करना। दूसरा काम है बगैर ठेकेदारी के सभी योजनाओं को पूरा करना। गुणवत्ता में कमी ना हो इस पर कार्यकर्ताओं के सहयोग से कदम उठाना। अन्यथा मकान, पूल आदि निर्माण काल में ही ध्वस्त हो जाता है।

भाजपा का मुखौटा पहन लेने से भाजपाई नहीं हो सकती। किसी भी संगठन का तीन रूप होती हैं। पहला देश भक्त जिसे देश का भविष्य झलकती है। जो व्यक्ति हर समय देश के लिए सोचतीं है? जानकारी के लिए बाबा भीमराव अंबेडकर ,पंडित दीनदयाल उपाध्याय,श्यामा प्रसाद मुखर्जी, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, दूसरा पद का लालसा तथा ठेकेदारी करना, बड़े-बड़े पद पर बैठे लोगों को स्वागत में नारा लगाना, माला पहनाना । ऐसे लोगों को सिद्धांत से कोई मतलब नहीं है ऐसे अधिकांश अपने को भाजपा का पदाधिकारी बताते हैं, परंतु ऐसे अधिकांश लोग पंडित दीनदयाल उपाध्याय का पॉलिटिकल डायरी देखा तक नहीं है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था की भ्रष्टाचार के विरुद्ध सत्ता पक्ष के लोगों को आगे आना होगा , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा कि भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहा है सबों को आगे आना होगा। मोदी जी द्वारा जनहित में 300 सबसे ज्यादा योजनाएं चलाई जा रही है , यदि यह योजनाएं घर तक पहुंचा दी जाती तो भाजपा को यह दूर्गति नहीं होती। विधायक ,सांसद ,मंत्री बन जाता है परंतु योगी और मोदी का चरित्र ग्रहण नहीं करता है। यह कभी अपराध और भ्रष्टाचार के विरूद्ध आवाज उठाता है।●

माँ सरस्वती की साधना से लक्ष्य की प्राप्ति संभव : कुलपति

गया धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत ही प्राचीन धर्म स्थली है। त्रेतायुग में जगत जननी माँ सीताजी और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम भी गया का महत्व देखते हुए, गया पधारे थे । द्वापर युग में भी 16 कलाओं से परिपूर्ण लीलाधारी भगवान श्री कृष्ण और पांडव का भी आगमन हो चुका है। कलियुग में तो गया विश्व का सबसे अधिक पवित्रतम धार्मिक स्थल है। गया का नामकरण गयासुर नामक एक राक्षस के नाम पर है। वह राक्षस बड़ा ही कठिन साधक, भगवान पर अटूट आस्था रखने वाला और बहुत बड़ा तपस्वी था। उसने अपनी तपस्या के बल पर जगतपति भगवान विष्णुजी को प्रसन्न कर वरदान प्राप्त किया कि इस पापनाशनि और मोक्षदायनि धर्म स्थली का नाम गया रख दिया जाय। भगवान ने तब इस स्थल का नाम गया रख दिये। मगध विश्वविद्यालय की स्थापना बड़े ही उत्साहपूर्ण वातावरण में एक मार्च 1962 में हुआ। इस विश्वविद्यालय का कार्य बिहार सरकार के तत्कालीन शिक्षा मंत्री सत्येन्द्र नारायण सिन्हा दो मार्च 1962 से आरम्भ किये। आरम्भ के समय मात्र दो घटक महाविद्यालयों, 32 सम्बद्ध महाविद्यालयों और सात स्नातकोत्तर विभाग थे। आज 2024 में 19 घटक महाविद्यालय, 66 सम्बद्ध महाविद्यालय, 28 स्नातकोत्तर विभाग, 30 बीएड महाविद्यालय, तीन विधि महाविद्यालय और एक अल्पसंख्यक महाविद्यालय है। वर्तमान समय में कुलाधिपति महामहिम बिहार के राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्य सचिव श्री राबोर्ट लाल चोंगथू हैं एवं सिन्डीकेट के सदस्य अग्रवत हैं :- (1)प्रो0 शशि प्रताप शाही (2) प्रो0 ब्रजराज कुमार सिन्हा (3) श्री के के पाठक (4) डा0 रेखा कुमारी (5) डा0 ब्रजेश कुमार राय (6) डा0 उपेन्द्र कुमार (7) डा0 दीपक कुमार (8) प्रो0 कृष्णा नंद (9) डा0 सरिता वीरांगना (10) डा0 एन के सिंह (11) श्री नरेन्द्र कुमार सिंह और (12) डा0 समीर कुमार शर्मा हैं। ख्यातिप्राप्त मगध विश्वविद्यालय के वर्तमान में 50वें कुलपति **प्रो0 शशि प्रताप शाही** से केवल सच के विशेष प्रतिनिधि **प्रो० रामजीवन साहु** द्वारा किये गये साक्षात्कार के प्रमुख अंश :-

★ आप अपना संक्षिप्त परिचय बताइए?

मेरा जन्म एक दिसम्बर 1964 को सिवान जिला मैरवा स्थित लगड़पुरा गाँव में हुआ है। मेरी शैक्षणिक योग्यता एम. बी., एम.ए.और पीए. डी. तक की है। कुलपति के पूर्व मैं ए. एन. कालेज, पटना का प्राचार्य था।

★ आप इस विश्वविद्यालय में कब योगदान दिये हैं?

मैं इस मोक्षदायिनि गया स्थित मगध विश्वविद्यालय में 14 फरवरी 2023 को अपना योगदान दिया हूं। तब से मैं अनवरत काम में तत्पर हूं। इस छोटी सी अवधि में अभी तक मैंने 77 परीक्षाएं सम्पन्न करा चुका हूँ।

★ एक कुलपति का मुख्य दायित्व क्या होते हैं ?

विश्वविद्यालय के संविधान के अनुसार एक कुलपति अपने विश्व विद्यालय का शैक्षणिक और कार्यकारी अधिकारी होते हैं। विश्वविद्यालय में अनुशासन बनाए रखना ,अधिनियम और कानूनों को विधिवत अनुपालन करवाना। वे जिन व्यक्ति को उचित समझें, उन्हें कार्य करने की अनुमति देकर काम करवा सकते हैं। यानि कुल मिलाकर शैक्षणिक विकास हो।

★ अपर मुख्य सचिव करके पाठकजी के सम्बन्ध में आप क्या कहना चाहेंगे?

मैं उनके सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना चाहता हूँ। मैं उनको सादर नमस्ते करता हूँ।

★ एक प्राध्यापक के बारे में आपका क्या चिंतन है?

विश्वविद्यालय का एक प्राध्यापक का कार्य सिर्फ विश्वविद्यालय में पढ़ना ही होता है, बल्कि शोध करना और उलझे हुए प्रश्नों का समाधान करना भी है। परन्तु आज के अधिकांश प्राध्यापक अपने जिम्मेदारियों से बिमुख हो गये हैं।

★ विद्यार्थियों को आप क्या उपदेश देना चाहेंगे?

कड़ी मेहनत से मां सरस्वती की साधना करना चाहिए। संस्कृत में एक श्लोक है 'विद्या ददाति विनियम, विनियाद् याति पात्रताम् ,पात्रत्वात् ध नमाप्रोति, धनात् धर्म ततः सुखम'। अर्थात् मां सरस्वती विद्या देती हैं। विद्या विनय देती है, विनय से पात्रता आती है, पात्रता से धन आता है, धन से धर्म आता है और धर्म से सुख प्राप्त होता है।

राजद राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन पर गरीबों के लिए भोज का आयोजन

● मनीष कमलिया

सामाजिक न्याय के योद्धा , राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का 77 वां जन्मदिवस विधायक विभा देवी के कार्यालय परिसर में धूम धाम से मनाया गया। मौके पर नवादा विधायक विभा देवी, रजौली विधायक प्रकाशवीर समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे। विधायक विभा देवी ने केक काटकर अपने नेता लालू प्रसाद यादव को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव एक ऐसे योद्धा का नाम है, जिन्होंने सामाजिक न्याय के लिए कई तरह के जोखिम उठाये। सांप्रदायिक ताकतों को शिकस्त देकर गरीबों, पिछड़ों दलितों और अकिलियतों को सम्मान के साथ जीने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि लालू रसोई के सफल संचालन का एक साल पूरा हो गया । अपने वादे के अनुसार एक साल तक निर्बाध रूप से लालू रसोई चलाया गया जिसमें नवादा नगर के पांच चिन्हित स्थानों पर मुफ्त

भोजन का वितरण किया जा रहा है। अब मुफ्त रसोई संचालन का सिलसिला आगे भी नवादा के लोकप्रिय नेता स्व जेहल प्रसाद यादव के नाम से संचालित होता रहेगा। विधायक प्रकाशवीर ने कहा कि जिस समय बिहार में दलित वर्ग अपने ही खाट पर नहीं बैठ सकते थे उस समय लालू जी का सामाजिक उद्भव हुआ और सामाजिक न्याय के सिद्धांत को पुरे बिहार में सख्ती से लागू किया। एमएलसी अशोक कुमार ने कहा कि बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव का उदय स्वर्णकाल की तरह रहा है जहाँ दबे कुचले नागरिकों की आवाज मुखरता के साथ सत्ता के गलियारे में गूंजने लगी। हम सभी उनके 77 वें जन्मदिन पर उनके दीर्घायु स्वस्थ और सक्रीय रहने की कामना करते हैं। मौके पर वरिष्ठ नेता प्रिन्स तमन्ना, मथुरा यादव, अनिल प्रसाद सिंह, शशिभूषण शर्मा, नंदकिशोर बाजपेयी, छोटेलाल यादव, सुरेन्द्र यादव, बाल्मीकि यादव, कुणाल राजवंशी, अवधेश कुमार, शम्भू मालाकार, उमेश हरी, चन्द्रिका यादव, आदि ने भी अपने प्रिय नेता के जन्मदिन की बधाई दी। कार्यक्रम के उपरांत सहभोज का भव्य आयोजन किया गया जिसमे सभी आगंतुकों के अलावे गरीबो को भोजन कराया गया।●

जहाँ बेदर्द हाकिम हो, वहाँ फरियाद क्या करना

● मनीष कमलिया

जहां बेदर्द हाकिम हो, वहां फरियाद क्या करना! बावजूद डीएम के जनता दरबार में फरियादियों की कमी नहीं है। समस्या का समाधान हो या फिर शिकायत करने वालों पर फर्जी मुकदमा कर उसे मुंह बंद रखने पर बाध्य कर दिया जाय? क्या फर्क पड़ता है भ्रष्टाचारियों पर। ऐसा इसलिए कि हमाम में सभी नंगे हैं! कुछ इसी प्रकार की कहानी पकरीबरावां प्रखंड क्षेत्र के उकौड़ा पंचायत की डोला गांव का है। भ्रष्टाचार की अकथ कहानी के साथ मणिकांत कुमार डीएम के जनता दरबार में न्याय की गुहार लगाने पहुंचे हैं। मगर सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या मामले का जांच होगा? या फिर एसएफसी गोदाम में जांच में बकरी पाये जाने के बावजूद मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जायेगा। मामला आवास व विधवा पेंशन से जुड़ा बताया गया है।

☞ **एक पति को मृत दिखा दिया विधवा पेंशन का लाभ :-** डोला गांव के राजेन्द्र शर्मा पिता मथुरा शर्मा को एक बीडीओ ने मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर पत्नी लीला देवी को विधवा पेंशन का लाभ दे दिया। अबतक लीला देवी विधवा पेंशन का लाभ ले रही है। आश्चर्य यह कि वह डोला गांव के बजाय वह पकरीबरावां उतरी पंचायत बाजार में दो मंजिले भवन में निवास करती है लेकिन पेंशन का लाभ डोला गांव से ले रही है और तो और आधार व राशन कार्ड भी पकरीबरांवा उतरी पंचायत बाजार का है।

☞ **मृत हुआ जिंदा, लिया आवास का लाभ:-** पोल तब खुला जब मृत राजेन्द्र शर्मा के जिंदा हो उठा। दूसरे बीडीओ ने मृत को जिंदा कर आवास का लाभ दे दिया। अब सबसे बड़ा सवाल यह कि राजेन्द्र शर्मा जिंदा है या मुर्दा? अगर जिंदा है तो पत्नी को विधवा पेंशन क्यों? अगर मुर्दा हैं तो आवास का लाभ क्यों? वह भी दो मंजिले मकान वाले को। वैसे पकरीबरांवा में दो मंजिले आवास वालों को आवास का लाभ देने का यह कोई नया मामला नहीं है। इसके पूर्व भी तीन मंजिले मकान मालिक मो. कासीम की पत्नी साबुन निशा को भी आवास का लाभ मिल चुका है। वैसे मामले की अगर निष्पक्ष जांच की जाये तो सैकड़ों ऐसे मामले सामने आयेंगे। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जांच करेगा कौन? कुछ इसी प्रकार की कहानी अकबरपुर प्रखंड क्षेत्र के बलिया बुजुर्ग पंचायत में भी सामने आयी थी सचित्र खबर प्रकाशित होने के बावजूद दो मंजिले भवन वाले को आवास का लाभ दिया गया था, जो अबतक बरकरार है। बहरहाल मामला डीएम के जनता दरबार में पहुंचा है तो जिले के लोगों की एकबार फिर फलाफल का इंतजार है।●

मतदाताओं के विश्वास पर खड़ा उतरुंगा : डॉ. जावेद

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज लोकसभा सीट से लगातार दूसरी बार जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी डा. जावेद आजाद ने मतदाताओं का आभार जताया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा की किशनगंज के मतदाताओं ने उन पर जो विश्वास जताया है उस पर वो पूरी तरह खरा उतरने का कार्य करेंगे। डा. जावेद ने कहा की हम लोगो ने ईमानदारी के साथ अपनी बातो को मतदाताओं के बीच रखने का कार्य किया जिस पर मतदाताओं ने भरोसा जताया है। उन्होंने कहा की पिछले दो सालों से राहुल गांधी ने जिस तरह से जानता की परेशानी को महसूस करने का कार्य किया उसी का नतीजा है की आज उन्हे दुबारा जीत मिली है। डा. जावेद ने कहा की जिले में मिल जुल कर रहने की जो परंपरा है उसे यहां के लोगो ने फिर से बरकरार रखा है और गंगा जमुनी तहजीब आगे भी बरकरार रहे उसके लिए वो प्रयास करेंगे। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष इमाम अली चिंटू, शमसीर अहमद उर्फ दारा, सहाबुल आलम सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। गौर करे कि कांग्रेस से डा. जावेद आजाद ने 59,675 मतों से जीत दर्ज किए है। कांग्रेस से वर्तमान सांसद डा. जावेद आजाद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान एवं एनडीए गठबंधन की ओर से जेडीयू प्रत्याशी मुजाहिद आलम के बीच त्रिकोणीय मुकाबला थी। तीनों मुस्लिम प्रत्याशियों के होने से किशनगंज संसदीय क्षेत्र का मुकाबला काफी दिलचस्प रहा। खास बात यह है कि मुस्लिम बहुल इलाका वाले किशनगंज लोकसभा क्षेत्र में जहां 70 प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं, वहीं 30 प्रतिशत हिन्दू और अन्य मतदाता हैं। विशेष बात यह भी कि ऐसा नहीं कि मुस्लिम बहुल क्षेत्र में सिर्फ मुस्लिम सांसद ही जीतते रहे हैं, सच्चाई तो यह है कि यहां से हिंदू सांसद भी जीतकर संसद गए हैं। गौर करे कि किशनगंज लोकसभा 24 वां व अंतिम राउंड में मुजाहिद आलम जदयू को 342795 मत मिले। वहीं कांग्रेस के डा. मो. जावेद आजाद को 402470 मत मिले। अख्तरुल ईमान, एआईएमआईएम को 309012 मत मिले। जिसमें 59,675 मतों से कांग्रेस के डा. मो. जावेद आजाद ने जित दर्ज किए।●

पप्पू यादव की जीत पर मार्गी समाज के द्वारा दी गई बधाई

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्णियाँ लोक सभा-2024 में लोक सभा प्रत्याशी पप्पू यादव की जीत पर पूर्णियां भूक्ति (आनन्द मार्ग प्रचारक संघ) के समस्त मार्गी समाज के सदस्यों द्वारा बधाई दी गई तथा इनसे पूर्णियां लोकसभा क्षेत्र के वासियों को सम्पूर्ण रूप से इनका वैधानिक अधिकार, सुविधा तथा अमन-चौन एवं क्षेत्र के सर्वांगिन विकास करने का आग्रह किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्णियां भुक्ति के भूमि प्रधान अखिलेश कुमार, यूनिट सेकेन्ट्री गौतम कुमार, रामनन्दन कुमार, कटिहार के भूमि प्रधान रवि रश्मि कुमार शुभम कुमार, सुबोध कुमार, अमर प्रसाद सिंह तथा आनन्द मार्ग चिल्ड्रेन्स होम के कई बच्चें एवं आनन्द मार्गी परिवार के कई सदस्य सम्मलित हुए। चूंकि पप्पु यादव स्वयं आनन्द मार्ग के सदस्य हैं तथा इनके पिता चन्द्र नारायण यादव आनन्दमार्ग के वरिष्ठ आचार्य है।●

शिक्षा विभाग की योजनाओं में अनियमितता मामले में एक निलंबित

● धर्मेन्द्र सिंह

शिक्षा विभाग के अंतर्गत जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के क्लर्क को सस्पेंड कर दिया गया है। जिला में संचालित विभिन्न योजनाओं में बरती गई अनियमिताओं में जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय में कार्यरत लिपिक मो. तोकिर आलम की संलिप्तता को देखते हुए जिलाधिकारी तुषार सिंगला की अनुशंसा पर क्षेत्रीय शिक्षा उपनिर्देशक पूर्णियां प्रमंडल ने 04 जून को उन्हें निलंबित कर दिया है। गौर करे कि जिले में संचालित शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं में बड़े पैमाने पर बरती गई अनियमितताओं को देखते हुए डीएम ने एक जांच टीम का गठन किया था। उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित इस टीम ने अब तक की जांच में यह पाया की शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की अनियमितता में तोकिर आलम लिपिक की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता। जांच दल के संज्ञान में जब यह बातें आई की बिहार सरकार परियोजना के सभी कनीय अभियंताओं पर भी फर्जी बिल बनाने का दबाब डाला जा रहा है इसके बाद जिलाधिकारी से प्राप्त पत्र 1411/जी गो. दिनांक 1 जून 2024 के आलोक में निष्पक्ष जांच के लिए तोकिर आलम लिपिक जिला शिक्षा पदाधिकारी किशनगंज को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 9 (प) के संगत प्रावधानों के तहत तत्काल निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान तोकिर आलम का मुख्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय अररिया निर्धारित किया गया है।

☞ **जांच में संलिप्त पाये जाने वाले दो कर्मियों को किया स्थानांतरित :-** जिला गोपनीय शाखा से निर्गत पत्र ज्ञापांक 1410 दिनांक 01 जून 2024 के अनुसार जिला शिक्षा कार्यालय, किशनगंज में कार्यरत कार्यक्रम समन्वयक तुफैल एवं समग्र शिक्षा अभियान, किशनगंज में कार्यरत कार्यक्रम सहायक उत्तम कुमार के विरूद्ध अनियमितता बरते जाने के आरोप में इनका तबादला कर दिया गया है। तुफैल का स्थानांतरण बीईओ कार्यालय, दिघलबैंक और उत्तम कुमार का स्थानांतरण बीईओ कार्यालय टेढ़ागाछ स्थानांतरित कर दिया गया है। शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितता संबंधित शिकायतों की जांच हेतु उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक जांच दल का गठन किया गया था। जांच दल ने अपने कार्यालय पत्रांक 12 गोपनीय डीआरडीए दिनांक 01 जून 2024 को रिपोर्ट दिया जिसमें जांच क्रम में पाया गया कि विभिन्न योजनाओं की अनियमितता में दोनों कर्मियों की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसमें इस बात का भी उल्लेख है कि बिहार शिक्षा परियोजना, किशनगंज के सभी कनीय अभियंताओं के द्वारा भी लिखित रूप से आवेदन दिया कि कुछ फर्जी दस्तावेज पर दवाब डालकर हस्ताक्षर करवाया।●

आपदा प्रबंधन की समीक्षात्मक बैठक आहूत

● धर्मेन्द्र सिंह

जिलाधिकारी तुषार सिंगला के निर्देशानुसार एडीएम अमरेंद्र कुमार पंकज के द्वारा समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में आपदा प्रबंधन की बैठक 08 जून को आहूत की गई। बैठक में आपदा प्रबंधन की तैयारी से संबंधित सभी बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। उल्लेखनीय है की किशनगंज जिला मुख्यत: बाढ़ से प्रभावित है जिससे आपदा समय में निपटने के लिए मोटरबोट, नवपॉलीथिन शीट, लाइफ जैकेट इत्यादि सामग्रियों की उपलब्धता आपदा समय से पूर्व करना आवश्यक होता है। उल्लेखनीय है कि किशनगंज जिला से मुख्यता: महानंदा नदी होकर गुजरती है तथा अन्य छोटी नदियां बारिश के मौसम में बाढ़ का विकराल रूप धारण कर लेती है। इसलिए यह आवश्यक होता है की संभावित बाढ़ से पूर्व सुरक्षित स्थल को चिन्हित कर लिया जाए तथा वहां के जनमानस के बाढ़ के समय में उसे स्थान तक पहुंचाने का इमरजेंसी प्लान तैयार कर लिया जाए और इसके लिए आवश्यक सभी सामग्रियां पूर्व से ही जुटा ली जाए। बैठक में अपर समाहर्ता के द्वारा आपदा से राहत के लिए पूरे लिस्ट के डाटा को प्यूरिफिकेशन करने का तथा नए नाम को जरूरत के हिसाब से जोड़ने का निर्देश दिया गया। सभी

एससी/एसटी/गर्भवती महिलाओं/वृद्ध महिला/दिव्यांग/बच्चें का डाटा का लिस्ट बनाने का निर्देश दिया गया। सभी खातों को आधार से अपडेट करवाने का निर्देश दिया गया। क्षेत्रवार वाट्सएप ग्रुप बनाने का निर्देश दिया गया ताकि कम समय में ज्यादा से ज्यादा सूचना का आदान प्रदान किया जा सके। प्रशिक्षित गोताखोरों की सूची का सत्यापन करवाने का निर्देश दिया गया ताकि बाढ़ के समय प्रशिक्षित गोताखोरों की सहायता लिया जा सके। एडीएम के द्वारा सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि मेजर चीजों के लिए लोकल सप्लाई को चिन्हित किया जाय ताकि राहत सामग्री ससमय आपूर्ति किया जा सके। एडीएम के द्वारा सभी बाढ़ आश्रय स्थल को 15 जून तक हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया। अपर समाहर्ता द्वारा पॉलीथिन शीट एवं नाव की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवम् नदी तटबंधों की सुरक्षा एवं गश्ती की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने जिला आपातकालीन संचालन केंद्र 24X7 पैटर्न पर संचालित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में एडीएम (आपदा) अमरेंद्र कुमार पंकज के साथ प्रभारी पदाधिकारी (आपदा) सुनीता कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी एवम् अन्य पदाधिकारी/कर्मी उपस्थित थे।●

सिक्किम की युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म

● धर्मेन्द्र सिंह

सिक्किम की रहने वाली एक लड़की के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। दरअसल, बदमाशों ने मोहिउद्दीनपुर में गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया था। वहीं बदमाशों ने एक लड़की के साथ नहीं, बल्कि दो लड़की के साथ दुष्कर्म किया। दरअसल, दो लड़की में से एक लड़की भागने में कामयाब हो जाती है। वहीं वहां से भागने के बाद वो लड़की सीधे सदर पुलिस के पास जाती है और पूरी घटना का जानकारी देती है। जानकारी मिलते ही सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार बताए गए स्थान पर पहुंचे। जब वहां पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि, पीड़िता के भाई और सहेली को बंधक बनाकर रखा गया है। गैगरेप करने वाली की पहचान अरहान अख्तर और अजमद हुसैन के रूप में हुई हैं। जिन्हें पुलिस ने उन्हें उनके घर पर से गिरफ्तार कर लिया है। सदर थाना पुलिस ने पीड़िता को सदर अस्पताल भेज दिया है, जानकारी के मुताबिक, घटना जो है, वो 05 जून की बताई जा रही है। लेकिन पुलिस को इस घटना की जानकारी 06 जून को लगती है। वहीं जैसे ही मिली, वैसे ही थानाध्यक्ष संदीप कुमार मौके वारदात पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार

किया। मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित लड़कियां घूमने के उद्देश्य से शाम को ट्रेन से सिलीगुड़ी से किशनगंज गई थीं। गौर करे कि उन दोनों की वापसी रात आठ बजे की थी, लेकिन ट्रेन छूट जाती है। इसके बाद लड़की ने किशनगंज में अपने दोस्त नूर मोहम्मद को ट्रेन छूटने के बारे में बताती है। इसके बाद नूर मोहम्मद रेलवे स्टेशन पर अपने दोस्त अरहान को बुलाता है। फिर लड़कियों को लेकर लॉज में जाता है। लड़की ने बताया कि उसने और उसकी सहेली खाना खा कर अपने कमरे में सोने चली जाती है। वहीं कुछ देर बाद अरहान और अमजद अपने दोस्तों के साथ शराब पीने लगे। इसके बाद नशे की हालत में उन लोगों ने दोनों लड़कियों के साथ जबरन अपने-अपने कमरे में ले जाते है। लड़की ने आरोप लगाया है कि अरहान ने उसके प्राइवेट पार्ट को भी छुने की कोशिश की, जिसको देखने के बाद नूर मोहम्मद उसे बचाने की कोशिश किया। लेकिन, बगल के कमरे से अमजद आता है और दोनों ने मिलकर नूर मोहम्मद के हाथ-पैर को बांध देता है, फिर उसे पीटता भी है और कमरे से बाहर निकाल देता है। इसी बीच उसकी सहेली को भागने का अच्छा मौका मिल जाता है और वो भाग जाती है। इसके बाद अरहान, अख्तर और अमजद ने बारी-बारी से लड़की के साथ दुष्कर्म किया।●

नगर परिषद वासियों के हित में आएगा फैसला : इम्तियाज नसर

● धर्मेन्द्र सिंह

निर्वाचन आयोग से हमें पूरी उम्मीद है की किशनगंज वासियों के हित में फैसला आयेगा। हमारी लड़ाई कोई व्यक्तिगत नहीं है बल्कि सिद्धांत और उसूलों की है इससे कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यह बातें 09 जून को लहरा चौक में प्रेस वार्ता के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रत्याशी प्रतिनिधि इम्तियाज नसर व पूर्व प्रत्याशी नगर परिषद अध्यक्ष दीपचंद रविदास ने संयुक्त रूप से कही।इम्तियाज नसर ने कहा कि हमलोग आम जनता की लड़ाई लड़ रहे है। हमे चुनाव आयोग पर पूरा विश्वास है। वर्तमान नप अध्यक्ष ने नामांकन के दौरान अपने शपथ पत्र में तथ्य छुपाया है। जिसकी सुनवायी चुनाव आयोग में चल रही है। हमें न्याय जरूर मिलेगा। नप अध्यक्ष प्रत्याशी दीप चंद रविदास ने कहा कि नगर परिषद में हम सकारात्मक विपक्ष की भूमिका

निभा रहे है और शहर वासियों के हित में हमारी लड़ाई जारी रहेगी।उन्होंने कहा कि सत्य के लिए लड़ाई जारी रहेगी। कुछ लोगों के द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है।जबकि हम लोग सत्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। हम शहर वासियों के हित के लिए नगर परिषद का विकास चाहते हैं। प्रेसवार्ता में मसूद रजा खान आदि मौजूद थे।वहीं नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान ने कहा कि आरोप निराधार हैं। उन्हें भी चुनाव आयोग के फैसले पर पूरा भरोसा है।●

नए कानून को लेकर पुलिस पदाधिकारियों का प्रशिक्षण

● धर्मेन्द्र सिंह

01 जुलाई से कानून की धाराओं में किये जाने वाले बदलाव को लेकर 10 जून को पुलिस सभागार भवन में जिले के पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण एसपी सागर कुमार की मौजूदगी में दिया गया। जिसमें यह बताया गया की कानून की धाराओं में कुछ बदलाव किए जा रहे है। कई धाराओं को हटाया गया है। जिन धाराओं की आवश्यकता है वे ही कार्य मे लाये जाएंगे। इसे लेकर किशनगंज पुलिस भी नए कानून को बेहतर तरीके से समझ रही है। ताकि इसे कार्य क्षेत्र में अच्छी तरह से उपयोग में लाया जाए।प्रशिक्षण तीन चरणों मे दिया जाएगा। जिसमें जिलेभर के सभी स्तर के पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाना है। जिसकी शुरुआत 10 जून को की गई।एसपी सागर कुमार ने कहा कि कानून में कुछ बदलाव किए गए हैं। जो 01 जुलाई से लागू होगी।इससे पूर्व ही जिले भर के पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुछ धाराओं को नए नाम भी दिए गए हैं। कुछ अपराध में सजा बढ़ाई गई है तो कुछ में कम की गई है। एसपी ने कहा कि नए कानून में डिजिटल साक्ष्य पर विशेष जोड़ दिया गया है। एसपी ने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नए कानूनों को अच्छे से समझ लें।आपके लिए धाराओं को जानना बहुत जरूरी है। इसे प्राथमिकता के रूप में लें। प्रशिक्षण के दौरान आईएएस अधिकारी अनिल बसाक भी मौजूद थे। वही एसडीपीओ गौतम कुमार, प्रोवेशनर डीएसपी अदिति सिन्हा, सदर थानाध्यक्ष संदीप कुमार आदि मौजूद थे।●

पांच वर्षों से ज्यादा समय से पदस्थापित कर्मचारियों का स्थानांतरण

● धर्मेन्द्र सिंह

पिछले पांच वर्षों से ज्यादा समय से एक ही हलके में जो कर्मचारी पदस्थापित हैं, उनका स्थानांतरण निश्चित रूप से दूसरे अंचलों में कर दिया जाय। इस आशय का जानकारी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने दी। वो राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल द्वारा प्रदान की गई सहमति की जानकारी मीडिया को दे रहे थे। उल्लेखनीय है कि शहरी क्षेत्रों में दो वर्षों से ज्यादा समय से पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों का स्थानांतरित कर ग्रामीण अंचलों में पदस्थापित करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश सभी नगरपालिका क्षेत्र, नगर परिषद् एवं नगर पंचायत शहरी क्षेत्र में लागू होगा। स्थानांतरण की सूची की निगरानी की जिम्मेवार पदाधिकारी स्वयं करेंगे। निर्देश का शत-प्रतिशत अनुपालन अनिवार्य है। इससे छूट केवल वैसे ही लोगों को दी जा सकती है जो शारीरिक तौर पर अशक्त हैं

परन्तु उन्हें भी निश्चित रूप से एक हलके में स्थानांतरित करना है। प्रासंगिक पत्र के अनुसार जो कर्मचारी पांच वर्षों से ज्यादा समय से एक ही हलके में पदस्थापित हैं, उन सभी का स्थानांतरण सुनिश्चित करना है।सभी समाहर्ता, बिहार, एक ही स्थान पर लंबे समय से पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों का स्थानांतरण करेंगे। गौर करे कि पत्रांक-152/सी, दिनांक-07.06.2024 में विशेष विवरण दिया गया है। पत्र में शहरी क्षेत्र में दो वर्षों से ज्यादा समय से पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों का स्थानांतरित कर ग्रामीण अंचलों में पदस्थापित करने का निर्देश दिया गया है। इस क्रम में सभी नगरपालिका क्षेत्र, नगर परिषद् एवं नगर पंचायत शहरी क्षेत्र माने जायेगे। सख्त हिदायत देते हुए मीडिया को बताया गया कि स्थानांतरण की सूची की स्वयं निगरानी जिम्मेवार पदाधिकारी करेंगे ताकि इसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित हो। इससे छूट केवल वैसे ही लोगों को दी जा सकती है जो शारीरिक तौर पर अशक्त हैं परन्तु उन्हें भी निश्चित रूप से एक हलके से दूसरे हलके में स्थानांतरित कर दिया जाय। इसके अलावा वैसे कर्मचारी जिनके विरूद्ध विशिष्ट शिकायतें प्राप्त हुई हों, उन्हें भी प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरण किया जा सकता है, भले ही उनकी पदस्थापना अवधि कम हो। स्थानांतरण निर्देश का अनुपालन 30 जून तक सुनिश्चित करना है। जुलाई माह का वेतन सभी स्थानातरित कर्मचारी अपने नव-पदस्थापित स्थान से ही लेंगे 10 जुलाई को निर्देश का अनुपालन से विभागीय मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल को विभागीय सचिव को अवगत कराना है।●

दत्तक गृह में आवासित बच्चों को लिया गया गोद

● धर्मेन्द्र सिंह

विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान किशनगंज के बालक कल्याण (नया नाम: सौमल्या दत्ता) को जिलाधिकारी किशनगंज तुषार सिंगला के द्वारा अंतिम दत्तक ग्रहण आदेश पारित कर कोलकाता निवासी श्याम लाल दत्ता एवं लाली दत्ता को 07 जून को गोद दिया गया। साथ ही शिशु खुशी (नया नाम: अतुल्य) को भी चेन्नई के दंपत्ति राजेश वी एवं विनीता आर को गोद दिया गया। दोनों दंपत्ति अत्यंत प्रसन्न थे एवं जिला प्रशासन के सहयोग के लिए जिलाधिकारी तुषार सिंगला को धन्यवाद दिया। डीएम तुषार सिंगल के दोनों बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए दोनों दंपतियों को बधाई दी। इस अवसर पर सहायक निर्देशक जिला बाल संरक्षण इकाई रविशंकर तिवारी एवं दत्तक ग्रह संस्थान की संचालक डिंपल कुमारी जिलाधिकारी तुषार सिंगला के कार्यालय वेशम में उपस्थित थे।●

रमजान नदी से निकाली जा रही मिट्टी पर लगी रोक

● धर्मेन्द्र सिंह

नगर क्षेत्र के रमजान नदी का सौंदर्याकरण को लेकर निकाली गयी मिट्टी एक बार फिर चोरी छिपे बेची जा रही है। इस बार भी उसी खगड़ा देव घाट से रात के अंधेरे का फायदा उठा कर यह कार्य किया जा रहा था।हालांकि वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मकसूद अंसारी उर्फ अनवर ने इसका विरोध किया। विरोध के कारण मिट्टी निकालने का कार्य को रोकना पड़ा। इस दौरान मौके पर आधा दर्जन ट्रैक्टर, दो जेसीबी से मिट्टी निकालने का कार्य किया जा रहा था। विरोध के कारण वापस जाना पड़ा। कुछ दिन पूर्व भी इसी खगड़ा देव घाट से मिट्टी निकाल कर बंगाल बेचा जा रहा था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर मिट्टी कटाई कार्य को रोकना पड़ा था। ट्रैक्टर के आवाजाही के कारण छठ घाट को भी क्षति पहुंच रहा है। रमजान नदी सौंदर्याकरण का फिलहाल निर्माण कार्य लघु सिंचाई प्रमंडल, किशनगंज को दिया गया है, जिसका डीपीआर बनाया जा रहा है। वहीं नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी से इस संबंध में संपर्क किया गया तो

उनसे संपर्क नहीं हो सका। जिस कारण उनका पक्ष नहीं ले सका। नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान ने कहा कि नगर परिषद के द्वारा मिट्टी निकालने का कोई आदेश नहीं दिया गया। मिट्टी कौन निकाल रहा था इसका जांच करा कर कार्रवाई की जाएगी।●

दो दिवसीय निःशुल्क बोर्जेस इनामी शतरंज प्रतियोगिता प्रारंभ

● धर्मेन्द्र सिंह

खगड़ा स्थित खेल भवन-सह-व्यायाम शाला में मंगलवार से दो-दिवसीय निःशुल्क बोर्जेस ओपन एवं एज-ग्रुप इनामी शतरंज प्रतियोगिता प्रारंभ किया गया जिसका समापन 12 जून को होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन इस प्रतियोगिता के प्रायोजक सुभाष पल्ली स्थित बोर्जेस डायग्नोस्टिक सेंटर एण्ड अल्ट्रासाउंड के स्वामी तथा संघ के उपाध्यक्ष डा. अशोक प्रसाद ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बच्चों के बौद्धिक विकास हेतु शतरंज एक बेहतरीन खेल है अत: इसे सभी सक्षम पक्षों के द्वारा बढ़ावा दिया जाना चाहिए। खेल के माध्यम से आपसी भाईचारा भी मजबूत होता है, जो एक स्वस्थ समाज के लिए परम आवश्यक है। संघ के मानद महासचिव शंकर नारायण दत्ता एवं वरीय संयुक्त सचिव तथा चेस क्रॉप्स के सीईओ कमल कर्मकार ने जानकारी दी कि कुल 3100/-रुपए की इस निःशुल्क इनामी शतरंज प्रतियोगिता में पूर्व बिहार चौंपियन आशुतोष कुमार सहित 58 बालक-बालिका खिलाड़ीगण आपस में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता को अंडर-7, अंडर-12 एवं ओपन विभाग में संपन्न करवाया जा रहा है। दो राउंड की समाप्ति के पश्चात आशुतोष कुमार (1851), दिव्यांशु कुमार सिंह (1813), रोहन कुमार (1692), रूद्र तिवारी (1683), उत्तम कुमार (1621), अनंत मित्तल (1611), आयुष कुमार (1558) रित्विक मजूमदार (1537), मो. अमानुल्लाह (1533), अंशुमन राज (1510), सुरोनय दास (1486) अंकुश बेन, अंश साहा एवं शिफा खातून संयुक्त रूप से 2-2 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे हैं।●

किशनगंज में ओवरलोड पर कार्रवाई

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के जियापोखर थाना क्षेत्र से थानाध्यक्ष विकास कुमार ने ओवरलोड बालू लदा डंपर को जप्त करते हुए संबंधित विभाग को सूचना देने की बात कही। प्रात जानकारी के अनुसार लगातार जियापोखर रूट से होकर ओवरलोड वाहनों के परिचालन की सूचना मिल रही थी जिसको लेकर पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए एक डंपर को जप्त किया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि विधि सम्मत कार्रवाई के बाद फाइन भरने के उपरांत रिलीज ऑडर मिलने के बाद ही जप्त डंपर को छोड़ा जाएगा। वही अवैध खनन और परिवहन मामले को लेकर जिला खनन विभाग के खान निरीक्षक सौरव गुप्ता ने बताया कि जिला के अलग - अलग थाना क्षेत्र से कार्रवाई करते हुए ओवरलोड वाहनों को जप्त किया गया है जिसमें से पौआखाली क्षेत्र से एक ट्रक, कुर्लीकोर्ट थाना क्षेत्र से दो ट्रक कोचाधामन थाना क्षेत्र से भी ट्रकों को जप्त किया गया है। जिला खनन पदाधिकारी प्रणव कुमार ने कहा कि सरकारी राजस्व की चोरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी अवैध खनन और परिवहन को विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।●

भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

8 Reasons for delay in reporting by the complainant /Informant

9 Particulars of properties stolen (Attach seperate sheet, if necessary)

10 Total value of property stolen

11 Inquest Report/U.D. case No. If any

12 First information contents (Attach seperate sheet, if required)

1 DocScanner 28-May-2024 10-32 am(1).pdf

13 Action Taken : Since the above information reveals commission of offence(s) u/s as mentioned at Item No. 2:

(2) Directed (Name of I.O.)

No.:- suo050169 to take up the investigation

F.I.R. read over to the complainant /Informant, admitted to be correctly recorded and a copy given to the complainant /Informant, free of cost.

R.O.A.C.

(R.O.A.C.)

Signature of Officer in charge, Police Station

14 Signature /Thumb impression of the complainant / informant.

Name

Rank

15 Date and time of dispatch to the court. 28/05/2024 08:45

Page 3 of 4

Page 4 of 4

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के गंधर्वडांगा थाना क्षेत्र से एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम दृष्टिया हफीम जैसा मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को अग्रिम कार्रवाई करते हुए कांड संख्या 20/24 दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष कलीम आलम ने बताया कि पौआखाली क्षेत्र के रहने वाले दो लोगों को 82 ग्राम अफीम मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया और मौके से दो मोटरसाइकिल को भी जप्त किया गया है। वही मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत पांच से दस लाख रुपिया बताया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम अब्दुल सत्तार और अब्दुल हक पौआखाली निवासी बताया गया। गौरतलब हो कि इससे पूर्व भी जब कलीम आलम जियापोखर थाना के थाना अध्यक्ष थे तब भी उन्होंने एम.डी. नमक ड्रग्स विक्रेता के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजने का काम किया था।●

224 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज के पौआखाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पवना से दो युवक को ब्राउन शुगर के साथ एसएसबी ने गिरफ्तार कर पौआखाली थाना के हवाले किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसबी को गुप्त सूचना मिली थी की एक व्यक्ति नशीला पदार्थ के साथ किशनगंज से पौआखाली जा रहा हैं तब एसएसबी की टीम ने रंगे हाथों दो युवक को 224 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा साथ ही मोटरसाइकिल भी जप्त किया । गिरफ्तार अभयुक्त को थाना लाया गया जहां थाना अध्यक्ष आशुतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि दोनों युवक का नाम क्रमश मो जहीर और मो आबिद हुसैन जिला उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल बताया गया है। वहीं अग्रिम कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट , पौआखाली थाना कांड संख्या 26/24 दर्ज करते हुए गिरफ्तार दोनों युवक को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।●

अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिया आवेदन

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड के खारूदाह पंचायत अंतर्गत खारूदाह गांव में महानंदा नदी के किनारे स्थित कथित श्मशान घाट की जमीन से मिट्टी के अवैध खनन का मामला प्रकाश में आते ही चर्चा का विषय बन गया है। इसको लेकर स्थानीय दर्जनों लोगों ने गुरुवार को जमकर विरोध करते हुए प्रदर्शन किया है। मिट्टी के अवैध खनन को लेकर जिला अधिकारी किशनगंज को अवैध पट्टा देकर मिट्टी का अवैध खनन करवा रहे लोगों के उपर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लिखित आवेदन में कहा गया है कि खारूदाह गांव सहित अन्य कई गांव के लिए एकमात्र श्मशान घाट महानंदा नदी से समीप स्थित है। जिसपर सात लाख की लागत से शवदाह गृह और लोगों के बैठने का सेड बनाया गया है।

शमशान घाट से सटा एक सरकारी सड़क है। इस सड़क में मनरेगा योजना के तहत मिट्टीकरण किया जा रहा है, और पंचायत सरकार भवन का कार्य भी किया जा रहा है, पंचायत सरकार भवन में मिट्टी भराई के लिए इसी सड़क से मिट्टी को जे.सी.बी के द्वारा काटा जा रहा है। अब आलम यह है कि शमशान घाट में जाने के लिए सड़क तक नहीं बची है, और अन्य कोई रास्ता भी नहीं है। अब ग्रामीणों द्वारा आशंका यह भी जताई जा रही है कि बरसात के महीने में नदी में बाढ़ आने से शमशान घाट का कटाव हो सकता है। लिखित आवेदन में ग्रामीणों का कहना है कि मो० सरताज आलम और मो० याससीन द्वारा मिट्टी का अवैध खनन कर पंचायत सरकार भवन में मिट्टी भराई के कार्य के लिए दिया जा रहा है। जे.सी.बी से तकरीबन पांच फीट गहराई से मिट्टी का अवैध खनन किया गया है। ठाकुरगंज अंचलाधिकारी सुचिता कुमारी ने कहा कि उक्त मामले को लेकर राजस्व कर्मचारी और अमीन को भेजकर जांच करवाऊंगी। सरकारी जमीन पर अवैध खनन की बात अगर सामने आई तो सीजर बनाकर खनन विभाग को भेजूंगी उसके बाद खनन विभाग जो भी कार्रवाई होगा वह करेंगे। इस संबंध में कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा ठाकुरगंज सुशील सिंधु ने कहा कि जांच के लिए संबंधित जे.ई को भेजा गया है। अब देखने वाली बात यह है कि उक्त मामले में जांच में क्या कुछ सामने आता है और क्या कुछ कार्रवाई होती है इसका सभी को इंतजार है? ●

सेवा में,

श्रीमान जिला पदाधिकारी महोदय,

किशनगंज,

विषय:- सरकार भवन में अवैद्य रूप से मिट्टी भरने हेतु शमसान घाट को जाने वाली एक मात्र सरकारी सड़क के साथ साथ शमसान की जमीन जवरन चार फुट मिट्टी काटने एंव शमाधी एंव शमसान घाट पर उपरिथत समाधि(क्रब)पर J.C.Bएंव tractor चलाकर तहत नहस करने के सम्बध में।

महाशय,

ठाकुरगंज प्रखण्ड अन्तर्गत खारूदह पंचायत के खारूदह पाच गांव के हम हिन्दु का एक मात्र शमसान घाट खारूदह गांव के बगल में खाता –118 खेसरा–461 मौजा– खारूदह कुल रकवा 25 डी0 अवस्थित है जिसे पिछले सात साल से हम लोग गांव के मृतको का अंतिम संस्कार करते आ रहे है, इससे पूर्व हमारे पुर्वज जिस जमीन में दाह संस्कार करते आ रहे थे, वह महानन्दा नदी में कट जाने के कारण हम गांव वालोने आपस मे चन्दा करके सात साल पुर्व उपरोक्त बिहार सरकार की जमीन जो कि मो0 मजरूद्दीन एंव अन्य लोगों के कब्जे थी पैसे देकर 25 डी0 जमीन खाली करवाकर गत सात साल से शमसान के रूप में इस्तेमाल करते आ रहे है जिसपर गत वर्ष पंचायत द्वारा लगभग सात लाख(700000/)रूपया के लागत से सबधा गृह एंव लोगो का बैठने का सेड बनाया गया है। उपरोक्त क्रबस्थान के सटके सरकारी सड़क है , जो कि इस शमसान घाट को गांव से जोड़ती है जो कि इस शमसान में आने जाने का एक मात्र रास्ता है जो सरकारी नक्से मे भी दर्शाया गया है वर्ष 2020 मे पंचायत द्वारा मनरेगा कार्यक्रम के तहत इस सड़क का मिट्टीकरण किया गया था एंव वर्तमान में पंचायत द्वारा इस सड़क का मिट्टीकरण किया गया है जिसका योजना सं0–10RC20631415 हैं।

महोदय, दिनांक:–04.06.2024 को मो0 सरताज आलम पिता– मो0 साब्बीर आलम एंव मो0 याससीन पिता– मजेबुस रहमान द्वारा पंचातय में वन रहे पंचायत सरकार भवन में मिट्टी भरने के लिए ना केवला शमसान से सटे सारे सड़क को J.C.B द्वारा पाँच फुट मिट्टी काट लिया है साथ साथ शमसान के लिए खरीदगी पैसे देकर दखल ली गई जमीन का कुछ हिस्से काटकर गढा कर दिया है जिससे शमसान में जाने का और कोई रास्त नही बचा है।उपरोक्त मिट्टी काट लिए जाने से बारिस के समय महान्दा नदी में बाढ़ आने से एंव अधिक वर्षा के कारण खेत से होकर बहाने वाले पानी के कारण शमसान कटने को पुरी सम्भवना हैं। एंसे में अंतिम संस्कार हेतु हम लोगो के पास और दुसरा विकल्प नही है।

महोदय, इस घटना से पूरा पंचायत मरमाहित एंव आक्रोस में है, यह ना केवल हमारे शमसान को नुकसान पहुँचाई गई है, हमारे आस्था को भी ठेस पंहुचाई गई है।

अत: श्रीमान से आग्रह है कि समस्त विन्दुओ संज्ञान में लेकर उपरोक्त दोनो व्यक्ति पर कड़ी से कड़ी कानुनी करने एंव काटे गये रास्तो को पून: भरकर गार्ड बांध वनवाने का सादर कृपा करेंगे इसके लिए हम ग्रामीण सदा आपका आभारी रहेंगें।

प्रतिलिपि:-

1 पुलिस अधिक्षक महोदय, किशनगंज।
2 अुंनडल पुलिस पदाधिकारी ठाकुरगंज।
3 थाना अध्यक्ष महोदय पौआखाली।
4 प्रखंड विकास पदाधिकारी महोदय,ठाकुरगंज।
5 अंचलाधिकारी महोदया, ठाकुरगंज।

प्रार्थी

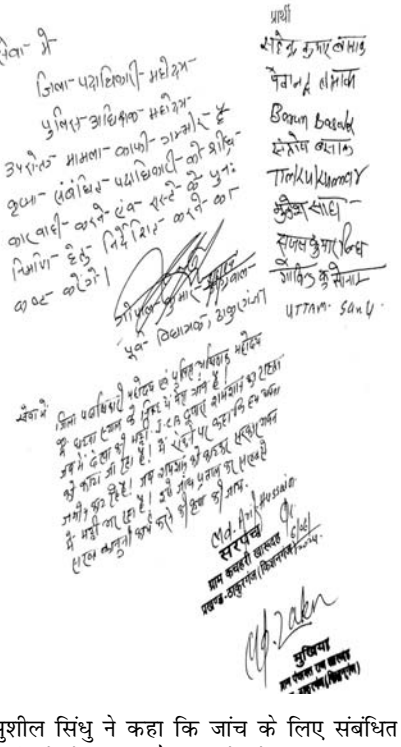

दुर्घटना में घायल सिपाही को समय पर भेजा गया अस्पताल

● फरीद अहमद

मतगणना ड्यूटी के लिए किशनगंज जाने के क्रम में पौआखाली डेरामारी सड़क पर दस्तूर चौक के समीप दो सिपाही सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए जिसमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पौआखाली थाना अध्यक्ष आशुतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि दोनों सिपाही की मतगणना ड्यूटी लगी है जिसके लिए वह किशनगंज जा रहे थे लेकिन दस्तूर चौक के समीप सड़क दुर्घटना में घायल हो गए सूचना मिलते ही थाने की गाड़ी से दोनों सिपाहियों को अनुज कुमार और राजेश कुमार को इलाज के लिए किशनगंज सदर अस्पताल

भेजा गया। आगे उन्होंने बताया कि दोनों सिपाही स्कूटी से जा रहे थे। इसी क्रम में सड़क हादसे का शिकार हो गए फिलहाल दोनों इलाजरथ है।●

विभाग का जल-जमाव वाला विकास

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत नगर पंचायत पौआखाली में हल्की बारिश के बाद मई में जल जमाव वाला विकास देखने को मिला। स्थानीय मो० असफाक आलम , साजिद आलम बताते हैं कि बारिश होते ही डां राही अहमद के घर के आगे मार्केट रोड पर जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है पिछले दो वर्षो से यही हाल है। नाला की भी साफ सफाई नहीं है जिससे पानी निकासी हो जाए । जलजमाव के कारण हमेशा ही दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और दुर्घटना हो भी जाती है आवागम करने में महिलाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।वाहन चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गौर करने वाली बात

है कि पीछले दो वर्षों से जलजमाव की समस्या से राहगीर परेशान है लेकिन आज तक इसका कोई निदान न तो जनप्रतिनिधि निकाल पाये और न ही विभाग। ऐसा लगता है कि जिम्मेदार लोग अपनी आंखों में काली पट्टी बांधे हुए है। बाजार का मुख्य सड़क होते हुए भी समस्या का हल नहीं निकल पाना जिम्मेदारों की उदासीनता को दरसाता।●

दो थानाध्यक्ष सहित नौ पुलिस पदाधिकारी का तबादला

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले में बेहतर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर एसपी सागर कुमार ने बहादुरगंज अंचल पुलिस निरीक्षक इजहार आलम को टेढ़ागाछ थाना का प्रभार दिया है। वहीं पुलिस केन्द्र में स्थापित संजय पांडेय को बहादुरगंज अंचल पुलिस निरीक्षक बनाया गया है। किशनगंज जिले में एसपी सागर कुमार के निर्देश पर दो थानाध्यक्ष सहित 9 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला कर दिया गया। जिले में बेहतर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर एसपी सागर कुमार ने बहादुरगंज अंचल पुलिस निरीक्षक इजहार आलम को टेढ़ागाछ थाना का प्रभार दिया है। वहीं पुलिस केन्द्र में स्थापित संजय पांडेय को बहादुरगंज अंचल पुलिस निरीक्षक बनाया गया है। कोचाधामन के अपर थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय को साइबर थाना का प्रभार दिया गया है। कोचाधामन थाना में पदस्थापित महेश पूर्वे को अपर थानाध्यक्ष कोचाधामन व अनुसंधान इकाई का प्रभार दिया गया है। टेढ़ागाछ थानाध्यक्ष प्रभारी धनजी कुमार गर्वनडंगा थानाध्यक्ष बनाया गया है। साइबर थाना के राजु उर्फ जितेन्द्र को छत्तरगाछ कैंप प्रभारी बनाया गया है। वहीं कोचाधामन थाना के राजु कुमार को धनपुरा प्रभारी पिकेट बनाया गया है। पुलिस केन्द्र में पदस्थापित अमित कुमार को साइबर थाना अनुसंधान इकाई का प्रभार दिया गया है। किशनगंज हिन्दी शाखा पुलिस कार्यालय में पदस्थापित दुधनाथ सिंह को पुलिस केन्द्र में स्थान दिया गया है।●

पति की लंबी उम्र के लिए सुहागिनों ने की वट सावित्री पूजा

● धर्मेन्द्र सिंह

शहर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 06 जून को वट सावित्री की पूजा काफी श्रद्धा के साथ की गई। हालांकि बारिस के कारण कुछ सुहागिन महिलाओं ने अपने-अपने घरों में ही वट वृक्ष की टहनी को लाकर पूजा-अर्चना कर अपने पति के दीर्घायु होने की कामना की। कुछ सुहागन महिलाओं ने अपने गांव-मोहल्ले के निकटतम वट वृक्ष के पास जाकर वट वृक्ष की पूजा की। सुबह से ही पूजा का सिलसिला दोपहर तक चलता रहा। सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रख वट वृक्ष पर अक्षत और कुमकुम चढ़ाया। बाद में सूत के धागे को वट वृक्ष पर बांधा। वट वृक्ष के चारों ओर 7 बार परिक्रमा कर मन्नतें मांगी और अपने पति एवं बच्चों की दीर्घायु के साथ ही परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। गौर करे कि श्रृंगार कर दुल्हन की तरह वट वृक्ष के पास पहुंची महिलाओं ने विधि-विधान के साथ वट सावित्री की व्रत को पूरा किया। महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि इस दिन सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प और श्रद्धा से यमराज द्वारा अपने मृत पति सत्यवान के प्राण वापस पाए थे। इसलिए सुहागन महिलाओं के लिए ये व्रत बेहद ही फलदायी माना जाता है। इस दिन सुहागन महिलाएं पूरी दुल्हन की तरह श्रृंगार कर बरगद के पेड़ की पूजा करती है। उन्होंने बताया कि वट वृक्ष की जड़ में

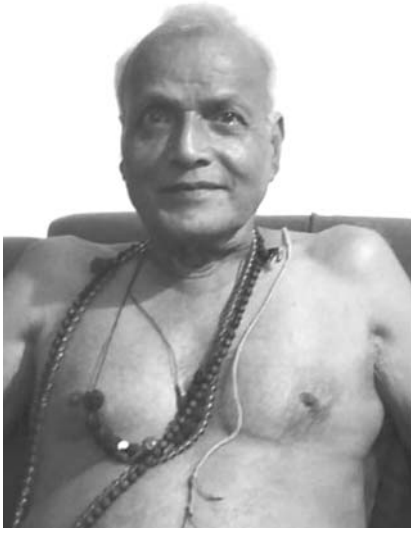

भगवान ब्रह्मा, तने में भगवान विष्णु व डालियों, पत्तियों में भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है। सुहागन महिलाएं इस दिन यम देवता की पूजा करती हैं। अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए यह व्रत हर साल ज्येष्ठ की अमावस्या को रखा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार जो व्रती सच्चे मन से इस व्रत को करती है उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होने के साथ उनके पति को लंबी आयु प्राप्त होती है। इस व्रत को करने के कुछ नियम हैं जिनका पालन करना काफी अहम माना जाता है। गुरु साकेत कहते है कि सती सावित्री को इसलिए सती नहीं कहा जाता है क्योंकि वो अपने पति के मृत्यु के बाद चिता पर बैठ कर सती हो गई। सती इसलिए कहा जाता है क्योंकि वो इतनी पति भक्त थी की यमराज से लड़ कर वापस अपने पति के प्राण ले आई। माता अनुसुइया को भी सती अनुसुइया इसलिए नहीं कहा जाता है क्योंकि वो अपने पति की मृत्यु के बाद उनकी चिता पर बैठ कर सती हो गई थी, बल्कि इसलिए कहा जाता है कि उन्होंने पति भक्ति कि परीक्षा पास की जो खुद भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने ली थी।●

किराना दुकान में दिया गया चोरी की घटना को अंजाम

● फरीद अहमद

जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र के पांचगाछी जाने वाली रूट पर स्थित हीरा लाल साह के किराना दुकान में बीती रात को चोर ने उत्पात मचाया और करीब पचास से साठ हजार रुपए के समान की चोरी की जिसमे मधु के पैकेट, रजनीगंधा के पैकेट, फ्लैग सिगरेट के पैकेट शामिल है। पीड़ित ने बताया कि उनके दुकान में चोरी की घटना पहली बार नहीं हुई है इससे पूर्व भी कई बार उनके दुकान में चोरी की घटना घट चुकी है लेकिन चोर का पता नहीं चल पाया है। आगे हीरा लाल साह ने कहा की थाना में लिखित आवेदन दिया गया है। जिले में लगातार हो रही चोरी की घटना ने दुकानदारों के नींद उड़ा दिए है।●

किशनगंज के रास्ते चल रहा है सोना तस्करी का अवैध कारोबार

● धर्मेन्द्र सिंह

सिलीगुड़ी कॉरिडोर और किशनगंज के रास्ते तस्करी के विदेशी सोना के अवैध कारोबार का खेल बदस्तूर जारी है। बीते 13 जून को किशनगंज बीएसएफ और डीआरआई टीम ने लगभग डेढ़ करोड़ मूल्य के तस्करी के गोल्ड के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया है। चिकेन नेक और सिलीगुड़ी कॉरिडोर के रास्ते इस्लामपुर, किशनगंज, दालखोला, रायगंज क्षेत्र सोना तस्करी का गोल्डन प्वाइंट बन चुका है। इस इलाके में आए दिन तस्करी के सोना की बरामदगी हो रही है। इन इलाकों में रोजाना करोड़ों की सोने की स्मगलिंग होती है। भारत बांग्लादेश, भारत भूटान, भारत-नेपाल की सीमा से नजदीक होने और तस्करी के सोने से मोटा मुनाफा होने के कारण इस धंधे में सैकड़ों लोग और खासकर ज्वेलरी कारोबार से जुड़े कई सफेदपोश लगे हुए हैं।इस कार्रवाई के बाद सोने की तस्करी करने वाले कई बड़े गिरोह डीआरआई और बीएसएफ की रडार पर है। दरअसल बांग्लादेश, नेपाल और भूटान में गोल्ड पर कोई टैक्स नहीं है और इन देशों में दुबई से गोल्ड की आवक होती है। वहीं भारत के बाजार से तुलना करें तो भारत से लगभग 10 प्रतिशत सस्ते में समीपवर्ती तीनों देशों में गोल्ड मिलता है। साथ ही यहां अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव में सोना बिकता है। वहीं भारत में कस्टम ड्यूटी 10 प्रतिशत जुड़ जाती है। जिस कारण समीपवर्ती तीनो देशों के तुलना में भारत में गोल्ड का मूल्य 10 प्रतिशत अधिक है। अगर 100 ग्राम के सोने के बिस्कुट की बात करें तो अभी के बाजार मूल्य के हिसाब से भारत में लगभग 72000 रुपए दाम है, वहीं बांग्लादेश, भूटान में यह 65 हजार से कम में बिकता है। इसी फर्क के कारण सिलीगुड़ी, इस्लामपुर, किशनगंज, दलखोला, रायगंज तस्करों के लिए स्वर्ग बना हुआ है। इस कारोबार से जुड़े सूत्रों के अनुसार सिलीगुड़ी से लेकर रायगंज तक सोने की तस्करी रोजाना बड़े पैमाने पर होती है। दूसरे देश का सोना बिना कस्टम ड्यूटी चुकाए भारत में बिकना पूरी तरह से गैरकानूनी है। किंतु किशनगंज और

आसपास के इलाकों में ज्यादातर कारखानों में धड़ल्ले से यह अवैध कारोबार कई दशकों से चलता आ रहा है। सूत्रों की माने तो किशनगंज सहित रायगंज, सिलिगुड़ी, दलखोला, इस्लामपुर में स्थित कई सोना गलाने वाले कारखानों द्वारा बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के सोने की खेप तस्कर पहुंचाते हैं। कारखानों में डिलीवरी के दो मिनट के अंदर सोने को गलाकर भारत की मुहर लगा दी जाती है। कई बार गुप्त सूचनाओं के आधार पर इन कारखानों में कस्टम विभाग के द्वारा छापामारी भी की जाती रहती है, किंतु कस्टम अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही दूसरे देश के सोने को गलाकर भारत की मुहर लगा दी जाती है। यह सारा सोना भारत की मुहर लगाने के बाद एक नंबर का हो जाता है, जिसे मालदा, कोलकाता आदि सोने की बड़ी मंडियों में खपा दिया जाता है। बंगाल के इस्लामपुर में 13 जून को गोल्ड तस्करी के खुलासे के बाद इसके तार किशनगंज से जुड़े होने का बताए जा रहे हैं। इस कारोबार से जुड़े इस्लामपुर के एक व्यापारी के अनुसार किशनगंज के ही एक बड़े सोना कारोबारी का गुप्त फर्म है। जहां से सोना गलाकर उसे बाहर भेजा जाता है। जांच एजेंसियों के मुताबिक पहले सबसे ज्यादा तस्करी का सोना नेपाल के रास्ते आता था। अब इसका बड़ा हिस्सा चीन से म्यांमार में प्रवेश करता है। इसके बाद मांडले-कलेवा मार्ग से भारत-म्यांमार सीमा पर लाया जाता है। मणिपुर, मिजोरम व नागालैंड के दुर्गम इलाकों से यह सोना भारत पहुंचता है और फिर ट्रेन और सड़क मार्ग से एक हिस्सा सिलीगुड़ी के रास्ते इस्लामपुर किशनगंज, दालखोला, मालदा, और कोलकाता तक पहुंचता है और इसी बीच में सोना को गला कर उसे भारतीय सोना बना दिया जाता है। दूसरा स्रोत दुबई है जहां से बांग्लादेश के रास्ते भी तो नेपाल के रास्ते भी सोना भारत आता है। एक तरफ जीएसटी चोरी पर सरकार का शिकंजा कसता जा रहा है तो दूसरी तरफ सोने की तस्करी का रैकेट मजबूत हो रहा है। सराफा कारोबारी अपने कैरियर (तस्करी की भाषा में ट्रैवलर) के जरिये तस्करी का सोना ला रहे हैं। इसमें सबसे प्रसिद्ध लेकिन महफूज रूट सिलीगुड़ी, किशनगंज कोलकाता है।●

पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले से एक बड़ी खबर आ रही है वहां पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से एक दर्जन से ज्यादा राउंड फायरिंग हुई है। जिसमें भागने के क्रम में एक अपराधी गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। वही एक पुलिसकर्मी को भी चोट लगी है। घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के सीआडीह और कथराई बधार की है। बताया जाता हे कि जब बदमाशों की गोलियां खत्म हो गई तो पुलिस ने उन्हें ईंट से मारकर घायल कर दिया और फिर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस और बदमाशों के बीच करीब 45 मिनट तक फायरिंग हुई। पुलिस लूट की एक घटना में शामिल आरोपियों को पकड़ने गई थी। पुलिस ने अपराधियों की घेराबंदी कर ली। तभी अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। दरअसल गुरुवार शाम फाइनेंस कर्मी से तीन अपराधियों ने कलेक्शन के 1,83,900 रुपए लूटे थे। पीड़ित ने थाने में आवेदन दिया था। पुलिस को सूचना मिली कि अपराधी वारदात स्थल से करीब 20 किमी दूर हैं। पुलिस ने वहां जाकर घेराबंदी की तो बदमाश ने फायरिंग कर दी। अन्य अपराधियों की तलाश जारी है। घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के सियाडीह टोला के पास की है। जगदीशपुर थाना के स्टेट हाईवे पर तेंदूनी मोड़ के पास फाइनेंस कंपनी कर्मचारी से लूटपाट हुई थी, मोबाइल भी छीन लिया गया था। पीड़ित पप्पू कुमार जहानाबाद के पारस बीघा क्षेत्र के मुंशीचक गांव निवासी सुरेंद्र यादव के बेटे हैं। जो

जगदीशपुर नगर स्थित स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल लिमिटेड में ऋण अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। पीड़ित कर्मी ने आवेदन में लिखा कि ऋण का पैसा वसूल कर जगदीशपुर लौट रहे थे। तभी तेंदूनी गांव के पास बदमाशों ने ओवरटेक कर धक्का देकर गिरा दिया और बाइक की चाबी छीनकर डिक्की में रखे नगद ले गए। पीड़ित ने बदमाशों के गड़हनी की तरफ भागने की बात बताई। पुलिस को सूचना मिली थी कि हथियारबंद लुटेरे चरपोखरी के सियाडीह गांव के समीप दिखे हैं। पीरो डीएसपी राहुल कुमार सिंह ने बताया कि कल जगदीशपुर में लूट की घटना हुई थी। अपराधी सियाडीह गांव के अंडरपास की ओर देखे गए। इसके बाद भोजपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने अपराधी की गिरफ्तारी के लिए मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। जिसके बाद अपराधी वहां से भाग गया और सियाडीह टोला के पोखरा के समीप पहुंचकर फायरिंग शुरू कर दी। इधर से पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की। एक पुलिसकर्मी ने अपराधी को ईंट से मारकर जख्मी कर दिया। फिर उसकी गिरफ्तारी हुई। इलाज के लिए चरपोखरी पीएचसी में भर्ती कराया गया। अन्य बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।●

अवैध आग्नेयास्त्र एवं जिंदा कारतूस के साथ अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

समय करीब 15:15 बजे अपराह्न में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि उदवंतनगर थानान्तर्गत ग्राम महत्वनियों में संजय सिंह, पे०-केदार सिंह, सा०-महत्वनियाँ, थाना-उदवंतनगर, जिला-भोजपुर अपने घर के पास देशी कट्टा लेकर घूम रहा हैं। जो किसी बड़े घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। उक्त आसूचना का सत्यापन, अवैध आग्नेयास्त्र की बरामदगी एवं अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु पु०नि० राम कल्याण यादव, थानाध्यक्ष उदवंतनगर थाना के नेतृत्व में म०पु०अ०नि० श्वेता किरण, स०अ०नि० सुधीर कुमार साह, दोनो उदवंतनगर थाना एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया।

गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ज्यो हीं ग्राम-महत्वनियों में संजय सिंह, पे०-केदार सिंह, सा०-महत्वनियाँ, थाना-उदवंतनगर, जिला-भोजपुर के घर के पास पहुँचा तो देखा कि पुलिस की टीम को देखकर 01 व्यक्ति भागने लगा, जिसे शस्त्र बलों के द्वारा खदेड़कर पकड़ा गया और उसका विधिवत् तलासी लिया गया तो उसके पास से 01 देशी कट्टा एवं 05 जिंदा कारतूस बरामद किया तथा इसमें संलिप्त 01 अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में उदवंतनगर थाना कांड सं0-197/24, दि०-14.05.24, धारा-25(1-बी) ए / 26 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया हैं।●

डीजे संचालक हत्याकाण्ड में संलिप्त दो अभियुक्त गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

मुफस्सिल थाना अंतर्गत डीजे संचालक के हत्या के कांड में केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने कांड में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मृतक शोभी डुमरा गांव निवासी नीरज कुमार था जो हरेंद्र कुमार का पुत्र था। नीरज कुमार भाड़े पर डीजे बजाने का काम करता था और मुर्गा भी बिक्री करता था। शुक्रवार की रात गांव के ही सोनू कुमार के घर छठी में डीजे बजाने गया था। साम में करीब 07:00 बजे अपनी माँ से यह कहकर घर से निकला कि सोनु कुमार, पे०-विमल पासवान, सा०-शोभी डुमरा, थाना-आरा मुफस्सिल, जिला-भोजपुर के यहाँ मेरा डी० जे० का साटा हैं, मैं वही जा रहा हूँ, रात में घर नहीं आउंगा। दिनांक-11.05.2024 को सुबह 04:58 बजे वादी का दूसरा बेटा अप्पु कुमार के मोबाईल पर सोनु कुमार के द्वारा कॉल करके बोला कि तुम्हारे भाई निरज कुमार का हत्या हो गया है। उनका शव घर के पास खेत में फेंका हुआ हैं। उसके बाद वादी अपने पूरे परिवार के साथ घटनास्थल पर पहुँचा और शव की पहचान की। वादी के द्वारा दिये गये आवेदन के आधार पर अज्ञात के विरूद्ध आरा मुफस्सिल

थाना कांड सं0-141/24 दिनांक-11. 05.24 धारा-302/201/34 भा०द०वि० दर्ज किया गया। उक्त घटना में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान एवं उनकी गिरफ्तारी हेतु सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-01. सदर आरा के नेतृत्व में पु०नि० राजीव कुमार सिन्हा, पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष, आरा मुफस्सिल थाना, प्र०पु०अ०नि० राजीव कुमार, पु०अ०नि० विनोद कुमार, मुफस्सिल थाना, डी०आई०यू० टीम एवं थाना के सशस्त्र बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा तकनीकी/आसूचना संकलन करते हुए उक्त घटना में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान किया गया तथा दिनांक 12.05.2024 को समय करीब 01:30 बजे अपराह्न में रेड /छापामारी कर उक्त घटना में संलिप्त 02 अभियुक्तों को उनके घर से गिरफ्तार किया गया हैं।

☞ **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम :-** अंकित कुमार, पे०-बिजेन्द्र पासवान, सा०-शोभी डुमरा, थाना-मुफस्सिल, जिला-भोजपुर (2) अनिता देवी, पति-बिजेन्द्र पासवान, सा०-शोभी डुमरा, सिकरहट्टा जिला-भोजपुर निवासी बताया जा रहा है जिसकी सूचना भोजपुर पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रेस वार्ता कर दी गई।●

पदमुक्त हुए प्रभारी ने अवैध रूप से कराया शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव

● गुड्डू कुमार सिंह

जन सहकारी डिग्री कॉलेज बराप (गड़हनी) भोजपुर के पदमुक्त हुए प्रभारी संजय कुमार राय ने वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के आला अधिकारियों के आदेशों/निर्देशों को ताख पर रखकर अवैध रूप से शिक्षक प्रतिनिधि का चुनाव 2024-25 के लिए कराया। मालूम हो कि विश्वविद्यालय ज्ञापांक-c/915/ Estab/2024 दिनांक-09/05/24 के द्वारा संजय कुमार राय को अयोग्य शिक्षक ठहराते हुए प्रभारी प्राचार्य की नियुक्ति को अस्वीकार किया गया है साथ ही निर्देशित किया साथ था कि वरीय शिक्षक को अविलम्ब प्रभारी प्राचार्य के पद पर नियुक्त कर विश्वविद्यालय प्रशासन को अवगत कराया जाए परन्तु महाविद्यालय के तदर्ध्व समिति शासी निकाय के वरीय पदाधिकारियों द्वारा विश्वविद्यालय के आदेशों का अनुपालन नहीं किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के आदेशों का पालन नही करना महाविद्यालय पर प्रश्न चिन्ह् खड़ा करता है।

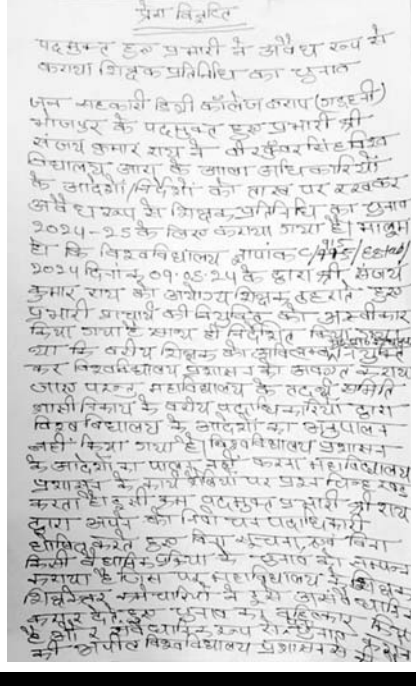

इसी क्रम मे पदमुक्त प्रभारी प्राचार्य श्री राय अपने को निर्वाचन पदाधिकारी घोषित करते हुए बिना सूचना, एवं बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के चुनाव को सम्पन्न कराया है जिस पर महाविधालय शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए चुनाव का वहिष्कार किया है और संवैधानिक रूप से पुनः चुनाव कराने की अपील विश्वविद्यालय से की है।●

देसी कट्टा के साथ पैसे लूट कर भाग रहा अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

जगदीशपुर थानान्तर्गत तेंदुनी मोड़ एवं संगम टोला के बीच लूट की घटना को अंजाम देने के उपरांत पैसे लूट कर भागे 01 अपराधकर्मी एक देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार। वादी पप्पु कुमार, पिता सुरेन्द्र यादव, सा०-मुस्तीचक, थाना-पारस विगहा, जिला-जहानाबाद के द्वारा जगदीशपुर थाना में एक आवेदन दिया गया कि उनके साथ सा०-तेंदुनी मोड़ एवं संगम टोला के बीच एक बाइक ब्लू रंग की यामहा आर0-15 मोटरसाइकिल से अज्ञात 02 व्यक्तियों ने इनकी गाड़ी में टक्कर मारकर गिरा दिया तथा गाड़ी के डिक्की में रखे हुये रूपये लूट कर भाग गये। आवेदक के द्वारा दिये गये आवेदन के आलोक में जगदीशपुर थाना कांड सं0-87/24, दिनांक-06.06.24, धारा-392 भा०द०वि० दर्ज किया गया। उक्त कांड में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान, लूट की गई राशि की बरामदगी एवं अपराधर्मियों की गिरफ्तारी हेतु पु०नि० संतोष कुमार सिंह थानाध्यक्ष चरपोखरी थाना, पु०नि० बिगाउ राम, पु०नि०-सह-थानाध्यक्ष जगदीशपुर थाना के नेतृत्व में पु०अ०नि० जयंत प्रकाश अपर थानाध्यक्ष, जगदीशपुर थाना, दोनो थाना के सशस्त्र बलों तथा डी०आई०यू० टीम के प्रभारी पु०नि० बिपिन बिहारी तथा डी०आई०यू० टीम के अन्य सदस्यों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। दिनांक 07.06.2024 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि समय करीब 08:40 बजे पूर्वाह्न में उक्त घटना में सम्मिलित अभियुक्त ग्राम-सियाडीह टोला के पास छुपे हुये हैं, गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त अपराधकर्मी की घेराबंदी की गई, जिसके उपरान्त अपराधकर्मी अपने आप को घिरता देखकर पुलिस की टीम पर फायरिंग करने लगे, जवाबी कार्रवाई में पुलिस की टीम के द्वारा हवाई फायरिंग की गई तथा उक्त भाग रहे अपराधकर्मी अनिल कुमार उर्फ सूरज साव, पिता-सोमनाथ साह, सा०-ननौर, थाना-सहार, जिला-भोजपुर को 01 आग्नेयास्त्र के साथ गिरफ्तार किया गया। ●

क्रिमिनल को अरेस्ट करने गई पुलिस को मिली भारी मात्रा में हथियार

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर पुलिस को एक बड़ी उपलब्धि हाथ लगी है। जहां की सिकरहटा थाना अंतर्गत बड़ी घटना को अंजाम देने से पूर्व भारी मात्रा में अवैध हथियार एवं कारतूस के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के संदर्भ में जानकारी देते हुए भोजपुर एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी की सिकरहटा थाना अंतर्गत पनवारी गांव में अवैध हथियार के साथ अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में लगे हुए हैं। इस सूचना का सत्यापन अवैध हथियार की बरामदगी एवं अपराध कर्मियों की गिरफ्तारी हेतु पीरो डीएसपी राहुल सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जिसमें सिकरहट्टा थानाध्यक्ष रौशन कुमार, दरोगा प्रफुल्ल, विवेक कुमार समेत अन्य सशस्त्र बल शामिल थे।

उसके बाद हथियार बरामद किया गया। इनके पास एक दोनाली बंदूक, दो एकनाली बंदूक, एक देशी कट्टा, दो जिन्दा कारतूस और 15 खोखा एक साथ दो मोबाइल बरामद किए गए है। पकड़ा गया आरोपित सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के पनवारी गांव निवासी स्व ईश्वर पासी के पुत्र शत्रुध्न पासी एवं जयकिशुन सिंह के पुत्र अनिष कुमार उर्फ मनीष कुमार है। ●

भारतीय इतिहास में अंकित चौसा की ऐतिहासिक दास्तां, अब कहानी बनकर रह जायेगी : वर्मा

● बिन्ध्याचल सिंह

बिहार एवं उतर प्रदेश की सीमा पर गंगा कर्मनाशा नदी की गोद में बसा सुप्रसिद्धि ऐतिहासिक स्थल चौसा की अपनी एक अलग पहचान है, जो बिहार राज्य अन्तर्गत जिला मुख्यालय बक्सर से दस किलोमीटर पश्चिम अवस्थित है, जहॉ 26 जून 1539 को शेरशाह सूरी और मुगल बादशाह हुमॉयू के बीच निर्णयाक युद्ध हुआ था। बक्सर जनपद अन्तर्गत युद्ध भूमि चौसा की ऐतिहासिकता को व्यक्त करते हुए प्रबुद्ध बुद्धिजीवि विचार मंच के अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित वरीय अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने प्रतिनिधि को बताया कि चौसा की इस ऐतिहासिक लडाई में शेरशांह ने हुमॉयू की सेना को बुरी तरह पराजित कर मुगल सल्तनत के विस्तार को रोक लगा दिया था तथा अफगान शासक के रूप में शेरशाह मिल का पत्थर साबित हुआ। इस ऐतिहासिक युद्ध में आठ हजार मुगल सैनिक तथा अमीर मारे गये थे। युद्ध में पराजित होने के बाद जान बचाने के लिए हुमॉयू गंगा नदी में कूद कर भागने का प्रयास किया था और उसी क्रम में जब वह डुबने लगा तो मिश्ती निजाम ने गंगा में छलांग लगाकर डूबते हुए हुमॉयू की जान बचायी थी। इसी एवज में हुमॉयू ने दिल्ली पहुॅचकर मिश्ती निजाम को एक दिन के लिए तख्त की ताजपोशी कर दी और अपने उस एक दिन के शासन काल में चमडे का सिक्का चलाकर मिश्ती निजाम ने अपनी ख्वाहिश पूरी की थी।

श्री वर्मा ने कहा कि एक दिन की बादशाहियत मिलने पर मिश्ती निजाम द्वारा चमडे का सिक्का जारी करना एक ऐसी ऐतिहासिक दास्तान है जो भारतीय इतिहास के पन्नों में अंकित होकर बक्सर जनपद के इस चौसा को एक ऐतिहसिक व यादगार स्थल के रूप में राष्ट्र के मानचित्र पर प्रस्थापित करती है।श्री वर्मा ने पुन: बताया कि चौसा प्रखंड अन्तर्गत नरबतपुर गॉव स्थित एक उॅचे टोले पर शेरशाह की विजय गाथा स्वरूप स्मारक शेरशाह गढ के रूप में अवस्थित है। तीन कमरे वाले इस स्मारक स्थल का चौसा भवन कहते

है, जिसके ठीक सामने एक स्तूप भी द्रष्टव्य है,जिसका शिलान्यास 11 सितम्बर 1999 को तत्कालीन जिलाधिकारी शक्ति कुमार नेगी द्वारा किया गया था। इस स्तूप पर शेरशाह सूरी की विजय गाथा जिला प्रशासन द्वारा इस चौसा भवन के चारों तरफ वृक्ष भी लगवाए गये है।श्री वर्मा ने बताया कि इस ऐतिहासिक युद्धस्थल स्थित कुछ हिस्से से चौसा भवन निर्माण कार्य के दौरान कतिपय दुलर्भ पत्थरों एवं सख्त मिटटी की कुछ ऐसी खंडित मूर्तियां मिली थी, जो इतिहासेवताओं के अनुसार सिन्धु घाटी सम्यता के इतिहास को दर्शाती है। इस तथ्य के आलोक में श्री वर्मा का कहना है कि उक्त ऐतिहासिक युद्धस्थल की विधिवत खुदाई करायी जानी चाहिए ताकि इस जनपद को महत्वपूर्ण ऐतिहासिक सामग्रियां उपलब्ध हो सके। सभी प्राप्त खंडित मूर्तिया स्थानीय सीताराम उपाध्याय संग्राहालय में सुरक्षित संग्रहित है। ऐतिहासिक युद्धभूमि चौसा के वर्तमान स्वरूप का जिक्र करते हुए श्री वर्मा ने बताया है कि गंगा तथा कर्मनाशा नदियों के संगम पर स्थित ऐतिहासिक चौसा की इस युद्धभूमि को कतिपय स्थानीय लोग अपने कब्जे में करते गये हैं तथा समय के साथ गांव का विस्तार भी युद्ध स्थल के पास तक होता गया है। जबकि चौसा की ऐतिहासिक कायम रखने के संदर्भ में स्थल अतिक्रमण करने की यह प्रवृति घातक है। ऐसी स्थिति में श्री वर्मा ने अपने वक्तब्य के माध्यम से यह संकेत किया है कि यदि इस ऐतिहासिक युद्ध स्थल की प्रशासनिक घेराबंदी नहीं की गयी तो सम्भवत: एक दिन ऐसा आयेगा कि चौसा के इस ऐतिहासिक युद्ध स्थल के स्वरूप का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा।●

अनुमण्डलाधिकारी को खुला चैलेंज देता विधि सलाहकार मठिया, बक्सर

● बिन्ध्याचल सिंह

'हा रब त हुरब-जीतब त थुरब' उपर्युक्त भोजपुरी कहावत को चरितार्थ करते हुये महर्षि विश्वामित्र बडी मठिया रामरेखा घाट,बक्सर में अपने को मैनेजर व विधि सलाहकार कहने वाले पुरे भारत के भ्रष्टाचारियो के सर्व गुण सम्पन्न परम आदरणीय श्री केदारनाथ सिंह वर्तमान में करोड़ों रूपयों की सम्पति का मालिक बन चुके है, उपर्युक्त बात की जानकारी उनलोगो ने दी जिनके उपर भारतीय दण्डसंहिता की धारा-107 लागु है जो मंहत श्री चन्द्रमा दास के द्वारा किया जा चुका है। उपर्युक्त बाते जॉच का विषय है केवल सच इसकी पुष्टि नही करता है। श्री चन्द्रमा दास के द्वारा दी गई शपथ पत्र के अनुसार श्री केदारनाथ विधि सलाहकार है और मेरे अनुपस्थिति में बडी मठिया के आय-व्यय व सम्पति का निगरानी करते है, शपथ पत्र दिनांक 13/06/2023 की है। जब इसकी जानकारी के लिये केवल सच प्रतिनिधि श्री केदारनाथ से जानकारी लेने पहुॅचे तो श्री केदारनाथ ने जानकारी दी कि मंहत की अनुपस्थिति में हरिवंश पैसा का हिसाब रखते है, जो सरासर झुठ है। जानकारी के अनुसार महर्षि विश्वामित्र बडी मठिया रामरेखा घाट बक्सर के मंथत श्री चन्द्रमा दास नही बल्कि श्री केदारनाथ है जो अनुमंडण्लाधिकारी बक्सर को खुला चौलेज देते आ रहे है। जानकारी के लिये बता दूॅ कि कंडिका 16डी का अनुपालन

करते हुये श्री धीरेन्द्र कुमार मिश्र अनुमंण्डलाधिकारी बक्सर के पत्रांक-229गो0 दिनांक-02/05/2023 को प्रतिलिपि सरकारी प्लीडर,बक्सर को इस अनुरोध के साथ कि दिनांक 04/05/2023 को निर्धारित सुनवाई में अपने स्तर से भी इस प्रतिवेदन को माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थापित किया जाय। साथ ही जिलाधिकारी, बक्सर को सादर सूचनार्थ प्रेषित है। कंडिका 16डी का अनुपालन में वर्णित वाक्य-केदारनाथ सिंह एवं उनके परिवार को न्यास परिसर से बेदखल कर दिया गया है एवं उस कक्ष को दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में सील कर दिया गया है। केदारनाथ सिंह की न्यास की अन्य किसी भी संम्पति में दखल है अथवा नही, इसकी भी गहन पडताल की जा रही है और जहॉ-जहॉ ऐसा पाया जाएगा, उन्हें बेदखल किया जाएगा। प्रतिवेदन सादर समर्पित। आपको बताते चले कि खबर लिखे जाने तक केदारनाथ न्यास की किसी भी सम्पति से बेदखल नही है। बल्कि केदारनाथ उन सभी सम्पति पर अधिकार जमाये हुये है जो श्री सतीश कुमार दिनांक 11/08/2022 को अपने यात्रा-वृतात में न्यास को अवगत करा चुके है। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष श्री अखिलेश जैन के पत्रांक-2717 दिनांक 10/11/2022 जो न्यास के संबंध में पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक-2028दिनांक-13/09/2022 से सम्बन्धित है, का भी अनुपालन नही किया गया है। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि अनुमंण्डाधिकारी, बक्सर का कंडिका 16डी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, चतुर्थ, बक्सर दिनांक 29/03/2023 से सम्बन्धित है। जानकारी सुत्रो के अनुसार अनुमंण्डलाधिकारी, बक्सर के द्वारा जिस कमरा में ताला बंद कर चुके है उसका भी कमरा का ताला श्री केदारनाथ सिंह महज चार दिन बाद ही तोड दिये है। जिसपर आज तक कोई कारवाई नही हो रही है। जिससे उसका मनोबल बढता ही जा रहा है। समय रहते इस पर किसी प्रकार की कारवाई नही हुयी तो बहुत जल्द की महर्षि विश्वामित्र आश्रम बडी मठिया रामरेखा धाट बक्सर केदारनाथ सिंह की निजी सम्पति में तबदील हो जायेगी। वैसे केदारनाथ सिंह के द्वारा ताला तोडे जाने पर, इसकी जानकारी के लिये केवल सच प्रतिनिधि अनुमंण्डालाधिकारी,बक्सर के कार्यालय में दस्तक दिये परन्तु महोदय से मुलकात न हो सकी और न ही दुरभाष से बात ही हुई जिससे किसी प्रकार की कारवाई की जानकारी दी जा सके। ●

भू-माफिया की दबंगई मौजा-खतिबा में

● बिन्ध्याचल सिंह

लोक सूचना पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी इटाढी के पत्रांक-961 दिनांक 24/06/2020 को आवेदक-कन्हैया राजभर ग्राम-खतिबा को दी जानकारी के आलोक में मौजा-खतिबा, थाना-268,सर्वे खाता-61,सर्वे खाता-326,रकवा-09 एकड 90 डिसमिल किस्म धनहर रैयत मंगला देवी,पिता-तालुकराज पाठक के नाम से पंजी-02 में पेज नम्बर-60 पर दर्ज है। मामला क्या है?--स्वर्गीय गंगाधारी राजभर लगभग 40 वर्ष तक मंगला देवी पिता-तालुकराज पाठक, ग्राम- इटाढी के घर नौकर के रूप में सेवा दे चुके है। परन्तु मजदुरी के रूप वही मंगला देवी के द्वारा दी गई 16 एकड जमीन पर अपना जीवनयापन के लिये खेती किया करते थे। मंगला देवी की हर समय सेवा करने के साथ स्वर्गीय गंगाधारी के पुरा परिवार मंगला देवी के हर समय विशेष ख्याल रखते थे। जिसके एवज में मंगला देवी ने मौजा-खतिबा मे पहले 16 डीसमील जमीन घर व पशु रखने के लिये जमीन दी, जहॉ वर्तमान में स्वर्गीय गंगाधारी राजभर का नाद-चरन है। परन्तु बाद में स्वर्गीय गंगाधारी राजभर को 16 एकड जमीन दी। जिसका ब्यौरा कन्हैया राजभर के द्वारा केवल सच प्रतिनिधि को सौपी जा चुकी है। मंगला देवी के द्वारा दी गई 16 एकड जमीन की धरातल की जानकारी केवल सच प्रतिनिधि के द्वारा प्राप्त की गई तो ग्राम-खतिबा और इटाढी के आम जनता ने बताई की स्वर्गीय गंगाधारी राजभर पुरी जिंदगी व उनके पुत्र कन्हैया राजभर ने महज दो वर्ष तक नौकर के रूप में कार्य कर चुके है। उपरोक्त बात की जानकारी काशीनाथ पासवान जो 85 बंसत का आनन्द ले चुके है, ने कहा कि स्वर्गीय गंगाधारी राजभर व उनके पुत्र कन्हैया राजभर ने मंगला देवी के यहॉ नौकर थे। जबकि वही नाम नही छपने के शर्त पर एक कुशवाहॉ ने भी यही बात केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी दी। आपको बताते चले कि श्री कुशवाहॉ ने जुन 2024 को अपने जिंदगी की 99वे बसंत का आनन्द ले रहे है। उनके छोटे पुत्र के अनुसार पिता की ऑख व कान दोनो ठीक है। साथ ही पिताजी के पास कोई भी गम्भीर बिमारी नही है, हालांकि केवल सच प्रतिनिधि ने 27 मई 2024 को दैनिक अखबार हिन्दुस्तान को पढते देख चुके है। नगर पंचायत इटाढी के जनता की माने तो सरयू प्रसाद पाठक वगैरह ने फर्जी वंशावली बनाकर माया देवी को अपनी पैसे व दबंगई के बल पर परेशान करते है जिसका श्रेय पंचायत इटाढी के सरपंच की मुख्य भुमिका है। जानकारो के अनुसार मंगला देवी सरकार को लिखित रूप में दे चुकी है कि मेरे नौकर/बनिहार गंगाधारी राजभर के पास जमीन काबाला कराने के लिये पैसे नही है इसलिए मै मंगाला देवी भूमि उपसमहर्ता को लिखित रूप में/सरकार या विभाग को मान्य हो, जमीन की सही मालिक हमारे नौकर गंगाधारी राजभर है। उक्त लिखित की कॉपी केवल सच प्रतिनिधि भी पढ चुके है। वंशावली फर्जी है या सही केवल सच प्रतिनिधि को बिल्कुल भी जानकारी नही है, ना कोई फर्जी या सही होने का प्रमाण है। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

विकास की बाट देख रहा नौहट्टा के दसशीशनाथ महादेव मन्दिर

● श्रीधर पाण्डेय

जिस तरह झारखंड का देवघर मन्दिर वहाँ के विकास में अपनी महती भूमिका निभाता आ रहा है उसी के तर्ज पर बिहार में भी अनेकों ऐसे स्थान हैं जो सरकारी उदासीनता की वजह से स्थानीय स्तर पर ही सीमित हो चुके हैं। आज हम बात कर रहे हैं रोहतास जिला अंतर्गत नौहट्टा प्रखंड के बांदु गांव के पास सोन,सरस्वती और कोयल नदी के बीच जलधारा में स्थित दसशीश नाथ महादेव की। श्रद्धालु कभी यहां नाव से तो कभी-कभी पानी में उतरकर यहाँ पहुँचते हैं। काफी दुर्गम स्थल पर स्थित इस मंदिर की मान्यता ऐसी हैं कि इस शिवलिंग की स्थापना लंकापति रावण के द्वारा किया गया था। चुकीं साल के लगभग 8 महीने यह शिवलिंग पानी के अंदर रहता है और जब पानी कम हो जाता हैं तो शिवलिंग बाहर दिखने लगता हैं।किवदंती ऐसा माना जाता है कि यहां एक बार रावण और सहस्त्रबाहु के बीच युद्ध हुआ था जिसमें रावण को पराजय का सामना करना पड़ा था। अपने समय मे कई राजाओं ने इस महादेव स्थान पर शिलालेख लिखवाए हैं। खरवार राजा प्रताप धवल देव की पूरी वंशावली यहां अंकित है, जिन-जिन राजाओं ने अलग-अलग कालखंड में यहां आकर पूजा-अर्चना की है, उन लोगों ने अपने-अपने नाम अंकित करवाए हैं।इसी से अंदाज लगाया जा सकता हैं कि यह दसशीशानाथ कितना प्राचीन तथा महत्वपूर्ण मंदिर है।

बिहार के विकास के लिए कृत संकल्पित नीतीश कुमार जब पहली बार सरकार में आए तो उन्होंने ने भरोसा दिलाया की बिहार में विकास की असीम सम्भावनाएं हैं और उन्होंने कहा की 'क्या हुआ हमारे पास कल कारखाने और उद्योग की कमी हैं तो, बिहार का पर्यटन यहाँ उद्योग के रूप में विकसित होगा'। बिहार पर्यटन के क्षेत्र में विकसित कर भी रहा है आज राजगीर, नालंदा, बोध गया पावापुरी,पटना दुनिया के मानचित्र पर अमिट छाप छोड़ चुके हैं जहां विदेशों से भी लोग घूमने आते हैं। बिहार पर्यटन बौद्ध सर्किट, जैन सर्किट, सिख और मुस्लिम सर्किट के रूप में जिस तरह से विकास के लिए प्रयासरत हैं उसी दिशा में हिन्दू सर्किट पर भी फोक्स किया जाता तो बिहार पर्यटन के क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं हैं। बिहार में कई ऐसे तीर्थ स्थल हैं जो विकसित करने के उपरांत बिहार के राजस्व में अपना अद्वितीय योगदान दे सकते हैं ।हम एक एक करके ऐसे स्थानों से बिहार सरकार और यहाँ की प्रशासन व्यवस्था को रूबरू कराना चाहेंगे ताकि बिहार पर्यटन के क्षेत्र में सुदृढ़ीकरण विकास सम्भव हो।●

कोयला के बाद कम्प्यूटर घोटाला

मामला हजारों-करोड़ का

● रणवीर कुमार पाण्डेय

कम्प्यूटर के माध्यम से विधालय के छात्र-छात्राओं के तकनीकी शिक्षा के नाम पर सिर्फ सिस्टम (कम्प्यूटर) पर बैठा कर फोटो खींच कर संबंधित जिला से ले कर JEPC रांची के व्हाट्सएप ग्रुप में साझा करने का सिर्फ खेल खेला जा रहा है। इसके मुख्य कारणों में एक Outdated operating system Linux Ubuntu हैं। जिससे विद्यालय में पढ़ा रहे ज्यादातर आईसीटी इंस्ट्रक्टर भी अपरिचित है। इस ऑपरेटिंग सिस्टम को बहुत से विभागीय साइट भी सपोर्ट नहीं करते। जिस कारण सभी संबंधित विधालयो ने अपने विभागीय कार्य के लिए अलग से विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम की व्यवस्था कर रखी है।

- आईसीटी लैब एवं स्मार्ट क्लास के भुगतान में भारी अनियमितता।
- आईसीटी लैबो और स्मार्ट क्लासो का अधिष्ठापन कार्य अपूर्ण होते हुए भी संबंधित कंपनीयों को जीईपीसी रांची के द्वारा कर दिया गया भुगतान।
- आईसीटी लैब एवं स्मार्ट क्लास का अधिष्ठापन प्रतिवेदन जमा करने के लिए विद्यालय प्रभारियों पर बनाया दबाव।
- आईसीटी लैब में घटिया तार से की गयी वायरिग, सीपीयू या थिक क्लाइंट में एंटीवायरस नही किया गया है, इनस्टॉल।
- स्मार्ट क्लासों में लगने वाले मॉनिटर आज भी विद्यालय के किसी कोने में धूल फांक रहे हैं।
- केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आईसीटी परियोजना के अंतर्गत आईसीटी लैब एवं स्मार्ट क्लास के सफलता पूर्वक संचालन में ग्रहण लगाता आउटडेटेड ऑपरेटिंग सिस्टम लिनक्स उबंटू।
- लिनक्स उबंटू ऑपरेटिंग सिस्टम की क्या है जामीनी सच्चाई।

JEPC रांची ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के तकनीकी शिक्षा को और भी एडवांस बनाने के लिए स्कूल नेट इंडिया लिमिटेड कंपनी से J-Guruji लर्निंग ऐप की खरीदारी पिछले वित्तीय वर्ष में करोड़ी रुपए की लागत से कर रखी है, परंतु लिनक्स उबंटू ओपरेटिग सिस्टम इस लरनिंग ऐप को सही प्रकार से पूरी तरह स्वीकार ही नहीं कर पाता। बात यही खत्म नहीं होती है, इस बार JEPC रांची द्वारा फिर से विधालय के छात्र-छात्राओं के तकनीकी शिक्षा को और भी एडवांस बनाने के लिए विशेषकर झारखंड राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, आदर्श विधालयो एवं इंग्लिश मीडियम मॉडल स्कूलो को ध्यान में रखते हुए एक और निजी कंपनी Intense technology से भी करोड़ों रूपये का अनुबंध किया है। जिसको की पूरे झारखंड में आदर्श विद्यालयों, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयो (SOE) and English medium model school's में English language related learning app install करने सहित स्कूल नेट इंडिया लिमिटेड के माध्यम से पहले से ही लगे आईसीटी लैब में इस ऐप को पढ़ाने का काम मिला है। विभागीय सूत्रों के हवाले से ज्ञात हुआ है की इस

कंपनी की टीम पिछले महीने रांची के हिंदू हाई स्कूल में दिन भर लगी रही। इस लर्निंग ऐप को लेकर विधालय में लगे कंप्यूटर में इंस्टॉल करने के लिए लेकिन यह लर्निंग ऐप आईसीटी लैब के सिस्टम में इंस्टॉल नहीं कर पाए। उनका स्पष्ट कहना था की लिनक्स उबंटू ऑपरेटिंग सिस्टम होने के कारण ऐप को सपोर्ट नही कर पा रहा है। सही मायने में ये लिनक्स उबंटू ऑपरेटिंग सिस्टम जरा सा भी फ्रेंडली यूजर नहीं है। संबंधित कंपनिया इसे सिर्फ इस लिए यूज करती है,की इसके लिए उन्हें कोई पैसे खर्च नही करने पड़ते ये फ्री में आसानी से इन्हें उपलब्ध हो जाता है और ना ही इसमें कोई वायरस का खतरा होता है। परंतु, स्कूल नेट इंडिया लिमिटेड जैसी कंपनी तो राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, आदर्श विद्यालय योजना एवं इंग्लिश मीडियम मॉडल स्कूल आईसीटी योजना के अंतर्गत आने वाले आईसीटी लैब के सभी सिस्टम में एंटीवायरस अपलोड करने का दावा कर करोड़ों रूपये का बिल भी अपने अधिष्ठापन रिपोर्ट के

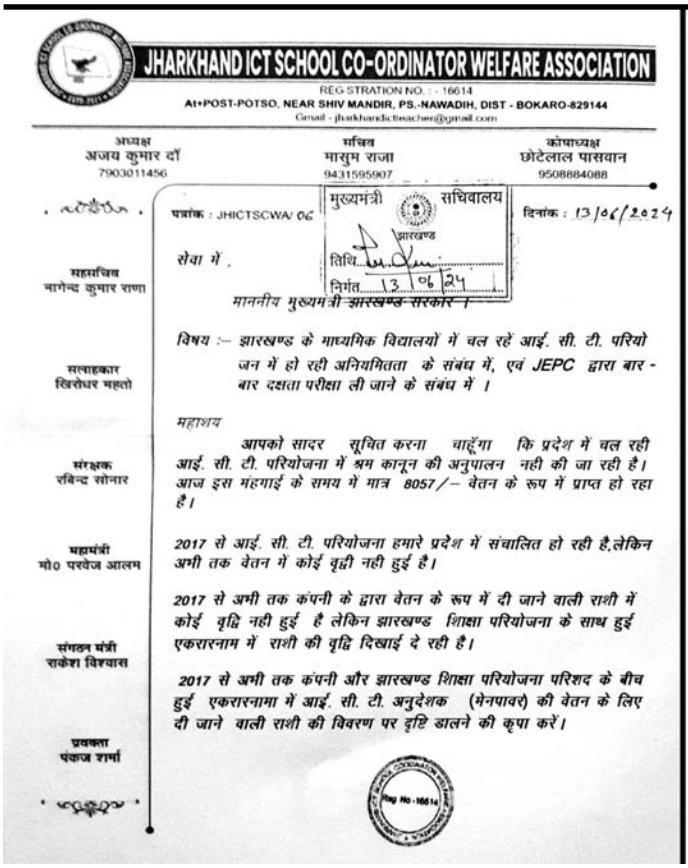

JHARKHAND ICT SCHOOL CO-ORDINATOR WELFARE ASSOCIATION
REG-STRATION NO. :- 16614
At+POST-POTSO, NEAR SHIV MANDIR, PS.-NAWADIH, DIST - BOKARO-829144
Gmail - jharkhandictteacher@gmail.com

अध्यक्ष अजय कुमार दाँ 7903011456 | सचिव मासुम राजा 9431595907 | कोषाध्यक्ष छोटेलाल पासवान 9508884088

मुख्यमंत्री सचिवालय झारखण्ड तिथि 13/06/24

पत्रांक : JHICTSCWA/ 06 दिनांक : 13/06/2024

सेवा में ,

माननीय मुख्यमंत्री झारखण्ड सरकार ।

विषय :– झारखण्ड के माध्यमिक विद्यालयों में चल रहे आई. सी. टी. परियोजन में हो रही अनियमितता के संबंध में, एवं JEPC द्वारा बार-बार दक्षता परीक्षा ली जाने के संबंध में ।

महाशय

आपको सादर सूचित करना चाहूँगा कि प्रदेश में चल रही आई. सी. टी. परियोजना में श्रम कानून की अनुपालन नही की जा रही है। आज इस मंहगाई के समय में मात्र 8057/– वेतन के रूप में प्राप्त हो रहा है।

2017 से आई. सी. टी. परियोजना हमारे प्रदेश में संचालित हो रही है,लेकिन अभी तक वेतन में कोई वृद्दी नही हुई है।

2017 से अभी तक कंपनी के द्वारा वेतन के रूप में दी जाने वाली राशी में कोई वृद्धि नही हुई है लेकिन झारखण्ड शिक्षा परियोजना के साथ हुई एकरारनाम में राशी की वृद्धि दिखाई दे रही है।

2017 से अभी तक कंपनी और झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिशद के बीच हुई एकरारनामा में आई. सी. टी. अनुदेशक (मेनपावर) की वेतन के लिए दी जाने वाली राशी की विवरण पर दृष्टि डालने की कृपा करें।

Reg No-16614

महासचिव नागेन्द्र कुमार राणा
सलाहकार खिरोधर महतो
संरक्षक रविन्द्र सोनार
महामंत्री मो0 परवेज आलम
संगठन मंत्री राकेश विश्वास
प्रवक्ता पंकज शर्मा

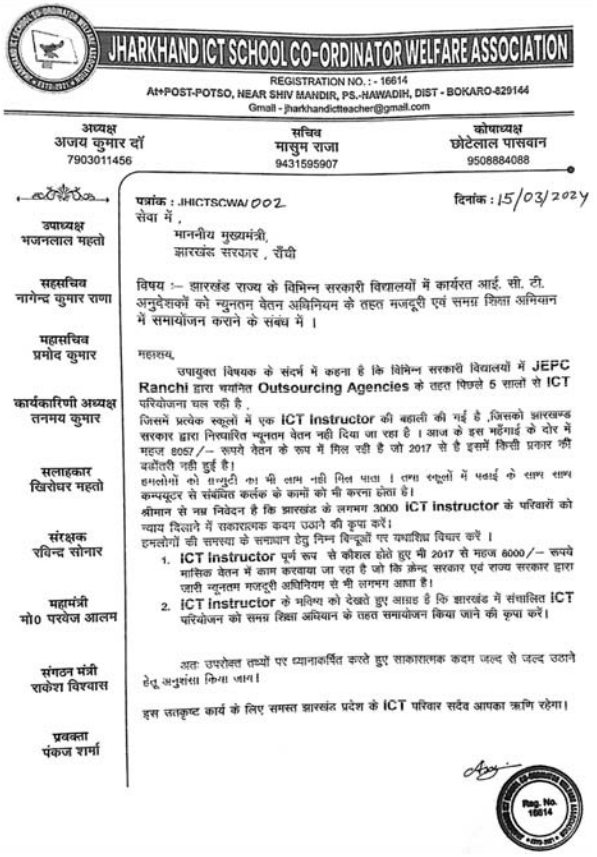

JHARKHAND ICT SCHOOL CO-ORDINATOR WELFARE ASSOCIATION
REGISTRATION NO. :- 16614
At+POST-POTSO, NEAR SHIV MANDIR, PS.-NAWADIH, DIST - BOKARO-829144
Gmail - jharkhandictteacher@gmail.com

अध्यक्ष अजय कुमार दाँ 7903011456 | सचिव मासुम राजा 9431595907 | कोषाध्यक्ष छोटेलाल पासवान 9508884088

पत्रांक : JHICTSCWA/ 002 दिनांक : 15/03/2024

सेवा में ,

माननीय मुख्यमंत्री,
झारखंड सरकार , राँची

विषय :– झारखंड राज्य के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में कार्यरत आई. सी. टी. अनुदेशकों को न्यूनतम वेतन अधिनियम के तहत मजदूरी एवं समग्र शिक्षा अभियान में समायोजन कराने के संबंध में ।

महाशय,

उपायुक्त विषयक के संदर्भ में कहना है कि विभिन्न सरकारी विद्यालयों में JEPC Ranchi द्वारा चयनित Outsourcing Agencies के तहत पिछले 6 सालों से ICT परियोजना चल रही है ।

जिसमें प्रत्येक स्कूलों में एक ICT Instructor की बहाली की गई है ,जिसको झारखण्ड सरकार द्वारा निरधारित न्यूनतम वेतन नही दिया जा रहा है । आज के इस महँगाई के दोर में महज 8057/– रूपये वेतन के रूप में मिल रही है जो 2017 से है इसमें किसी प्रकार नहीं बढ़ोतरी नही हुई है।

हमलोगों को छुट्टी का भी लाभ नही मिल पाता । तथा स्कूलों में पढाई के साथ साथ कम्प्यूटर से संबंधित कर्लक के कामों को भी करना होता है।

श्रीमान से नम्र निवेदन है कि झारखंड के लगभग 3000 ICT instructor के परिवारों को न्याय दिलाने में साकारात्मक कदम उठाने की कृपा करें।

हमलोगों की समस्या के समाधान हेतु निम्न बिन्दुओं पर यथाशिघ्र विचार करें ।

1. ICT Instructor पूर्ण रूप से कौशल होते हुए भी 2017 से महज 8000/– रूपये मासिक वेतन में काम करवाया जा रहा है जो कि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जारी न्यूनतम मजदूरी अधिनियम से भी लगभग आधा है।
2. ICT instructor के भविष्य को देखते हुए आशा है कि झारखंड में संचालित ICT परियोजन को समग्र शिक्षा अभियान के तहत समायोजन किया जाने की कृपा करें।

अतः उपरोक्त तथ्यों पर ध्यानाकर्षित करते हुए साकारात्मक कदम जल्द से जल्द उठाने हेतु अनुशंसा किया जाय।

इस उत्कृष्ट कार्य के लिए समस्त झारखंड प्रदेश के ICT परिवार सदैव आपका ऋणि रहेगा।

Reg. No. 16614

उपाध्यक्ष भजनलाल महतो
सहसचिव नागेन्द्र कुमार राणा
महासचिव प्रमोद कुमार
कार्यकारिणी अध्यक्ष तनमय कुमार
सलाहकार खिरोधर महतो
संरक्षक रविन्द्र सोनार
महामंत्री मो0 परवेज आलम
संगठन मंत्री राकेश विश्वास
प्रवक्ता पंकज शर्मा

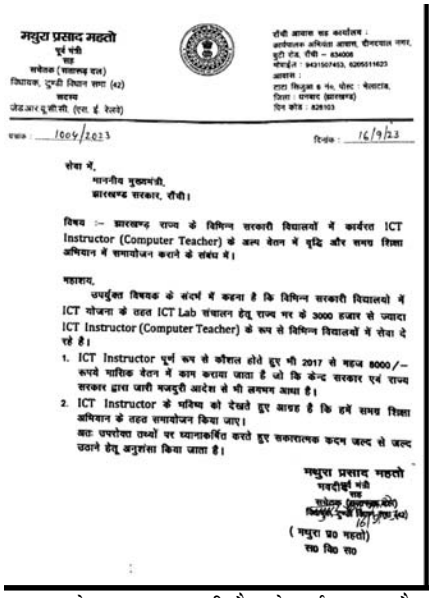

मथुरा प्रसाद महतो
पूर्व मंत्री
सह
सचेतक (सत्तारूढ़ दल)
विधायक, टुण्डी विधान सभा (42)
सदस्य
जेडआरयूसीसी (एस. ई. रेलवे)

राँची आवास सह कार्यालय :
मोबाईल : 9431507453, 6205511623
पिन कोड : 826103

पत्रांक : 1004/2023 दिनांक : 16/9/23

सेवा में,
माननीय मुख्यमंत्री,
झारखण्ड सरकार, राँची।

विषय :- झारखण्ड राज्य के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में कार्यरत ICT Instructor (Computer Teacher) के अल्प वेतन में वृद्धि और समग्र शिक्षा अभियान में समायोजन कराने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक के संदर्भ में कहना है कि विभिन्न सरकारी विद्यालयो में ICT योजना के तहत ICT Lab संचालन हेतु राज्य भर के 3000 हजार से ज्यादा ICT Instructor (Computer Teacher) के रूप से विभिन्न विद्यालयों में सेवा दे रहे है।

1. ICT Instructor पूर्ण रूप से कौशल होते हुए भी 2017 से महज 8000/- रूपये मासिक वेतन में काम कराया जाता है जो कि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जारी मजदुरी आदेश से भी लगभग आधा है।
2. ICT Instructor के भविष्य को देखते हुए आग्रह है कि हमें समग्र शिक्षा अभियान के तहत समायोजन किया जाए।

अतः उपरोक्त तथ्यों पर ध्यानाकर्षित करते हुए सकारात्मक कदम जल्द से जल्द उठाने हेतु अनुशंसा किया जाता है।

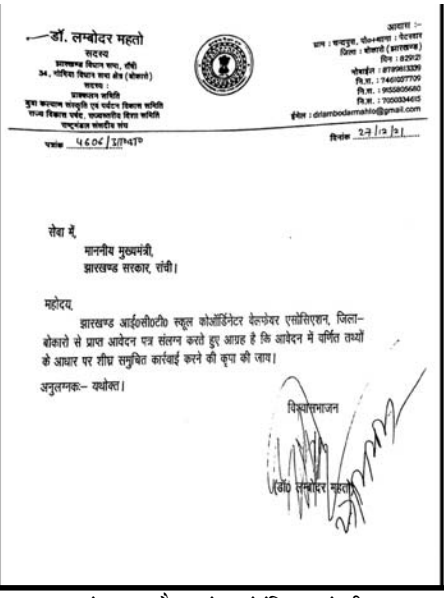

मथुरा प्रसाद महतो
भवदीय मंत्री
(मथुरा प्र० महतो)
स० वि० स०

डॉ. लम्बोदर महतो
सदस्य
झारखण्ड विधान सभा, राँची
34, गोमिया विधान सभा क्षेत्र (बोकारो)

ईमेल : drlambodarmahto@gmail.com

पत्रांक 4606/आ०वा० दिनांक 27/12/21

सेवा में,
माननीय मुख्यमंत्री,
झारखण्ड सरकार, रांची।

महोदय,

झारखण्ड आई०सी०टी० स्कूल कोऑर्डिनेटर वेलफेयर एसोसिएशन, जिला-बोकारो से प्राप्त आवेदन पत्र संलग्न करते हुए आग्रह है कि आवेदन में वर्णित तथ्यों के आधार पर शीघ्र समुचित कार्रवाई करने की कृपा की जाय।

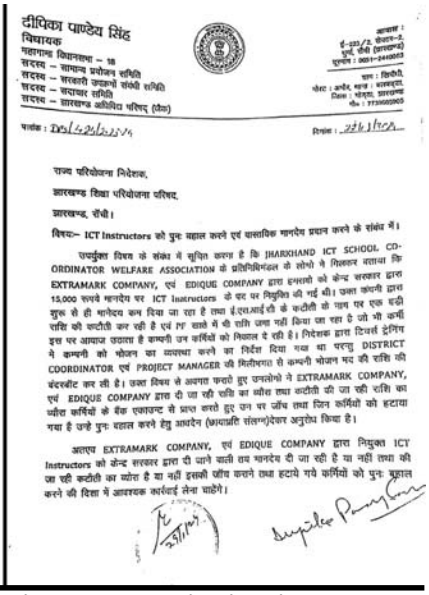

अनुलग्नक:- यथोक्त।

विश्वासभाजन
(डॉ० लम्बोदर महतो)

दीपिका पाण्डेय सिंह
विधायक
महागामा विधानसभा - 18
सदस्य - सामान्य प्रयोजन समिति
सदस्य - सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति
सदस्य - सदाचार समिति
सदस्य - झारखण्ड अधिविद्य परिषद (वैक)

राज्य परियोजना निदेशक,
झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद,
झारखण्ड, राँची।

विषय:- ICT Instructors को पुनः बहाल करने एवं वास्तविक मानदेय प्रदान करने के संबंध में।

उपर्युक्त विषय के संबंध में सूचित करना है कि JHARKHAND ICT SCHOOL CO-ORDINATOR WELFARE ASSOCIATION के प्रतिनिधिमंडल के लोगो ने मिलकर बताया कि EXTRAMARK COMPANY, एवं EDIQUE COMPANY द्वारा इनलोगो को केन्द्र सरकार द्वारा 15,000 रूपये मानदेय पर ICT Instructors के पद पर नियुक्ति की गई थी। उक्त कंपनी द्वारा शुरू से ही मानदेय कम दिया जा रहा है तथा ई.एस.आई.सी के कटौती के नाम पर एक बड़ी राशि की कटौती कर रही है एवं PF खाते में भी राशि जमा नहीं किया जा रहा है जो भी कर्मी इस पर आवाज उठाता है कम्पनी उन कर्मियों को निकाल दे रही है। निदेशक द्वारा टिचर्स ट्रेनिंग मे कम्पनी को भोजन का व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया था परन्तु DISTRICT COORDINATOR एवं PROJECT MANAGER की मिलीभगत से कम्पनी भोजन मद की राशि की बंदरबाँट कर ली है। उक्त विषय से अवगत कराते हुए उनलोगो ने EXTRAMARK COMPANY, एवं EDIQUE COMPANY द्वारा दी जा रही राशि का ब्यौरा तथा कटौती की जा रही राशि का ब्यौरा कर्मियों के बैंक एकाउन्ट से प्राप्त करते हुए उन पर जाँच तथा जिन कर्मियों को हटाया गया है उन्हे पुनः बहाल करने हेतु आवदेन (छायाप्रति संलग्न)देकर अनुरोध किया है।

अतएव EXTRAMARK COMPANY, एवं EDIQUE COMPANY द्वारा नियुक्त ICT Instructors को केन्द्र सरकार द्वारा दी जाने वाली तय मानदेय दी जा रही है या नहीं तथा की जा रही कटौती का ब्योरा है या नहीं इसकी जाँच कराने तथा हटाये गये कर्मियों को पुनः बहाल करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई लेना चाहेंगे।

माध्यम से पास करा चुकी है, जो पूर्णत गलत है एवं अत्यंत ही जालसाजी पूर्ण कार्य है, जिसकी जानकारी संबंधित विभाग जिला शिक्षा कार्यालय से लेकर जेईपीसी रांची तक को है। अलग बात है की ये इस गड़बड़ी से अनजान बने होने का ढोंग करे, जिसकी जांच नि:संदेह सक्षम जांच एजेंसी से राज्य सरकार को करानी चाहिए। झारखंड राज्य मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय योजना अंतर्गत सभी (SOE) में जिनमे राज्य के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय भी शामिल है, वहा के आईसीटी लैबो में 05 KV का UPS और 05 KV का स्टेबलाइजर का लगा होना एक बड़ी तकनीकी भूल हैं, जिससे संबंधित विद्यालयो में शॉर्ट सर्किट कर आग लगाने की 100% संभावना है, परंतु संबंधित कंपनी स्कूल नेट इंडिया लिमिटेड और JEPC रांची के पदाधिकारियों के द्वारा इस मामले की भी भरपूर लीपापोती जारी है।

झारखंड शिक्षा परियोजना (JEPC) रांची, द्वारा अनुबंधित विभिन्न निजी कंपनियों के माध्यम से आईसीटी परियोजना में बेधड़ल्ले से की जा रही श्रम कानून की अवहेलना

JEPC रांची के द्वारा जिन 85% आईसीटी इंस्ट्रक्टर को अयोग्य ठहराया गया है, उन सभी का साक्षात्कार और उनके सार्टिफिकेट का सत्यापन कर बहाल JEPC रांची के द्वारा ही किया गया था। मुख्य बात पिछले सात से आठ वर्षों से यह आईसीटी प्रॉजेक्ट पूरे राज्य भर में जेपीसी रांची की देख-रेख में विभिन्न निजी कंपनियों जैसे स्कूल नेट इंडिया लिमिटेड, एक्स्ट्रा मार्क्स, टीसीआईएल, बीसीसीएल, हिटाची एमजीआरएम और मिलेनियम इत्यादि के द्वारा सरकार के करोड़ों रुपए खर्च कर चलाया जा रहा है। इनमे दो कंपनिया मिलेनियम और हिटाची एमजीआरएम का तो जिला स्तर पर इसके द्वारा स्थापित आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास के मॉनिटरिंग के लिए कोई भी मानव बल उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिसके परिणाम स्वरूप उनके द्वारा स्थापित आईसीटी लैब एवं स्मार्ट क्लासो की हालत पिछले एक-दो वर्षों से ही काफी दयनीय है और यूं ही खराब पड़े हुए है। ज्यादातर विद्यालय प्रभारी को तो यह ज्ञात भी

Certificate of Installation
(Must be prepared in two copies)

Name of Implementing Agency: **Schoolnet India Limited**

Name of District	KODERMA	Name of Block	KODERMA
Name of School	C.H +2 HIGH SCHOOL JHUMARI TELAIYA (KODERMA)		
UDISE+ Code	20050110313	Agency School Code	JH Z2 KOD 509

A. This is to certify that 10 Nodes ICT lab in the school is established and the list of items as per the table below is Supplied and Installed with necessary electrical wiring. All the items supplied and installed are new.

No	Items with Short Description	Make, Model and SN. of the Product		Total units per School	Installed (Yes/No)	Working (Yes/No)
a)	Computer Desktop CPU	Make - ACER Model - Veriton X2660G		1	Yes	Yes
		1. SN -	UXBGVSIC11309180370700			
b)	Computer Desktop - Monitor(21.5" TFT)	Make - ACER Model - EV220HQL		1	Yes	Yes
		1. SN -	UR1470101730803D599F00			
		2. SN -	NA			
2.	External Speaker (Wall Mounted)	Make - Model -				
3.	Web Cam (External)	Make - Zebronics Model - CRISP PRO		1	Yes	Yes
		SN	8906108619415			
4.	Thin Client	Make - ACER Model - E220 Veriton M26a1G		09		
		1. SN -	USBCKSI0453100ADAE0700		Yes	Yes
		2. SN -	USBCKSI04530906F670700		Yes	Yes
		3. SN -	USBCKSI04530906EB50700		Yes	Yes
		4. SN -	USBCKSI0453100AFBB0700		Yes	Yes
		5. SN -	USBCKSI0453100B0180700		Yes	Yes
		6. SN -	USBCKSI04530906 9C10700		Yes	Yes
		7. SN -	USBCKSI0453100AFE30700		Yes	Yes
		8. SN -	USBCKSI04530906B6F0700		Yes	Yes
		9. SN -	USBCKSI04530906FB80700		Yes	Yes

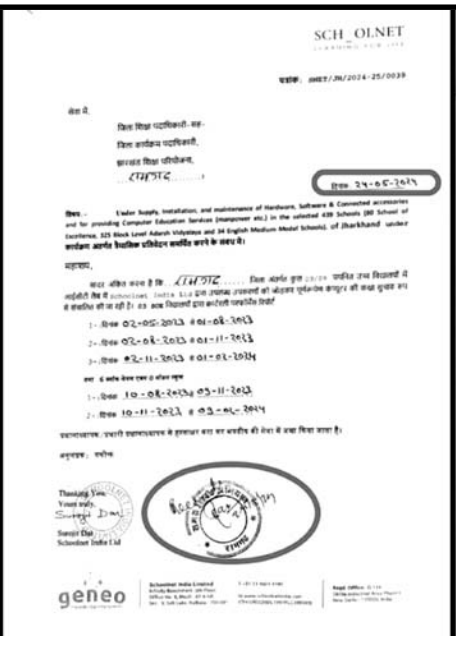

Sign of Representative of agency Sign of School HM/In charge Sign of DEO/Representative of DEO
Page 1 of 4
SCHOOLNET
प्र० प्राचार्य
सी. एच+2 उच्च विद्यालय
झुमरी तिलैया (कोडरमा)

SCHOOLNET

पत्रांक: SNET/JH/2024-25/0039

सेवा में,
जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
झारखंड शिक्षा परियोजना,
रामगढ़

दिनांक 24-05-2024

विषय:- Under Supply, Installation, and maintenance of Hardware, Software & Connected accessories and for providing Computer Education Services (manpower etc.) in the selected 439 Schools (80 School of Excellence, 325 Block Level Adarsh Vidyalaya and 34 English Medium Model Schools), of Jharkhand under कार्यक्रम आईसीटी त्रैमासिक प्रतिवेदन समर्पित करने के संबंध में।

1- दिनांक 02-05-2023 से 01-08-2023
2- दिनांक 02-08-2023 से 01-11-2023
3- दिनांक 02-11-2023 से 01-02-2024

1- दिनांक 10-08-2023 से 09-11-2023
2- दिनांक 10-11-2023 से 09-02-2024

Thanking You
Yours truly,
Surajit Das
Schoolnet India Ltd

geneo

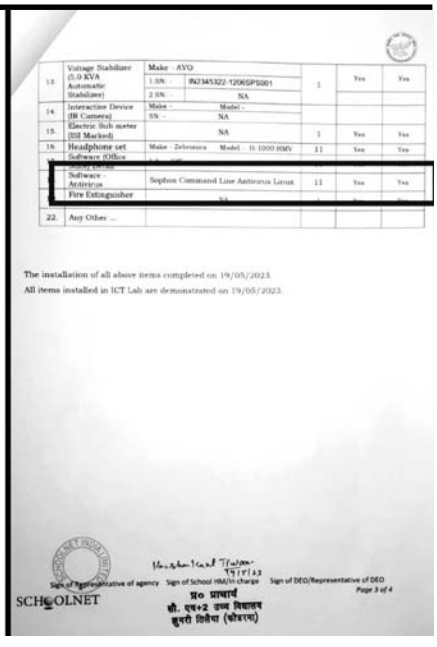

13.	Voltage Stabilizer (5.0 KVA Automatic Stabilizer)	Make - AVO		1	Yes	Yes
		1.SN -	IN2345322-1206SPS001			
		2.SN -	NA			
14.	Interactive Device (IR Camera)	Make - Model -				
		SN -	NA			
15.	Electric Sub meter (ISI Marked)	NA		1	Yes	Yes
16.	Headphone set	Make - Zebronics Model - H 1000 HMV		11	Yes	Yes
	Software (Office Suite)					
	Software - Antivirus	Sophos Command Line Antivirus Linux		11	Yes	Yes
	Fire Extinguisher	NA				
22.	Any Other ...					

The installation of all above items completed on 19/05/2023.
All items installed in ICT Lab are demonstrated on 19/05/2023.

Sign of Representative of agency Sign of School HM/In charge Sign of DEO/Representative of DEO
Page 3 of 4
SCHOOLNET
प्र० प्राचार्य
सी. एच+2 उच्च विद्यालय
झुमरी तिलैया (कोडरमा)

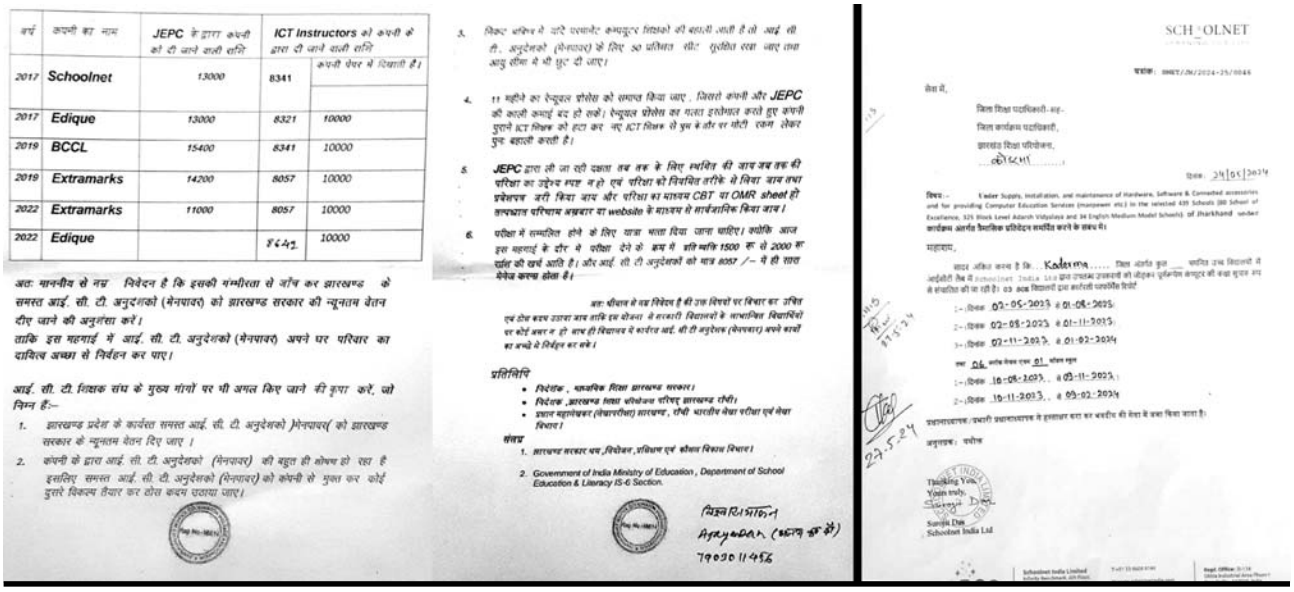

वर्ष	कंपनी का नाम	JEPC के द्वारा कंपनी को दी जाने वाली राशि	ICT Instructors को कंपनी के द्वारा दी जाने वाली राशि	कंपनी पेपर में दिखाती है।
2017	Schoolnet	13000	8341	
2017	Edique	13000	8321	10000
2019	BCCL	15400	8341	10000
2019	Extramarks	14200	8057	10000
2022	Extramarks	11000	8057	10000
2022	Edique		8642	10000

अतः माननीय से नम्र निवेदन है कि इसकी गंभीरता से जाँच कर झारखण्ड के समस्त आई. सी. टी. अनुदेशको (मेनपावर) को झारखण्ड सरकार की न्यूनतम वेतन दीए जाने की अनुशंसा करें।
ताकि इस महगाई में आई. सी. टी. अनुदेशको (मेनपावर) अपने घर परिवार का दायित्व अच्छा से निर्वहन कर पाए।

आई. सी. टी. शिक्षक संघ के मुख्य मांगों पर भी अमल किए जाने की कृपा करें, जो निम्न हैः–

1. झारखण्ड प्रदेश के कार्यरत समस्त आई. सी. टी. अनुदेशको)मेनपावर(को झारखण्ड सरकार के न्यूनतम वेतन दिए जाए।
2. कंपनी के द्वारा आई. सी. टी. अनुदेशको (मेनपावर) की बहुत ही शोषण हो रहा है इसलिए समस्त आई. सी. टी. अनुदेशको (मेनपावर) को कंपनी से मुक्त कर कोई दुसरे विकल्प तैयार कर ठोस कदम उठाया जाए।

4. 11 महीने का रेन्यूवल प्रोसेस को समाप्त किया जाए, जिससे कंपनी और JEPC की काली कमाई बंद हो सके। रेन्यूवल प्रोसेस का गलत इस्तेमाल करते हुए कंपनी पुराने ICT शिक्षक को हटा कर नए ICT शिक्षक से घुस के और पर मोटी रकम लेकर पुनः बहाली करती है।
5. JEPC द्वारा ली जा रही दक्षता तब तक के लिए स्थगित की जाए जब तक की परिक्षा का उद्देश्य स्पष्ट न हो एवं परिक्षा को नियमित तरीके से लिया जाए तथा प्रवेशपत्र जारी किया जाए और परिक्षा का माध्यम CBT या OMR sheet हो तत्पश्चात परिणाम अखबार या website के माध्यम से सार्वजनिक किया जाए।
6. परिक्षा में सम्मलित होने के लिए यात्रा भत्ता दिया जाना चाहिए। क्योंकि आज इस महगाई के दौर में परिक्षा देने के क्रम में प्रति व्यक्ति 1500 रू से 2000 रू राशि की खर्च आती है। और आई. सी. टी अनुदेशकों को मात्र 8057 /– में ही सारा मैनेज करना होता है।

प्रतिलिपि
- निदेशक, माध्यमिक शिक्षा झारखण्ड सरकार।
- निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद् झारखण्ड रांची।

संलग्न
1. झारखण्ड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग।
2. Government of India Ministry of Education, Department of School Education & Literacy IS-6 Section.

Ayayaban
7903011456

SCHOOLNET

सेवा में,
जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
झारखंड शिक्षा परियोजना,
कोडरमा

दिनांक: 24/05/2024

महाशय,

Kaderma

1- दिनांक 02-05-2023 से 01-08-2023
2- दिनांक 02-08-2023 से 01-11-2023
3- दिनांक 02-11-2023 से 01-02-2024
1- दिनांक 10-08-2023 से 09-11-2023
2- दिनांक 10-11-2023 से 09-02-2024

अनुलग्नक: यथोक्त

Thanking You,
Yours truly,
Surojit Das
Schoolnet India Ltd

27.5.24

नही की इसे किस योजना के अंतर्गत एवं किस कंपनी के द्वारा लगाया गया है। आइसीटी योजना से संबंधित विद्यालय में अध्यनरत्त छात्र-छात्राओं को ध्यान में रखते हुए वर्ग-वार (तकनीकी शिक्षा) कंप्यूटर के विषय पर कोई भी पाठ्य पुस्तिका को JEPC रांची के द्वारा आज तक उपलब्ध नहीं कराया गया जाना यह दर्शाता है की यह राज्य और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना कागज पर ही फल-फूल रही है।

झारखंड के सरकारी स्कूलों बच्चों को कंप्यूटर की पढ़ाई करने के लिए 3640 (मार्च 2024 तक के आंकड़े के अनुसार) आईसीटी लैब का संचालन किया जा रहा है। इन पूरे कार्यों की देखरेख झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के द्वारा किया जा रहा है और झारखंड राज्य के सभी 24 जिलो में कुल 06 से 07 निजी कंपनियों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। इसके अलावे राज्य के सरकारी विधालयो में दो हजार से अधिक स्मार्ट क्लास 2023-24 में लगाये गये है। आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास सहित कैमरों का अधिष्ठापन पूर्ण होने का दवा कंपनीयों के प्रतिवेदन में है, जबकि अधिकांश राज्य के सरकारी विद्यालयों, जिसमे राज्य सरकार द्वारा चिन्हित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, आदर्श विद्यालय एवं इंग्लिश मीडियम मॉडल स्कूलो में आईसीटी लैब में घटिया तार से वायरिंग, कुछ जिलो में प्रोजेक्टर वॉल माउंट लगाकर हैंग करने का कार्य किया ही जा रहा है साथ ही सीपीयू या थिक क्लाइंट में एंटीवायरस डाला ही नहीं गया है। जेईपीसी आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास लगाने वाली कंपनीयों पर कुछ ज्यादा ही मेहरबान है। आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास लगाने वाली कंपनीयों का काम करने के पूर्व ही भुगतान करने का मामला समाने आया है। झारखंड राज्य के ज्यातर जिलों का हाल कुछ इसी तरह है। जेईपीसी को ही संबंधित कंपनी काम करे न करे, उन निजी कंपनियों से ज्यादा कंपनी के नफा-नुकसान की ज्यादा चिंता है। स्कूल नेट इंडिया

लिमिटेड कंपनी के द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय योजना अंतर्गत विद्यालयों के आईसीटी लैब का पूर्णतः अधिष्ठापन राज्य के 24 जिलों में आज भी लंबित है, लेकिन संबंधित कंपनी को कुल लागत का 40% राशि को जेईपीसी रांची के द्वारा बिना अधिष्ठापन प्रतिवेदन जमा किए ही पिछले साल अक्टूबर 2023 में ही भुगतान कर दिया गया। इसके बाद जेईपीसी ने राज्य के सभी जिला समग्र शिक्षा कार्यालय और जिला शिक्षा कार्यालयों पर दवाब बनाया की आईसीटी लैब एवं स्मार्ट क्लास सहित विद्यालयो में लगे कैमरे का अधिष्ठापन प्रतिवेदन जल्द से जल्द जमा करे। मामला यहां ही नही रुका दवाब बनाने के लिऐ कुछ विद्यालय प्रभारियो पर जिला शिक्षा कार्यालय से स्पष्टीकरण भी जारी किया गया। मजबूरन विद्यालय प्रभारी को आईसीटी लैब एवं स्मार्ट क्लास का अधिष्ठापन त्रुटी पूर्ण होते हुए भी अधिष्ठापन प्रतिवेदन हस्ताक्षर कर कार्यालय में कंपनी के जिला प्रतिनिधि के द्वारा जमा करना पड़ा।

आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास की क्या है जामीनी सच्चाई?

कंप्यूटर के माध्यम से विधालय के छात्र-छात्राओं के पढ़ाई के नाम पर सिर्फ सिस्टम पर बैठा कर फोटो खींच कर संबंधित जिला से ले कर JEPC रांची के व्हाट्सएप ग्रुप में साझा करने का सिर्फ खेल खेला जा रहा है। इसके मुख्य कारणों में एक Outdated operating system Linux Ubuntu हैं, जिससे विद्यालय में पढ़ा रहे ज्यादातर आईसीटी इंस्ट्रक्टर भी अपरिचित है। जमीनी सच्चाई यह है कि अभी भी आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास का अधिष्ठापन सही ढंग से नहीं किया गया है। कंपनीयो नें अधिष्ठापन के नाम पर मनमानी की है, जिसे देखने वाला कोई नही है। राज्य के अधिकांश स्कूलो में आईसीटी लैब में घटिया तार से वायरिंग, कुछ जिलो में प्रोजेक्टर वॉल माउंट लगाकर हैंग करने का कार्य किया जा रहा है।

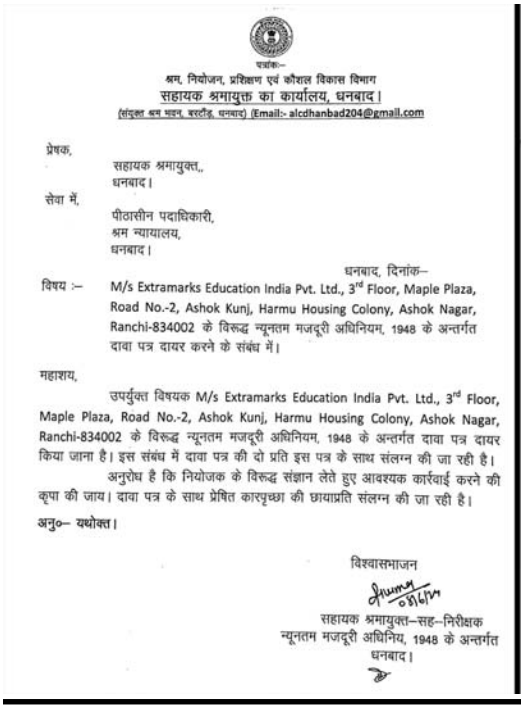

पत्रांक–

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग

सहायक श्रमायुक्त का कार्यालय, धनबाद।

(संयुक्त श्रम भवन, बरटॉड़, धनबाद) (Email:- alcdhanbad204@gmail.com

प्रेषक,

सहायक श्रमायुक्त,,
धनबाद।

सेवा में,

पीठासीन पदाधिकारी,
श्रम न्यायालय,
धनबाद।

धनबाद, दिनांक–

विषय :– M/s Extramarks Education India Pvt. Ltd., 3rd Floor, Maple Plaza, Road No.-2, Ashok Kunj, Harmu Housing Colony, Ashok Nagar, Ranchi-834002 के विरूद्ध न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत दावा पत्र दायर करने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक M/s Extramarks Education India Pvt. Ltd., 3rd Floor, Maple Plaza, Road No.-2, Ashok Kunj, Harmu Housing Colony, Ashok Nagar, Ranchi-834002 के विरूद्ध न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत दावा पत्र दायर किया जाना है। इस संबंध में दावा पत्र की दो प्रति इस पत्र के साथ संलग्न की जा रही है।

अनुरोध है कि नियोजक के विरूद्ध संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा की जाय। दावा पत्र के साथ प्रेषित कारपृच्छा की छायाप्रति संलग्न की जा रही है।

अनु०– यथोक्त।

विश्वासभाजन

सहायक श्रमायुक्त–सह–निरीक्षक
न्यूनतम मजदूरी अधिनिय, 1948 के अन्तर्गत
धनबाद।

दावा विवरण

क्र० सं०	श्रमिक का नाम एवं पता	वर्ग	कार्यअवधि	कुल मजदूरी	भुगतान की गयी राशि	अन्तर मजदूरी	दस गुणा मुआवजा राशि
1	Ajay Kumar Dan Add.:- Maniyadih	अतिकुशल	जनवरी 2023 से जनवरी 2024 तक	223668.72	96164	127504.72	1275047.2
2	Md. Abrar Ansari Add.:-Simlatand, P.o.- Murradih, Barwadda	अतिकुशल	जनवरी 2023 से जनवरी 2024 तक	223668.72	90187	133481.72	1334817.2
3	Rakesh Vishwas Add.:- Katras, Dhanbad	अतिकुशल	फरवरी 2023 से जनवरी 2024 तक	207040.58	89399	117641.58	1176415.8
4	Bishwa Narayan Pasi At+Po.- Maheshpur, Ps.- Madhuban, Dhanbad	अतिकुशल	जनवरी 2023 से जनवरी 2024 तक	223668.72	89399	134269.72	1342697.2
	कुल योग			878046.74	365149	512897.74	5128977.4

सहायक श्रमायुक्त–सह–निरीक्षक
न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत,
धनबाद।

सीपीयू या थिक क्लाइंट में एंटीवायरस डाला ही नहीं है, जो की जांच का विषय है।

जेईपीसी में कंपनीयों ने जो प्रतिवेदन जमा किया है उसमें दावा किया गया है कि आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास सहित कैमरों का अधिष्ठापन पूर्ण कर लिया है, जो आज के तारिख में भी पूर्णत: गलत है। जो राज्य स्तर पर जांच का विषय है। ठीक इसी प्रकार से मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय योजना अंतर्गत संचालित झारखंड राज्य में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (SOE) का पिछला 03 बार का (QPR) तिमाही प्रगति प्रतिवेदन और 02 बार का आदर्श विद्यालय एवं इंग्लिश मीडियम मॉडल स्कूल का (QPR) तिमाही प्रगति प्रतिवेदन का छाया प्रति (मूल प्रति नही।) पीछले महिने मई 2024 के अंत में कंपनी (स्कूल नेट इंडिया लिमिटेड) के जिला प्रतिनिधि DEF के माध्यम से एक साथ झारखंड राज्य के सभी जिलों के समग्र शिक्षा कार्यालय को जमा किया गया है, जिसका कोई औचित्य ही नहीं बनता। जब जिला के कुछ संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा संबंधित कंपनी स्कूल नेट इंडिया लिमिटेड के जिला प्रतिनिधि एवं कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर से QPR (तिमाही प्रगति प्रतिवेदन) की मूल पत्र की अनुपलब्धता एवं पिछले वर्ष 2023 का इस वर्ष पूरे एक वर्ष से लंबित होने के बाद इस वर्ष 2024 में कार्यालय में जमा करने पर आपत्ति की तो कंपनी के प्रतिनिधि का स्पष्ट कहना था कि इस विषय पर आप JEPC रांची संजीव कुमार गुप्ता जी से बात कर ले। क्योंकि संबंधित कंपनी स्कूल नेट इंडिया लिमिटेड के द्वारा बीते मार्च महीने में दिनांक–31/03/2024 को ही जेईपीसी रांची को इसका बिल पहले ही बिना त्रुटि के बनाकर दिया जा चुका है, जबकि जमीनी सच्चाई यह है की अभी भी आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास का अधिष्ठापन भी अभी तक सही ढंग से नियमानुसार कंपनी के द्वारा किया ही नही गया है। जैसे आईसीटी लैब में घटिया तार से वायरिग, मॉनिटर आज के तारिख में भी पूरे झारखंड में कही भी किसी भी मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय योजना अंतर्गत संचालित स्मार्ट क्लासों में अधिष्ठापित नहीं किया गया है। अभी भी किसी–किसी जिले में प्रोजेक्टर वॉल माउंट लगाकर हैंग करने का कार्य किया जा रहा है। इन्होंने अभी तक किसी भी सीपीयू या थिक क्लाइंट में एंटीवायरस डाला ही नहीं है, जो की लूट–तंत्र का घनघोर परिचायक है एवं जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर तक जांच का विषय है।

उपरोक्त परियोजन को JEPC रांची ने मजाक बना कर रख छोड़ा है। इस परियोजना की रीढ़ समझे जाने वाले ICT instructors का शोषण इन संबंधित कंपनियों के माध्यम से लगातार जारी है।

झारखंड प्रदेश के श्रम कानून के अनुसार न्यूनतम वेतन 20000/- मिलनी चाहिए।

आज के वर्तमान समय में सफाई कर्माचारियों एवं रात्री प्रहरी को 17000 वेतन दिया जाता है। जो सिर्फ 8 वी पास की योग्यता रखता है। वही दूसरी ओर झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों के सरकारी विधालयो में निजी कंपनियों द्वारा नियुक्त विधालय के छात्र–छात्राओं की कंप्यूटर की तकनीकी शिक्षा देने वाले आईसीटी इंस्ट्रकटर जो MCA, BCA, PGDCA कि उच्च योग्यता रखने वालो को मात्र 8057/- वेतन दिया जा रहा है। झारखंड राज्य के सभी 24 जिलों में विभिन्न निजी कंपनियों, जैसे एक्स्ट्रा मार्क्स, स्कुल नेट इंडिया लिमिटेड, बीसीसीएल और टीसिआईएल इत्यादि के द्वारा नियुक्त आइसीटी इंस्ट्रकटरो के द्वारा पिछले दो–तीन वर्षो से अपने अल्प वेतन की समस्या को लेकर हर उस दरवाजे पर दस्तक दे रहे है, जहा से इन्हें उम्मीद की हल्की सी भी किरण नजर आ रही है। इसी क्रम में धनबाद जिला के आईसीटी इंस्ट्रकटरो के द्वारा माननीय विधायक श्री मथुरा प्रसाद महतो जी से मिलकर अपनी समस्याओं को एक ज्ञापन के माध्यम से उन्हें सौंपा। माननीय विधायक ने इनकी समस्याओ को गंभीरता से लेते हुये तत्काल ही माननीय मुख्यमंत्री झारखंड सरकार श्री हेमन्त सोरेन जी को अपने लेटर पैड पर लिख कर उन्हे अवगत कराया, परंतु कोई सार्थक परिणाम इन शोषित आईसीटी इंस्ट्रकटरो को नहीं मिला। इसके बावजूद भी ये झारखंड के और भी नेता, मंत्री से लेकर संबंधित विभाग के वरीय पदाधिकारीयो से भी अपने साथ हो रहे शोषण के खिलाफ न्याय की मांग करते रहे हैं, परंतु इन्हें आश्वासन और अपमान के सिवा कुछ भी आज तक नही मिला।

आईसीटी इंस्ट्रकटरो के द्वारा निम्न

कार्यालय में अपने साथ हो रहे अन्याय को लेकर ज्ञापन भी दिया गया :–

1. श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग
2. श्रम आयुक्त महोदय श्रम भवन डोरण्डा।
3. निदेशक न्यूनतम मजदूरी महोदय श्रम भवन डोरण्डा!
4. उपायुक्त धनबाद तथा श्रम आयुक्त धनबाद को भी न्यूनतम वेतन को लेकर शिकायत पत्र सौपा।

श्रम आयुक्त कार्यालय धनबाद के द्वारा संबंधित कंपनीयो को न्यूनतम वेतन के शिकायत पर नोटिस भी जारी किया जाता है। नोटिस के बाद संबंधित कंपनी अपना तानाशाही रवैया अपनाते हुए एक्शन में आती है, और दिनांक:– 07/12/23 को धनबाद के चार आईसीटी इंस्ट्रकटरो को जॉब से निकाल देती हैं। JEPC रांची और संबंधित कंपनिया अपने करारनामें में आईसीटी इंस्ट्रकटरो का वेतन बढा हुआ दिखाते है, जैसे–

1. 2017 में schoolnet के साथ हुए करारनामा में आई सी टी शिक्षकों के लिए 13000 राशि आवंटित था।
2. 2019 में Extramark education प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुए करारनामा में 14200 राशि आवंटित किया गया।
3. 2022 में Extramark के साथ पुनः हुए करारनामा में 11000 वेतन आवंटित हुआ।

यह 2017 से 2024 तक के आंकड़े यही है, परंतु आज भी निजी कंपनीयो के द्वारा 8057 तो कोई कंपनी 8341 राशि का अल्प वेतन ही इन्हें उपलब्ध करा रही है। जमीनी सच्चाई तो यह है की कुछ आईसीटी इंस्ट्रकटरो की तो उनके अपने घर से विद्यालय की दूरी 15 से 25 किलोमीटर

तक है। जिसके कारण उसके आने जाने में ही लगभग 3 हजार से 4 हजार रुपए राशि प्रत्येक महीने खर्च हो जाते हैं।

झारखंड सरकार मे बैठे वरीय पदाधिकारियों से लेकर राज्य सरकार के संबंधित विभाग के माननीय मंत्री महोदय जी को भी अपने संज्ञान लेकर विचार करना चाहिए की आज के इस महंगाई के दौर में 2017 से अभी वर्तमान समय तक एक ही वेतन पर झारखंड राज्य के विभिन्न सरकारी विद्यालयो में, जो आईसीटी इंस्ट्रकटर कार्यरत हैं, जो इसके बावजूद भी लगातार विद्यालाय मे ईमानदारी से छात्र–छात्राओं के स्वर्णिम विकास सहित विद्यालय के विभागीय कार्यो में भी अपना योगदान देता आ रहा हैं। आइसीटी इंस्ट्रकटर बतलाते है की 2017 से ही राज्य भर के सरकारी विद्यालयो में ऑनलाईन कामों को शुरू किया गया। जैसे ऑनलाइन फॉर्म भरना, ई–विद्या वाहिनी एवं ऑनलाइन विद्यालय के छात्राओं का डाटा एंट्री करना, इत्यादि। जिसकी सफलता में इनका भरपूर योगदान रहा है।

गौरतलब है कि मार्च 2024 महिने में ICT LAB AND SMART CLASS युक्त विद्यालयों में नियुक्त ICT instructor का Assessment JEPC के सभागार रांची

सेवा में,
श्रम अधीक्षक महोदय
धनबाद, झारखण्ड

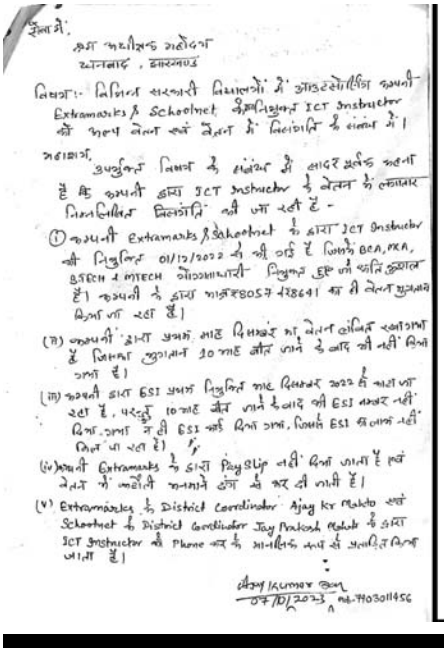

विषय:- विभिन्न सरकारी विद्यालयों में आउटसोर्सिंग कम्पनी Extramarks & Schoolnet के नियुक्त ICT Instructor को अल्प वेतन एवं वेतन में विसंगति के संबंध में।

महाशय,
उपर्युक्त विषय के संबंध में सादर पूर्वक कहना है कि कम्पनी द्वारा ICT Instructor के वेतन में लगातार निम्नलिखित विसंगति की जा रही है -

(i) कम्पनी Extramarks & Schoolnet के द्वारा ICT Instructor की नियुक्ति 01/12/2022 से की गई है जिनमें BCA, MCA, B.TECH & MTECH योग्यताधारी नियुक्त हुए जो अति कुशल हैं। कम्पनी के द्वारा मात्र ₹8057 व ₹8641 का ही वेतन भुगतान किया जा रहा है।
(ii) कम्पनी द्वारा प्रथम माह दिसम्बर का वेतन लंबित रखा गया है जिसका भुगतान 10 माह बीत जाने के बाद भी नहीं किया गया है।
(iii) कम्पनी द्वारा ESI प्रथम नियुक्ति माह दिसम्बर 2022 से काटा जा रहा है, परन्तु 10 माह बीत जाने के बाद भी ESI नम्बर नहीं दिया गया न ही ESI कार्ड दिया गया, जिससे ESI का लाभ नहीं मिल पा रहा है।
(iv) कम्पनी Extramarks के द्वारा PaySlip नहीं दिया जाता है एवं वेतन में कटौती मनमाने ढंग से कर दी जाती है।
(v) Extramarks के District Coordinator Ajay Kr Mahto एवं Schoolnet के District Coordinator Jay Prakash Mahato के द्वारा ICT Instructor को Phone कर के मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है।

Ajay Kumar Dan
07/10/2023, Mob-7903011456

कार्यालयः–

प्रतिष्ठान/संस्था का नाम एवं पताः– M/S– Extra Marks Add:- 506, Surya Kiran Building, 19 Kg Marg, Connaught Place, New Delhi – 110001
संवेदक का नाम एवं पताः–
जॉच की तिथि एवं समयः–

कामगार /कर्मचारियों का बयान

क्रमांक	कामगार/कर्मचारी का नाम एवं पता	योगदान की तिथि	पद/कार्य की श्रेणी	वेतन/मजदूरी	कार्य की अवधि	बोनस	कामगार/कर्मचारियों का हस्ताक्षर
1	2	3	4	5	6	7	8
	अजय कुमार दान S/o विमल दान Add: ग्रा- [illegible] पो- [illegible] जि- धनबाद M-7903011456	01/12/2022	ICT Instructor	8057/- Per month माह के 07 से 10 तारीख के बिच	सुबह 9:00 से 03:00 बजे तक	PF - Yes ESI - Yes Bonus - No	Ajay Kumar Dan
	राकेश रविदास S/o दुलाल रविदास Add:- ग्रा- पंजाबी मोहल्ला पो- कतरासगढ़ थाना- कतरास जि- धनबाद M-9113151254	02/01/2023	ICT Instructor	8057/- Per month माह के 07 से 10 तारीख के बिच	सुबह 9:00 से 03:00 बजे तक	PF - Yes ESI - Yes Bonus - NO	Rakesh [illegible]
	मो. अबरार अंसारी S/o [illegible] अंसारी Add:- ग्रा- [illegible] पो- [illegible] थाना- [illegible] जि- धनबाद M- 9801209239	01/12/2022	ICT Instructor	8057/- Per month माह के 07 से 10 तारीख के बिच	सुबह 9:00 से 03:00 बजे तक	P.F - Yes ESI - Yes Bonus - NO	Abrar
	मो. [illegible] अंसारी S/o [illegible] अंसारी Add:- ग्रा- [illegible] पो- [illegible] थाना- [illegible] जि- धनबाद M- 7294970070	01/12/2022	ICT Instructor	8057/- Per month माह के 07 से 10 तारीख के बिच	सुबह 9:00 से 03:00 बजे तक	PF - Yes ESI - Yes Bonus - No	[illegible]

निरीक्षक का हस्ताक्षर

में आयोजित किया गया था, जिसमे 85% ICT instructor को JEPC रांची के द्वारा file घोषित किया का चुका है। JEPC रांची की शर्त ये थी की जिसका भी 50% से कम नंबर आयेगा उसे उसके पद से हटा दिया जाएगा। परंतु, समस्या यहां यह है की ये सारे ICT instructors का साक्षात्कार और संबंधित प्रमाण पत्र का सत्यापन JEPC रांची ने ही किया था, तो अब जुलाई 2024 में ICT instructors का Assessment पुनः लेना तय किया गया है। जबकि यह प्रोजेक्ट पिछले 5 से 7 सालों से पूरे झारखंड के 24 जिलों में चल रहा है, फिर भी अभी तक किसी भी विद्यालय में JEPC रांची के द्वारा आज तक पाठ्य पुस्तिका इस ICT प्रोजेक्ट को ध्यान में रखते हुए (Computer) विषय से संबंधित उपलब्ध नहीं कराया गया है। सारा दारोमदार आईसीटी इंस्ट्रक्टर पर है, वह अपने Skill से जो भी छात्रों को पढ़ा दें, जबकि अगर पूरे झारखंड की बात की जाए तो जितने भी ICT instructor झारखंड राज्य के 24 जिलो में संबंधित Company और JEPC रांची के द्वारा बहाल किए गए है, उनमें 75% तो दवद ICT skill and fake certificate (scan) किया हुआ है। झारखण्ड सरकार चाहे तो इसकी निष्पक्ष जांच सक्षम एजेंसी से करा सकती हैं। जानकारी के लिए बताते चलें कि सभी बहाल किए गए आईसीटी इंस्ट्रक्टर का साक्षात्कार एवं संबंधित सर्टिफिकेट की जांच JEPC रांची के द्वारा ही की गई है और खुद ही वो 85% को अयोग्य ठहरा चुकी है, जो निःसंदेह जांच का विषय है। इनकी कारगुजारियों का अंत यही हो जाता तो ठीक था, परंतु इससे दो कदम आगे बढ़ते हुए JEPC रांची ने जिस आईसीटी इंस्ट्रक्टर को उसने खुद अयोग्य ठहराया उन्हीं के माध्यम से ICT युक्त विद्यालयों के छात्र-छात्राओं का बीते दिनों दिनांक- 15/05/2024 और 16/05/2024 को ICT (Computer) विषय का Class 09जी से 12जी का online exam JEPC रांची के द्वारा लिया गया, वो भी English medium से उसी Question का screenshot संलग्न हैं, जबकि किसी भी सरकारी विद्यालय में आज तक English medium से कम्प्यूटर की शिक्षा दी ही नहीं गई। JEPC रांची कागज पर अपना पीठ खुद थपथपा रहा है की उसने झंडा गाड़ दिया है, जबकि झारखंड राज्य के किसी भी गांव/कसबे के ICT युक्त विद्यालय में जाकर इसकी सत्यता को जांचा जा सकता है, सच में इसकी वास्तविकता क्या है?

यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि स्थानीय विधायक एवं सांसद सहित मुखिया ने भी इस गंभीर मामले को बहुत गंभीरता से लिया होता तो शायद आदिवासियों का खाजाना खाली नहीं होता। जिला के डीसी हो या डीईओ, इन्होंने भी इस खेल को होने दिया और बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया और उनको तकनीकी शिक्षा से वंचित रखने में भ्रष्टाचार करने वाली कंपनी का साथ दे रहे हैं। बड़े अधिकारी को छोटे अधिकारी गुमराह करके भ्रष्टाचार के खेल को अंजाम देते हैं और सरकार को बदनाम करके योजनाओं को लूटा जा रहा है। इस सरकारी खजाने की लूट, कमीशनखोरी के भ्रष्टाचार के पूरे मामले की जानकारी बड़े प्रेस-मीडिया घरानों को भी है, लेकिन न जानें किन कारणों की वजह से मामलों को अनदेखा कर रही है, अन्यथा यह मामला आग की तरह फैल जाता। विपक्ष भी इस मामले को लेकर गंभीर नहीं दिखता जबकि झारखंड के कंप्यूटर घोटाला भी आने वाले दिनों में कोयला घोटाला की तरह बड़ा घोटाला साबित होगा और कंपनी एवं संबंधित अधिकारियों को इसका दंड भुगतना ही होगा, क्योंकि बिना काम के दाम पहले ही कंपनी को दे देना भ्रष्टाचार का मुख्य कारण है।●

सेवा में
श्रीमान प्रभारी प्राचार्य महोदय
प्रोजेक्ट +2 उ० वि० मनियाडीह

विषय :- आई० सी० टी० शिक्षक अजय कुमार दाँ के अचानक सेवा समाप्त करने के संबंध में

महाशय,
सादर पूर्वक सूचित करना चाहूँगा कि मैं अजय कुमार दाँ ICT Instructor, project +2 High School Maniadih में 01/12/2022 से कार्यरत हूँ। तथा मेरे द्वारा विद्यालय में पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से स्कूल के समय-सारणी को ध्यान में रखते हुए, कार्य किया गया परन्तु कम्पनी के द्वारा प्राप्त E-Mail जो दिनांक 07/12/2023 को मेरे E-mail ID पर प्राप्त हुई। जिसमें E-Vidya Vahini पर हाजिरी नहीं बनाये जाने तथा कंपनी के MIS work performance के कारण बताते हुए हमारी सेवा समाप्त करने के संबंध में मेसेज किया गया।
अतः आप को सूचित करना चाहूँगा कि E.VV पर उपस्थिति हमने बनायी है तथा स्कूल के क्लास नवम एवं दशम का फार्म फिलप किया है।
LOS Data Entry के कारण MIS work नहीं कर पाया। प्रभारी प्राचार्य महोदय से निवेदन है कि मुझे उक्त कार्य के लिए एक अवसर प्रदान करने की अनुशंसा करें।

आपका विश्वासी
अजय कुमार दाँ
ICT (Instructor)
Date-11/12/2023

Incharge-Principal
Project+2 High School
Maniadih, Tundi (Dhanbad)

संजय सेठ बने रक्षा राज्य मंत्री

● गुड्डी साव

झारखंड से नवनियुक्त महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शपथ ग्रहण के बाद 14 जून को रांची पहुंचे। भारत सरकार के दोनो मंत्रीगण सेवा विमान द्वारा नई दिल्ली से रांची एयरपोर्ट पहुंचे थे। रांची एयरपोर्ट पर भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। रांची पहुँचते ही संजय सेठ ने रांची मिलिट्री स्टेशन का दौरा किया। मंत्री पद ग्रहण करने के बाद रांची में यह उनका यह पहला दौरा था। उन्होंने झारखंड युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर भारतीय सेना के शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी। साथ ही भारतीय सेना के समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए उनकी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने राष्ट्रीय निर्माण में भारतीय सेना के योगदान पर प्रकाश डालते हुए भारतीय सेना के भीतर तत्परता अनुशासन और उच्च मनोबल बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही दोनो मंत्रीगण बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा कि प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हरमू स्थित प्रदेश कार्यालय पहुँचे वहां भी सभी कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। प्रदेश कार्यालय पहुँच कर पार्टी के प्रेरणा पुरुष डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने प्रदेश अध्यक्ष के कक्ष में दोनो मंत्री गण को मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। श्रीमती अन्नपूर्णा देवी और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रदेश कार्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए जनता का आभार प्रकट किया और जितने भी कार्यकर्ता मौजूद थे, सभी को भी आभार प्रकट किया। ज्ञात हो कि श्री संजय सेठ 9 जून 2024 को लिए मंत्री पद कि शपथ ली थी और 11 जून 2024 को रक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री का पदभार ग्रहण किया था। उससे पहले कि बात करें तो संजय सेठ ने मारी बाजी। उनके पक्ष में रही रांची कि जनता। झारखंड की सभी 14 लोकसभा सीटों पर एनडीए कि तैयारी पूरी जोश के साथ रही। राजधानी रांची लोकसभा से प्रत्याशी संजय सेठ ने पूरी मेहनत झोंक दी थी। चुनाव से 2 महीने पहले से रांची के हर क्षेत्र में उन्होंने जो कि ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी क्षेत्र हर जगह उन्होंने चुनाव प्रचार किया। इस बार संजय सेठ के विपक्ष मे कांग्रेस की युवा प्रत्याशी यशस्विनि सहाय खड़ी रही, जो कि कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय की पुत्री है और दोनों में कांटे की टक्कर देखी गई। इस लोकसभा चुनाव में 1 लाख 20 हजार 512 वोट से संजय सेठ ने जीत हासिल करते हुए कहा कि कि यह जनता की जीत है। जनता के कारण ही यह जीत मैंने हासिल किया है। पिछे विकास के जो भी कार्य मेरे द्वारा अधूरे रह गए है उसे मैं आगे पूरा करूंगा। रांची को एक नंबर बनाऊंगा। बता दें कि

जीत के बाद 5 जून को रांची महानगर के नेतृत्व में संजय सेठ के विजय होने पर विजय जुलूस निकाला गया। उनके आवास पंडरा स्थित OTC मैदान से काली मंदिर (मेन रोड) तक विजय जुलूस निकाला गया। इस विजय जुलूस में रांची के पूर्व सांसद अजय मारू, रांची के विधायक सीपी सिंह, समरी लाल, नवीन जयसवाल, रांची के पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय सहित हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

☞ **15 जून को संजय सेठ ने रांची बड़ा तालाब का निरीक्षण किया :-** बड़ा तालाब की सफाई को लेकर रांची के उपायुक्त को संजय सेठ ने मौके पर ही बुलाया और कहा बिना देर किए हुए कागजी प्रक्रिया पूरा करें और जल्द से जल्द सीसीएल के सीएमडी को दे ताकि जल्द ही मशीन खरीदा जा सके। उससे पहले बता दें कि बड़ा तालाब का निरीक्षण करने के दौरान ही तुरंत उन्हाने सीसीएल के सीएमडी से बात कर सीएसआर फंड से सफाई करने वाली नई मशीन उपलब्ध कराने को कहा जिसकी कीमत 6 से 7 करोड़ रुपए के लगभग है। यह बात सुन सीएमडी ने स्वीकार कर अविलंब मशीन देने की बात कही।

संजय सेठ ने कहा बड़ा तालाब को हर हाल में सुरक्षित रखा जाएगा।●

सीसीएल से सेवानिवृत्त 81 कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

● **गुड्डी साव**

सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस, रांची के विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हो रहे 7 कर्मियों जिनमें श्री महेंद्र कुमार पंजाबी, महाप्रबंधक (खनन), भूगर्व विभाग, श्री अनिल कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक (वित्त) , वित्त विभाग, श्री सुनील कुमार , मुख्य प्रबंधक (ई एंड एम), सेफ्टी विभाग, डॉ अरबिंद कुमार , सीएमओ, मुख्यालय डिस्पेन्सरी श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ,मुख्य भंडारपाल-ए - 1 , ई एंड एम विभाग श्री सौमेन रॉय, कार्यालय अधीक्षक मेडिकल विभाग एवं मनोज कुमारी, मैट्रन-ए -1 को सीसीएल की ओर से एक सम्मान- सह -विदाई समारोह का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई। सीसीएल से कुल 81 कर्मचारी सेवा निवृत्त हुए हैं जिसमें 8 अधिकारी एवं 73 गैर अधिकारी है। इस अवसर पर निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा ,निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी / संचालन) श्री हरीश दुहान, निदेशक (तकनीकी योजना एवं परियोजना) श्री सतीश कुमार झा एवं सीवीओ श्री पंकज कुमार ने सभी सेवा निवृत्त कर्मियों को शॉल, श्रीफल , पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र , सर्विस सर्टिफिकेट आदि प्रदान कर सम्मानित किये ।

निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि आप सभी का समर्पित भावना के कारण ही कंपनी की विकास एवं भविष्य सकारात्मक है । उन्होंने आगे कहा कि आप सभी के लिए एक यादगार दिन है और कंपनी से जब भी आपको कोई जरूरत पड़े तो कंपनी एवं मैनेजमेंट आपके साथ होंगे । निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने शुभेच्छा प्रकट करते हुए कहा कि आप सभी अपने अपने स्वास्थ्य एवं वित्तीय अनुशासन पर विशेष ध्यान दें । जिससे कि आप दूसरे पर निर्भर ना रहे ।उन्होंने कहा कि वर्षों से आपका समर्पण कड़ी मेहनत और कंपनी के प्रति समर्पित भावना से कंपनी को लाभ मिला है जिसके कारण सीसीएल अपना लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है। निदेशक (तकनीकी /संचालन) श्री हरीश दुहान ने सभी सेवा निवृत्त कर्मियों के उपलब्धि के बारे में चर्चा किये और कहा कि आपका दूसरी पाली सुखमय हो एवं आप हमेशा स्वस्थ रहें। निदेशक (तकनीकी योजना एवं परियोजना) श्री सतीश कुमार झा ने अपने संबोधन में कहा की आप अपनी तीसरी पीढ़ी के साथ समय बिताएं एवं बच्चों का भविष्य निर्माण करने में योगदान दें। सीवीओ श्री पंकज कुमार ने कामना की कि आप सभी का दूसरी इनिंग पहली इनिंग से और बेहतर हो । उन्होंने सलाह दिया कि अपने और लाइफ पार्टनर के प्रति ध्यान दें और व्यक्तिगत हितों को दूसरे के लिए कोम्प्रोमाइज नहीं करें। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यानुभवों पर एक शॉर्ट फिल्म (विडियो क्लिप) प्रदर्शित किया गया। इस विडियो में कर्मियों ने अपने संपूर्ण सेवाकाल के यादगार लम्हों को विडियो के माध्यम से साझा किया। कार्यक्रम का संचालन स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष (कल्याण) श्रीमती रेखा पांडेय ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों का विशेष योगदान रहा ।●

जीत हासिल कर कल्पना सोरेन बनी स्टार

लोकसभा चुनाव में तीन सीटों पर झारखण्ड मुक्ति मोर्चा ने की जीत हासिल

● गुड्डी साव

गांडेय से कल्पना सोरेन ने जीत हासिल कर ली है। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा उपचुनाव में 26,483 मतों से जीत हासिल की है पूरे लोकसभा चुनाव के दौरान कल्पना सोरेन सबसे बड़ी स्टारक प्रचारक के रूप में उभरकर आई सामने।अपने पति हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उन्होंने महागठबंधन के चुनावी अभियान का भार खुद अपने उपर उठाया। कल्पना सोरेन अब राजनीतिक सुर्खियों में आ चुकि है । लोकसभा चुनाव में तीन सीटों पर झामुमों कि जीत हुई है। जिसे लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यालय में मनाया गया जशन। सभी कार्यकर्ता ने एक दुसरे को दी बधाई । अबीर गुलाल भी सभी कार्यकर्ता ने एक दूसरे को लगाया । 5 जून को झारखंड मुक्ति मोर्चा से राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कल्पना सोरेन के आवास जाकर दी बधाई । रांची जिला अल्पसंख्यक मोर्चा कि ओर से 101 किलो

गेंदा फूल का माला कल्पना सोरेन को पहनाया ।कल्पना सोरेन ने दि सभी कार्यकर्ता को धन्यवाद । बात करें कल्पना सोरेन की तो राजनीति से उनको बिल्कुल भी कभी लगाव नहीं रहा। मगर अपने पति के जेल जाने के बाद मजबूरी में उन्होंने राजनीति में पहला कदम रखा । और पहला कदम जो कि शुरूआति है उन्होने हार को मात देकर जीत हासिल कर ली। एक तरफ देखा जाए तो झारखंड कि आदिवासी जनता कल्पना सोरेन को सपोर्ट कर रही है। कारण माना जा रहा है कि आदिवासी जनता को लगता है कि एक आदिवासी नेता ही उन्हें समझ सकता है और उन्हे उनका हक दिला सकता है। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उनको अगर एक अच्छा मंत्री मिल सकता है तो वो है कल्पना सोरेन । अब हेमंत सोरेन कि पत्नी के नाम से जाने जाने वाली कल्पना सोरेन गांडेय से विधायक के तौर पर जाने जाएगी । कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा क्षेत्र में 300 छोटी बड़ी चुनावी सभाएं की। दिल्ली मुंबई में महागठबंधन की महारैली में भी शामिल हुई। रांची की उलगुलान रैली को भी उन्होंने संबोधित किया। आदिवासी और महिलाओं की गोलबंदी में भी कामयाब रही। उन्होंने हर मंच पर हेमंत सोरेन कि गिरफ्तारी के पिछे बीजेपी को दोषी ठहराते हुए ललकारा । देखा गया कि इस चुनाव में उन्होंने जित के लिए पूरी मेहनत झोंक दी। जिसका नतीजा उन्हें जित के रूप में मिल चुका है। आगे अनुमान लगाया जा रहा है कि कल्पना सोरेन बन सकती हैं झारखंड की पहली महिला मुख्यमंत्री ।

☞ **कल्पना मूर्मू सोरेन ने झारखंड विधानसभा में सदस्य पद की ली शपथ :-** 10 जून को झारखंड विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायक कल्पना मूर्मू सोरेन गांडेय विधानसभा सीट से विधायक के तौर पर शपथ लेने पहुंची। भाजपा के दिलीप कुमार वर्मा के खिलाफ 27,149 मतों के अंतर से कल्पना सोरेन ने जीत हासिल की है। विधानसभा अध्यक्ष सब्रींद्रनाथ महतों ने उन्हे शपथ दिलाई । शपथ ग्रहण के मौके पर मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के साथ जेएमएम के तमाम विधायक, मंत्री संग कई लोग हुए शामिल । शपथ ग्रहण के बाद कल्पना सोरेन ने कहा कि जिम्मेदारी बहुत बड़ी है और गांडेय के जनता के साथ हमारी जितने भी पार्टी के लोग है सांसद गण, विधायकगण, मंत्रीगण सभी के साथ मिलकर काम करूंगी । जितने भी बड़े काम है उन्हे पूरा करना है मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने काम को पूरा करूंगी।●

कल्पना सोरेन की अब तक की जीवनी

कल्पना सोरेन मूलरूप से उड़िसा कि रहने वाली है उनका जन्म - 1976 में रांची में हुआ। उनका परिवार उड़िसा में रहते हैं। उन्होंने ग्रेजुएशन रांची से कि है। उन्होंने डठ। तक की पढ़ाई की है। 7 फरवरी 2006 को उनकी शादी हेमंत सोरेन से हुई। हेमंत सोरेन के साथ उनकी अरेंज मैरेज हुई है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में दिखी जीत की खुशी

● गुड्डी साव

2024 के चुनावों में एनडीए गठबंधन की जीत हुई है और 240 सीट के साथ बीजेपी बनी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। भारत की जनता ने फिर एक बार चुना मोदी की सरकार, मगर भाजपा का दावा जो 400 पार का था वह विफल रहा। 400 पार की जगह 240 सीटों पर ही सिमट कर रह गई भाजपा कि सरकार। किंतु 2014 और 2019 के बाद भाजपा के लिए यह अच्छी बात रही की बिते दो चुनावो के बाद भी तीसरे चुनाव 2024 में उन्होंने जीत हासिल की। मगर भाजपा अपने सबसे मजबूत जगह उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। 4 जून को जो कि चुनावी नतीजे अंतिम पड़ाव बहुत ही दिलचस्प रहा। वही 7 जून को भारत के राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने नरेंद्र मोदी को औपचारिक तौर पर सरकार बनाने का निमंत्रण दिया। 9 जून को शुभ मुहर्त के मुताबिक शाम 7 बजकर 15 मिनट पर नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इस ऐतिहासिक पल की गवाह बनने कई देशों के प्रतिनिधि राष्ट्रपति भवन में मौजूद थे। साथ ही साथ फिल्म जगत के कई सितारें भी हुए शामिल । फिर एक बार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हांथो देश कि कमान है। तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद किसानो के प्रति उनका पहला कदम । किसान निधि की 17 वीं किस्त जारी करने को लेकर प्रधानमंत्री ने की अपनी पहली फाइल पर हस्ताक्षर । इससे 9.3 करोड़ किसानों को लाभ होगा। और लगभग 20,000 करोड़ रूपए वितरित किए जाएंगे।

बात अगर झारखण्ड की करे तो रांची में हर पार्टी के कार्यकर्ता चुनावी नतीजे आने का

बेशब्री से कर रहे थे इंतजार। पार्टी के कार्यकर्ता के अलावा रांची कि कई जनता भी अपने कामों को छोड़ मतगणना केंद्रो में जुटे रहे। हर कोई अपने प्रत्याशी की जीत को लेकर उत्साहित थे मगर रुझानों को देख समर्थकों का उत्साह कमजोर पड़ने लगा। रांची भाजपा प्रदेश कार्यालय में जीत कि खुशी में भाजपा के कार्यकर्ताओं में खुशी और उत्साह देखा गया। जमकर फोड़े गए पटाखें, बांटे गए लड्डू, अबीर गुलाल लगाकर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दी एक दूसरे को बधाई। मांदर, ढोल नगाड़ो पर महिला और पुरुष कार्यकर्ताओं ने नाच भी किया। वहीं भाजपा विधायक दल के नेता अमर कुमार बाउरी ने देश कि जनता को धन्यवाद दिया और कहा कि जनता के आदेश का सम्मान करते हैं। जनता ने जिस रूप में नरेंद्र मोदी को वोट दिया है उसको हम तहेदिल से स्वीकार करते हैं। जनता के लिए हमलोग पुरी मेहनत के साथ काम करेंगे। हटिया विधायक नवीन जयसवाल ने भी जनता को धन्यवाद किया और कहा कि जनता ने यह तय किया है कि तिसरी बार मोदी सरकार आए। पंडित जवाहरलाल नेहरू का रिकार्ड था जो लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने थे और उस रिकार्ड को बरकरार और तोड़ने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने किया है। एनडीए की जीत पर भाजपा कार्यालय कि महिला कार्यकताओं ने भी नरेंद्र मोदी की तीसरी बार जीत को लेकर खुशी जाहिर की और जनता का आभार प्रकट किया। जिनमें शोभा यादव, प्रदेश कार्य समिति सदस्य, डॉ० सिमा सिंह, बीजेपी लिडर सिड, आरती कुजुर उपाध्यक्ष शामिल है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

सी.एम.पी.डी.आई. में स्वच्छता पखवाड़ा का हुआ शुमारंभ

● गुड्डी साव

सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार, निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री सतीश झा के नेतृत्व में संस्थान के मुख्यालय परिसर में दिनांक 16 से 30 जून तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छता अभियान का आयोयन किया गया। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत महात्मा गांधी के सपने को पूरा करने के लिए कोल इंडिया और इसके सहायक कम्पनियों द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआती दिन में ही सीएमपीडीआई के अध्यक्ष सह प्रबंध निर्देशक श्री मनोज कुमार ने अपने कर्मियों को स्वच्छता को लेकर शपथ दिलाई। इसके अलावा, क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के क्षेत्रीय निदेशक श्री जयंत चक्रवर्ती, महाप्रबंधक (टीएस/पीआर) श्री संजय कुमार दुबे सहित महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण इस अभियान में भाग लिए। सीएमपीडीआई द्वारा अपने मुख्य द्वार पर नजदीकी बाजार में खरीददारी करने आए आसपास के निवासियों के बीच जूट बैग का वितरण किया ताकि प्लास्टिक बैग का उपयोग पर रोक लग सके। सीएमपीडीआई में स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक को खत्म करने के लिए जागरूकता अभियान प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन स्वच्छ पेयजल आदि और स्वच्छ अभियान अपशिष्ट कचरे का निपटान जैसी गतिविधियां संपन्न होगी। स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लोगों के बीच निबंध लेखन और ड्राइंग प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। ज्ञात हो कि स्वच्छता पखवाड़ा-2023 के दौरान सीएमपीडीआई द्वारा की गयी गतिविधियों, शामिल नवीन विचारों, अधिकतम सार्वजनिक भागीदारी और आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के आधार पर सीएमपीडीआई को कोयला मंत्रालय द्वारा द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बता दें कि मौके पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री शंकर नागाचारी तथा क्षेत्रीय संस्थान-3 के क्षेत्रीय निदेशक श्री जयंत चक्रवर्ती मुख्यालय तथा क्षेत्रीय संस्थान 3 के रांची के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्षगण वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। ●

सीसीएल में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

● गुड्डी साव

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 1 जून से 5 जून तक सीसीएल परिवार के द्वारा पर्यावरण जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यकर्मों का आयोजन सफल हुआ। 1 जून 2024 को निदेशक तकनीकी श्री सतीश झा ने उदघ्घाटन कर विभिन्न प्रतियोगिताओं का शुभआरंभ किया ।जिसमे लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया। पेंटिंग क्विज स्लोगन निबंध एवं कविता पाठ का आयोजन किया गया। 3 जून को कर्मचारियों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 5 जून को अध्यक्ष सह प्रबंध निर्देशक श्री निलेंदु कुमार सिंह की अध्यक्षता में ध्वजारोहण एवं शपथ ग्रहण किया गया। 5 जून को सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस रांची में आयोजित कार्यक्रम में सीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निर्देशक श्री निलेन्दु कुमार सिंह निर्देशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा निर्देशक (कार्मिका श्री हर्ष नाथ मिक्ष निदेशक तकनीकि (योजना एवं परियोजना) श्री सतीश झा सीवीओ श्री पंकज कुमार विभागाध्यक्ष (पर्यावरण)श्री राज कुमार सहित विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ लिया। इसके उपरांत निदेशकगण एवं सीवीओ ने पौधारोपण कर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पर्यावरण दिवस के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का पुरस्कृत कर उन्हे पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। कमांड क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पौधा एवं जुट बैग का वितरण किया गया। मंच संचालन मुख्य प्रबंधक (पर्यावरण) सुश्री संगीता ने किया।●

राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति के पदाधिकारियों के साथ कृषि मंत्री की बैठक

● गुड्डी साव

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्री बादल ने कहा है कि किसानों के दो लाख रुपये तक के लोन माफ किये जाएंगे। इसके लिए उन्होंने सभी बैंकों से प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा है। 31 मार्च 2020 तक किसानों द्वारा लिया गया 50 हजार से लेकर दो लाख तक के ऋण को वन टाईम सेंटलमेंट के माध्यम से माफ किये जायेंगे। इसके लिये सभी बैंकों से प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है। उन्होंने नेपाल हाउस स्थित सभागार में राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति के पदाधिकारियों के साथ केसीसी लोन सहित कृषि कार्य के लिए किसानों द्वारा लिए गये ऋण की माफी योजना को लेकर बैठक की। मंत्री ने बैठक में बताया कि राज्य सरकार ने अपने वादे के मुताबिक ऐसे किसानों को राहत दी है, जो बैंक ऋण की वजह से चिंताग्रस्त रहते थे। राज्य के करीब 4 लाख 73 हजार से ज्यादा किसानों के 50 हजार रुपये तक के ऋण माफ किये जा चुके हैं। इस मद में सरकार द्वारा 1900 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि बैंकों को दी गयी है। विदित हो कि 2021-22 में सरकार ने किसानों को राहत देने के मकसद से 50 हजार रुपये तक की राशि के ऋण को माफ करने की घोषणा की थी। अपने वादे के मुताबिक सरकार ने वैसे सभी आवेदनों का निष्पादन कर लिया है, जिनकी केवाईसी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बहुराज्यीय भूमि सहकारी विकास बैंक समिति, पटना के 10 हजार ऋणी किसानों के कर्ज माफ करने पर विचार किया गया। लोन लेने वाले एससी/एसटी और कमजोर वर्ग के किसानों के ऋण माफ किये जाने का निर्णय भी बैठक में लिया गया। साथ ही देवघर को-ऑपरेटिव ग्रेन बैंक, लिमिटेड, देवघर द्वारा 14 हजार 346 ऋणी किसानों के कर्ज को भी माफ करने पर विचार किया गया। श्री बादल ने सभी बैंकों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वैसे किसानों के खाते, जो एनपीए हो चुके हैं, उन खातों को बंद करने के लिए राज्य सरकार के पास प्रस्ताव भेजें, ताकि किसानों को ऋणमुक्त किया जा सके। श्री बादल ने कहा कि ऐसे ऋणी, जिनकी मौत हो चुकी है तथा जिनके खाते एनपीए हो गये हैं, वैसे किसानों के लिए सक्षम साक्ष्य प्रस्तुत करने के उपरांत उन्हें भी बिना केवाईसी के लाभुकों की श्रेणी में शामिल किया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से विकास आयुक्त श्री अविनाश कुमार, योजना एवं विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री मस्तराम मीणा, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव श्री अबू बकर सिद्दिकी सहित राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।●

हर हाल में खेलगांव का हो मेंटेनेंस : मुख्यमंत्री

● गुड्डी साव

मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में प्राकृतिक सौन्दर्यता बेमिशाल है। हमसभी झारखंड वासियों का यह सौभाग्य है कि यहां विभिन्न समुदायों के कई अहम धार्मिक स्थल तथा अलग-अलग कला-संस्कृति का एक अनोखा मिश्रण पाया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आदिवासी धर्मावलंबियों के आस्था एवं विश्वास का धर्मस्थल लुगुबुरु तथा मरांगबुरु को एक बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में जल्द से जल्द विकसित किया जाए। पर्यटन विभाग के पदाधिकारी जल्द से जल्द इस निमित्त एक बेहतर डीपीआर तैयार कर आगे की कार्रवाई प्रारंभ करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पहाड़ी मंदिर परिसर रांची का सम्पूर्ण विकास जरूरी है। पहाड़ी मंदिर आस्था और विश्वास का एक बड़ा धर्मस्थल है। राज्य सरकार द्वारा पहाड़ी मंदिर में रोप-वे बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया था, इसके लिए फीजिबिलिटी वेरीफिकेशन भी हुई थी, पदाधिकारी फीजिबिलिटी रिपोर्ट जल्द मंगाकर आगे की कार्रवाई प्रारंभ करें। पहाड़ी मंदिर के विकास के लिए जो भी रोड मैप तैयार किया गया है, उस पर जल्द से जल्द कार्य प्रारंभ करना सुनिश्चित करें।

☞ **धार्मिक, आध्यात्मिक सहित विभिन्न पर्यटन के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं :-** मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि झारखंड के पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को विश्व के मानचित्र पर लाने के लिए हमें क्या कार्य करने की जरूरत है इस पर एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए आगे बढ़ना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि राज्य में धार्मिक, आध्यात्मिक सहित विभिन्न पर्यटन के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। इन बहुआयामी पर्यटन संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए इनका विकास होना बहुत ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि झारखंड भ्रमण पर जो भी पर्यटक आते हैं वे यहां से एक बेहतर अनुभव लेकर अपने घर वापस जाएं, ताकि पर्यटन के क्षेत्र में देश और दुनिया में झारखंड की अलग पहचान बन सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि रामगढ़ जिला स्थित रजरप्पा एक बेहतरीन धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित की जा सके इस निमित्त जल्द से जल्द डीपीआर तैयार करें तथा रजरप्पा में क्या नया किया जा सकता है उस पर भी पदाधिकारी कार्य योजना बनाएं।

☞ **हुंडरू फॉल का रिनोवेशन तथा गेस्ट हाउस निर्माण कार्य में तेजी लाएं :-** मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि हुंडरू फॉल का रिनोवेशन तथा वहां के गेस्ट हाउस निर्माण कार्य में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा चिन्हित वैसे सभी पर्यटन स्थल जिसे विकसित किया जाना है, उन स्थलों की कार्य प्रगति में शिथिलता न बरतें बल्कि तेज गति से कार्य करते हुए सभी काम ससमय सम्पन्न करें। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारी से कहा कि राज्य के पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को विकसित करने में अगर जरूरत पड़े तो दूसरे राज्यों के टूरिज्म प्लेस का स्टडी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि झारखंड के सभी चिन्हित पर्यटन स्थल विकसित हो तभी राज्य का सांस्कृतिक गौरव बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

☞ **राज्य के सरना धर्म स्थलों को भी प्रतिबद्धता के साथ विकसित करें :-** बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य के सरना धर्म स्थलों के विकास पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को सेरेंगदाघाटी (कोल्हान) को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत आदिवासी धर्मावलंबियों को सरना स्थल का परिभ्रमण कराना भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भोगनाडीह स्थित सिदो कान्हू प्रतिमा स्थल तथा उलिहातू शहीद स्थल को प्राथमिकता के साथ डेवलप करें। यह सभी स्थल झारखंड का महत्वपूर्ण विरासत है। इन स्थलों को संरक्षित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

☞ **सिदो-कान्हू युवा खेल क्लब के गठन तथा रजिस्ट्रेशन कार्य में तेजी लाएं :-** मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन तथा रजिस्ट्रेशन कार्य में तेजी लाएं। मौके पर पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य में अभी तक 27 हजार 248 सिदो कान्हू युवा खेल क्लब का गठन किया जा चुका है, जिसमें लगभग 11 हाजर से अधिक क्लबों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, अब कोऑपरेटिव के माध्यम से भी रजिस्ट्रेशन कार्य किया जाएगा जिससे कार्य में तेजी लाई जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन तथा निबंधन कार्य को सरल बनाते हुए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

☞ **हर हाल में खेलगांव का हो मेंटेनेंस :-** बैठक में मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि रांची स्थित खेलगांव का मेंटेनेंस हर हाल में सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस उद्देश्य से खेलगांव का निर्माण किया गया था, उस उद्देश्य को पूरा करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन खेलगांव में आयोजित होती रहे, यह सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने आदित्यपुर-1, फुटबॉल मैदान, रामचंद्रपुर फुटबॉल मैदान तथा आदित्यपुर-2, प्रगति मैदान के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों द्वारा राज्य में खेल-कूद

की कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। खेल विभाग द्वारा बनाई गई कई महत्वपूर्ण पॉलिसी, आवासीय क्रीडा प्रशिक्षण केंद्र, डे-बोर्डिंग क्रीडा प्रशिक्षण केंद्र, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का संचालन, विभिन्न खेल विधाओं के लिए हाईपर फॉर्मिंग सेंटर का अधिष्ठापन तथा चालू वित्तीय वर्ष में ली जाने वाली महत्वपूर्ण खेल योजनाओं सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पदाधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, पर्यटन, कला संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग के सचिव श्री मनोज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अरवा राजकमल, खेल निदेशक श्री सुशांत गौरव, पर्यटन निदेशक श्रीमती अंजलि यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।●

नशामुक्त प्रदेश बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

● **गुड्डी साव**

झारखंड को नशा मुक्त प्रदेश बनाना है और इसमें हर किसी को अपनी सहभागिता निभानी होगी । सभी के प्रयासों से ही मादक और नशीले पदार्थों पर रोकथाम संभव है। मुख्यमंत्री श्री चम्पई सोरेन ने 19 जून 2024 को झारखंड मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में नशा मुक्त झारखंड बनने के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के क्रम में यह संकल्प दोहराया। इस अवसर पर सभी ने नशा मुक्त झारखंड अभियान के तहत एकजुट होकर स्वयं, परिवार और समाज को नशा से दूर रहने की शपथ ली।

☞ **झारखंड राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे पर नियंत्रण की दिशा में जागरूकता रथ को रवाना किया जाना एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे नशे के दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने में मदद मिलेगी। लोग यह समझ सकेंगे की नशे की वजह से उनका कितना नुकसान हो रहा है और इससे कैसे बचा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि नशे के खिलाफ प्रचार -प्रसार से लोग जागरूक होंगे और दूसरों को भी नशे से दूर रखने के लिए प्रेरित करेंगे।

☞ **बेहतर समाज और बेहतर राज्य बनाना है :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर समाज और बेहतर राज्य बनाने के लिए नशा पर नियंत्रण बहुत जरूरी है। शहर हो या गांव, हर किसी को नशे से दूर रहना होगा । जो नशा को बढ़ावा दे उसे भी रोकने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। हर किसी के सहयोग से हम अपने इस अभियान में निश्चित तौर पर सफल होंगे। अगर हम आज नशा पर नियंत्रण नहीं कर पाएंगे तो आगे और भी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए हर तरह के नशे की प्रवृत्ति को रोकने की जरूरत है।

☞ **नशे से समाज में फैल रही कई विकृतियां :-** मुख्यमंत्री ने कहा कि कि नशे की वजह से समाज में तरह-तरह की विकृतियां फैलती है। इससे युवाओं में अपराध की प्रवृत्ति बढ़ती है । परिवार में अलगाव की स्थिति पैदा होती । आपसी संबंधों में दरार आने लगता है। समाज गलत दिशा में आगे बढ़ने लगता है। सबसे बड़ी बात कि नशा का सेवन करने वालों के स्वास्थ्य पर इसका काफी नकारात्मक असर पड़ता है। शारीरिक और मानसिक बीमारियां उसे गिरफ्त में लेने लगती है। यह उस व्यक्ति के साथ उसके परिवार समाज और राज्य के लिए भी स्वस्थ नहीं है। ऐसे में युवाओं को नशा से दूर रहना होगा। यह तभी संभव है ,जब उन्हें नशे के दुष्प्रभाव से अवगत किया जाएगा। उन्हें नशा के खिलाफ जागरूक करना होगा। इस कड़ी में इन जागरूकता रथों की भूमिका भी काफी मायने रखेगी।

☞ **6 जागरूकता रथ किए गए रवाना :-** मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नशा मुक्त झारखंड बनने के लिए 6 जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । इसमें चार जागरूकता रथ रांची और एक-एक रामगढ़ और खूंटी जिले के लिए था।विदित हो कि राज्य के सभी जिलों में 19 से 26 जून तक नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक करने के लिए जागरूकता रथ निकाले गए । ये सभी जागरूकता रथ शहर से लेकर सुदूर गांवों तक भ्रमण कराये गए। इसके जरिए लोगों को नशे के दुष्प्रभाव और उससे बचाव से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर मंत्री श्री सत्यानंद भोक्ता, विधायक श्री जीगा सुसारण होरो, मुख्य सचिव श्री एल खियांग्ते, प्रधान सचिव श्रीमती वंदना दादेल और पुलिस महानिदेशक श्री अजय कुमार सिंह समेत कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।●

जगन्नाथपुर मेला के बेहतर आयोजन को लेकर जिला प्रशासन तैयार

● गुड्डी साव

प्रशासकीय पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची, श्री राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में आज दिनांक 18 जून 2024 को समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित सभागार में 7 जुलाई से 17 जुलाई 2024 को होने वाले ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के प्रभारी अध्यक्ष, श्री रनेंद्र कुमार, सचिव, श्री मिथलेश कुमार, उपाध्यक्ष अशोक नारसरिया, कोषाध्यक्ष, श्री विनोद कुमार, प्रथम सेवक, श्री ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, सदस्य, श्री सुहाश तेतरे उपाधीक्षक हटिया, श्री प्रमोद कुमार मिश्रा, आवासीय दंडाधिकारी हटिया, श्रीमती स्मृति कुमारी एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के प्रतिनिधियों के साथ बेहतर मेला आयोजन को लेकर प्रस्ताव पर उपायुक्त रांची, श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा निम्न निर्देश :-

(1) मेला से सम्बंधित निविदा की सूचना को लेकर उपायुक्त रांची द्वारा निर्देश दिए गए।

(2) मेला के दौरान सुरक्षा हेतु सीसीटीवी लगाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

(3) मंदिर के आस-पास लाइट की व्यवस्था को लेकर उपायुक्त रांची द्वारा सम्बंधित अधिकारी को निर्देश दिया गया।

(4) रथ एवं मंदिर में दो-दो पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए गए।

☞ **जगन्नाथपुर मेला के बेहतर आयोजन को लेकर जिला प्रशासन तैयार :-** प्रशासकीय पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची, श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा कहा गया कि 7 जुलाई से 17 जुलाई 2024 को होने वाले ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति रांची के साथ हमेशा खड़ा है। मेला का आयोजन भव्य तरीके से संपन्न हो इसको लेकर तमाम व्यवस्था की जाएगी।●

ईआईए सलाहकार संगठनों के क्षमता निर्माण पर कार्यशाला का आयोजन

● गुड्डी साव

सीएमपीडीआई (मुख्यालय), रांची और क्वालिटी काउंसिल आफ इंडिया (क्यूसीआई-एनएबीईटी) के संयुक्त तत्वावधान में ''पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) सलाहकार संगठनों के लिए क्षमता निर्माण'' विषय पर सीएमपीडीआई के ''कोयल हाल'' में 19 जून से 21 जून 2024 तक तीन-दिवसीय कार्यालय का आयोजन किया गया। सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने तीन-दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/ आरडीएंडटी) श्री अच्युत घटक, क्यूसीआई के वरिष्ठ निदेशक श्री ए0के0 झा, एसईएसी के चेयरमैन एवं सेवानिवृत्त आईएफएस श्री अशोक कुमार सिंह, सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (एचआरडी/सीएसआर) श्री आर0के0 महापात्रा एवं महाप्रबंधक (पर्यावरण) श्री वी0के0 पाण्डेय सहित मुख्यालय, रांची तथा क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के अधिकारीगण कार्यशाला में भाग लिया। श्री कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला एक मान्यता प्राप्त सलाहकार संगठन (एसीओ) के रूप में कौशल को निखारने में सीएमपीडीआई के लिए बेहद उपयोगी होगी। यह कार्यशाला सीएमपीडीआई को पर्यावरणीय मापदंडों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी जिसमें प्रभाव और क्षति का आकलन भी शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप तैयार किए जा रहे ईआईए/ईएमपी की गुणवत्ता में सुधार होगा। ज्ञात हो एनईईआरआई, एमओईएफ एंड सीसी एवं एनएबीईटी जैसे प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा तकनीकी और व्यावहारिक सत्रों की एक श्रृंखला के माध्यम से मान्यता प्राप्त सलाहकार संगठनों (एसीओ) द्वारा तैयार किए जा रहे ईआईए/ईएमपी की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से क्यूसीआई और सीएमपीडीआई द्वारा कार्यशाला की कुशलतापूर्वक योजना बनाई गई है।●

Xtreme Sport Bar and Grill में डीजे संचालक की गोली मारकर हत्या

☞ घटना घटित होने के बाद किस व्यक्ति ने गोली चलायी उसके बारे में तत्काल कोई सूत्र उपलब्ध नहीं था। किंतु पुलिस ने कांड का त्वरित उद्भेदन किया एवं अभियुक्तों का पता कर छापेमारी में जुट गई।

☞ राँची पुलिस की एक टीम रामगढ़ गई एवं बाउंसरों से मार पीट में शामिल प्रतीक जो की रामगढ़ में (यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का मैनेजर है) का पता लगाकर उसको पकड़ा। मुख्य अभियुक्त अभिषेक के दो सहयोगी मिथुन और समीरुद्दीन को राँची से पकड़ा गया। उन लोगों से गहन पूछताछ में स्वयं वरीय पुलिस अधीक्षक शामिल रहे तथा मुख्य अभियुक्त का पता लगाया।

☞ राँची पुलिस की एक टीम मुख्य अभियुक्त अभिषेक सिंग के सेल टाउन स्थित भाड़े के मकान में। छापेमारी के लिये गई जहां ताला बंद पाया गया।

☞ गहन तकनीकी अनुसंधान करते हुए प्राप्त सूत्रों को हजारीबाग पुलिस एवं गया पुलिस से शेयर किया गया एवं राँची पुलिस की एक टीम अभियुक्त के भागने की दिशा में पीछा करने लगी।

☞ चौतरफा घेराबंदी कर गया जिले के अलीपुर थाना क्षेत्र में अभियुक्त अभिषेक सिंह उर्फ विक्की की गिरफ्तारी की गई।

☞ राँची पुलिस की पूरी टीम ने इस कांड के उद्भेदन में छापेमारी कर पंद्रह घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी में अपने पेशेवर कौशल, तकनीकी, दक्षता एवं कड़ी मेहनत का सराहनीय प्रदर्शन किया है।

एक्सट्रीम बार में देर रात डीजे संचालक संदीप को गोली मारते हुए अभिषेक सिंह

● ओम प्रकाश

झारखंड की राजधानी रांची के एक बार में एक डीजे संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस गोलीबारी का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में एक शख्स निकर पहने, मुंह में अपनी टी-शर्ट लपेटे हाथ में आधुनिक रायफल लेकर बार के अंदर घुसता है। इसके बाद उसके सामने डीजे संदीप आता है। वह उससे कुछ बात करना चाहता है,तब तक सिरफिरा गोली दाग देता है। इसके बाद आराम से वहां से चला जाता है।

रविवार 26 मई की रात करीब 10.30 बजे चुटिया थानान्तर्गत, Xtreme Sport Bar and Grill में खाने पीने के दौरान बार के बाउंसर एवं कुछ व्यक्तियों के बीच मार पीट की घटना हुई थी। उसके बाद रात्रि करीब 01.18 बजे बार का डी0जे0 सैंडी बार के बाहर स्थित लिफ्ट के सामने खड़ा था, उस वक्त लिफ्ट से एक हथियार बंद व्यक्ति दूसरे तल्ले स्थित बार में आया और लिफ्ट के सामने खड़े डी0जे0 सैंडी, जो टैक्सी के इंतजार में खड़ा था, को आते ही गोली मार दी। गोली मारने बाद वह व्यक्ति नीचे उतरा तथा पुनः बार के शीशे पर नीचे से गोलियॉ चलाई। जब पुलिस की गश्ती दल गोली की आवाज सुनकर वहां पहुंची तो अभियुक्त घटना स्थल से फरार हो गया। ईलाज के क्रम में डीजे सैंडी उम्र 24 वर्ष निवासी (पश्चिम बंगाल, परगना) की मृत्यु हो गई। रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा के द्वारा काण्ड के उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक, नगर राँची राजकुमार मेहता की अध्यक्षता में एक एस0आई0टी0 का गठन किया गया। अनुसंधान के क्रम में यह पाया गया कि अभिषेक सिंह उर्फ विक्की, शमीरउद्दीन, आयाम अनवर, प्रतीक, मृत्युंजय यादव उर्फ मिथुन, प्रकाश और प्रकाश के दोस्त एवं बार के बाउंसरों के बीच मार पीट हुई थी। घटना के करीब दो से ढाई घंटे बाद उन्हीं में से एक व्यक्ति जिसकी पहचान अभिषेक सिंह उर्फ विक्की के रूप में की गई है, ने पुनः बार में आकर डी0जे0 सैंडी को गोली मार दी। घटना को अंजाम के बाद जिस कार से अभिषेक सिंह घटना स्थल से फरार हुआ था, उसे पुलिस के द्वारा खोजबीन कर विधिवत् जब्त कर लिया गया। बार एवं कार की एफएसएल जाँच की गई। बाउंसर के साथ मारपीट में शामिल अभिषेक सिंह के अन्य साथियों से पूछताछ की जा रही है। अभिषेक सिंह को रॉची पुलिस की टीम के द्वारा, गया पुलिस एवं हजारीबाग पुलिस के सहयोग से गया जिला में गिरफ्तार किया गया है। भागने के क्रम में प्रयुक्त दो वाहन को भी पुलिस ने जब्त किया है।

मृतक डीजे संदीप

बताते चले की रांची के एक्सट्रीम बार में घुसकर पश्चिम बंगाल के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। युवक इस बार में काम करता था। उसकी पहचान संदीप प्रमाणिक उर्फ सैंडी डीजे के रूप में हुई है। रात 1:19 बजे पुलिस को इस वारदात की जानकारी दी गयी। चुटिया पुलिस ने घायल अवस्था में संदीप को रिम्स पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक सन्दीप कोलकाता का रहने वाला था। कई साल से डीजे बजाने का काम कर रहा था। एक्सटीम बार में 20 दिनों

पहले आया था। बताया जाता है कि एक्स्ट्रीम बार सुनैना एग्रो प्राइवेट लिमटेड कम्पनी का है। इस कम्पनी से फ्रेंचाइजी लेकर विशाल सिंह और उनके सहयोगी द्वारा इसे संचालित कर रहे हैं। करीब एक महीने पहले ही बार को फिर शुरू किया गया है। हत्या की घटना के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह के सेल सिटी स्थित आवास पर भी छापमारी की लेकिन वहां ताला बंद मिला। पुलिस ने ताला तोड़कर घर से 50 से ज्यादा एटीएम कार्ड और एक दर्जन से ज्यादा लग्जरी वाहनों के आरसी बुक सहित अन्य समान बरामद किया है।

★ दो आर्म्स लाइसेंस मिले दोनों फर्जी :- पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके नाम से असम राज्य से जारी हथियारों के लाइसेंस मिले। उक्त लाइसेंस को उपायुक्त, राँची के शस्त्र शाखा से जानकारी ली गई तो पाया गया कि ऐसी कोई प्रविष्टि उक्त लाइसेंस की नहीं है। प्रथम दृष्टया दोनों लाइसेंस फर्जी मिला हैं। जिस कार से अभिषेक सिंह उर्फ विक्की घटना स्थल से फरार हुआ था, उसे पुलिस ने खोजबीन कर जब्त किया है। वहीं बार में चले गोली और कार की पुलिस ने एफएसएल जांच भी कराई है।

★ बाउंसरों ने दौड़ा दौड़ा कर नंगा कर पीटा था अभिषेक को, इगो हर्ट होने की वजह से वो रायफल लाया और डी.जे. को मार दी गोली :- घटना के संबंध में वहां के कर्मियों व अन्य लोगो के माध्यम से जानकारी मिली है की

चुटिया थाना क्षेत्र के एक्सट्रीम बार में देर रात डीजे संदीप की हत्या का आरोपी अभिषेक सिंह बिहार के गया से हुआ गिरफ्तार

मृतक डीजे संदीप फाइल फोटो

रात 10.30 बजे अभिषेक सिंह अपने साथियों के साथ बार में आया। वहाँ अन्य कुछ ग्राहकों के साथ उसका झगड़ा हो गया। उसके बाद बार के स्टाफ और बाउंसर ने सभी को बाहर जाने बोला। उसके बाद फिर अभिषेक सिंह अपने साथियों के साथ आया। जिसके बाद बार में स्टाफ और बाउंसरों के साथ मारपीट हो गई।बाउंसरों ने अभिषेक सिंह को नंगा कर जमकर पीटा था। उसके कपड़े फट गए थे। उसे बार से बाहर निकाल दिया था। इसके बाद ही अभिषेक सिंह बार से बाहर निकला। गुस्से में वह अपना हथियार लेकर करीब सवा एक बजे रात में फिर आया। इस बार डीजे संदीप को देखते ही उसने उसे गोली मार दी।मिली जानकारी के अनुसार संदीप ने भी बार में गाना बंद कर दिया था। उसने अपना गुस्सा उतारने के लिये बाहर से बार में कई राउंड फायरिंग की।

★ जिस रायफल से डीजे संदीप को मारी गई थी गोली, राँची पुलिस ने तुपुदाना के गैरेज से किया बरामद :- राँची के चुटिया थाना क्षेत्र में रेडिशन ब्लू होटल के सामने स्थित एक्स्ट्रीम बार में डीजे संदीप प्रमाणिक की गोली मारकर हत्या मामले में राँची पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पांच दिनों बाद पुलिस ने उस हथियार को बरामद कर लिया है। जिससे गोली चलाई गई थी।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने हथियार को राँची के तुपुदाना इलाके से बरामद किया है। हथियार बरामद करने के लिए खुद सिटी एसपी के नेतृत्व में छापेमारी की गई। छापेमारी में सिटी एसपी, सिटी डीएसपी सहित कई थाना प्रभारी शामिल थे।

★ बार संचालक सहित 14 को राँची पुलिस ने भेजा जेल :- गिरफ्तार आरोपियों के साथ मारपीट मामले में एक्स्ट्रीम बार के 9 लोगो को पुलिस ने किया गिरफ्तार। राँची के चुटिया थाना क्षेत्र में रेडिशन ब्लू होटल के सामने स्थित एक्स्ट्रीम बार में डीजे संदीप प्रमाणिक की गोली मारकर हत्या मामले में राँची पुलिस ने बड़ी कार्रवाई

करते हुए मंगलवार (28 मई) को 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रविवार 27 मई की रात एक बजे हत्या की घटना हुई थी। इस मामले में राँची पुलिस ने सोमवार को हत्या के मुख्य आरोपी (गोली मारने वाले) अभिषेक सिंह उर्फ विक्की को गया जिले से गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी तरफ मंगलवार को पुलिस ने अभिषेक सिंह को राँची से षडयंत्र के तहत भगाने के मामले में अभिषेक सिंह के पिता अशोक सिंह सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं अभिषेक सिंह और उसके साथी से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक्स्ट्रीम बार संचालक विशाल सिंह, उसके पार्टनर, बाउंसर व कर्मी समेत नौ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

✯ रात भर शहर की दर्जनों थाना की पुलिस ने किया छापेमारी, कुल 14 भेजे गए जेल :- एक्सट्रीम बार में बीते रविवार को हुए बवाल के बाद डीजे संदीप की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी।इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 14 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसएसपी ने बताया कि बार कांड में दो मामले दर्ज किए गए थे। पहला मामला डीजे संदीप के हत्या कांड का था जिसमें कुल पांच लोग गिरफ्तार किए गए हैं।अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है। संदीप हत्याकाण्ड में मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह, साक्ष्य छुपाने और अभिषेक की मदद करने के आरोप में उसके पिता मनोज सिंह और उसके तीन दोस्तों मृत्युंजय, प्रतीक और शमसुद्दीन को गिरफ्तार किया गया है। वहीं दूसरे मामले में अभिषेक सिंह और उसके साथियों से मारपीट करने के मामले में बार से जुड़े कुल नौ लोगो को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

✯ मुख्य आरोपी सहित इनकी हुई गिरफ्तारी:-

☞ अभिषेक सिंह उर्फ विक्की, सेल सिटी पुंदाग।

☞ अशोक कुमार सिंह, सेल सिटी पुंदाग (अभिषेक का पिता)

☞ प्रतीक, बिजुलिया रामगढ़।

☞ समरुद्दीन उर्फ छोटू, एम अली लेन लालपुर।

☞ मृत्युंजय कुमार उर्फ मिथुन, खेलगांव होटवार।

✯ 9 अन्य में बार मालिक सहित इन्हें भी किया गया गिरफ्तार :-

☞ विशाल सिंह (बार संचालक), विकास नगर कांके।

☞ तुषार कांती दास (मैनेजर), केतारीबागान नामकुम।

☞ अजीत कुमार सिंह (बाउंसर), अशोक नगर।

☞ शुभम कुमार (मैनेजर), लटमा रोड, सिंह मोड़।

☞ सफीर अहमद (बाउंसर) कांके रोड।

☞ विशाल साहू (बार संचालक के मित्र) अशोक नगर।

☞ उदय शंकर सिंह (लैंड लॉर्ड) कासीचक नवादा।

☞ पंकज अग्रवाल (सहयोगी) ईटकी रोड।

☞ मनीष कुमार उर्फ रवि कुमार पिस्का मोड़ राँची

डीजे संदीप की हत्या की जानकारी देते एस.पी. एवं अन्य

✯ सीसीटीवी फुटेज से हुई पहचान, रात भर में सभी को घरों से पुलिस ने उठाया :- रविवार की देर रात सबसे पहले अभिषेक सिंह और उसके साथियों के साथ एक्सट्रीम बार के बाउंसर और बार मलिक के कुछ करीबियों ने बेरहमी के साथ मारपीट की थी। मारपीट का पूरा दृश्य सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ था। मारपीट से आहत होकर ही अभिषेक सिंह ने बार में घुसकर फायरिंग की जिसमें डीजे संदीप की मौत हो गई थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ही अभिषेक और उसके साथियों के साथ मारपीट करने वाले सभी 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसएसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह के घर की तलाशी के दौरान कई कागजात मिले हैं जिसे यह पता चलता है कि वह गाड़ियों की खरीद बिक्री में लोगों के साथ ठगी किया करता था। वहीं, वह बिहार में शराब का वह धंधा भी किया करता था। एक बार वह पटना से बाल सुधार गृह और एक बार राँची से जेल भी जा चुका है। बिहार पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ के लिए पटना भी ले गई थी। फिल्मी अंदाज में पुलिस ने अभिषेक सिंह को किया गिरफ्तार, भागने के क्रम में चार गाड़ियां बदली, जंगल में भी भागा, बस में सफर किया, ट्रक भी पकड़ा, आखिरकार पुलिस ने अंत में उसे कर लिया गिरफ्तार।

एक्सट्रीम स्पोर्ट्स बार एंड ग्रिल में हुए डीजे सन्दीप हत्या के बाद लगातार कई नई जानकारी सामने आ रही थी। हत्या के मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह को गिरफ्तार कर जब पुलिस राँची लेकर आई तो उसने कई नई जानकारी दी। हालांकि अभी तक उसने यह नहीं बताया कि हत्या में प्रयुक्त हथियार कहां है। अभिषेक सिंह उर्फ विक्की ने पुलिस को बताया की संदीप प्रमाणिक को गोली मारने और बार में बाहर से फायरिंग करने के बाद वह पुलिस को देखकर तेज रफ्तार में धुर्वा की ओर भागा। अरगोड़ा थाना की गश्ती पुलिस ने उसका कुछ दूर तक पीछा किया, लेकिन उसे पकड़ नहीं पाई। धुर्वा की ओर भागने के क्रम में उसकी गाड़ी का एक्सीडेंट धुर्वा गोलचककर के पास हो गया। इसके बाद उसने अपने पिता और अपने साथियों को फोन कर कहा वह कोई दूसरी गाड़ी लेकर आए, उसकी गाड़ी का एक्सीडेंट का हो गया। इसके बाद उसके पिता दूसरी गाड़ी लेकर आए। जिससे वह पहले घर गया। फिर पत्नी का मोबाइल लेकर उसी गाड़ी से राँची छोड़ निकल गया। राँची पुलिस ने जब उसके मोबाइल लोकेशन को ट्रेस करना शुरू किया तो पता चला कि वह रामगढ़ की ओर जा रहा है। पुलिस ने ओरमाझी टोल के पास सबसे पहले उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह पुलिस के पहुंचने से पहले ही निकल गया। इसके बाद पुलिस ने हजारीबाग में भी उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह पुलिस के पहुंचने से पहले वहां से भी निकल गया। अभिषेक गया की ओर तेजी से भाग रहा था। चौपारण में पुलिस की बैरिकेडिंग देख गाड़ी छोड़ वहां पैदल जंगल में भागा। अभिषेक अपनी गाड़ी से जा ही रहा था कि उसने चौपारण के पास देखा कि पुलिस बैरिकेडिंग लगाकर एक गाड़ी की तलाशी ले रही है। जब उसने देखा कि अब वहां से निकलना मुश्किल है तो उसने गाड़ी सड़क किनारे लगाया और पैदल जंगल में घुस गया। वहां से छह किमी तक वह पैदल आगे बढ़ता गया। फिर उसने एक ट्रक पकड़ा, फिर ट्रक से उतरकर बस पर बैठा उससे वह ढोभी तक गया। फिर वहां से उसने अपने रिश्तेदार को फोन किया और उसे गाड़ी लेकर आने के लिए कहा। उसका साला

वहां आया तो उसके साथ वह गया की ओर जा रहा था, लेकिन राँची पुलिस की सूचना पर अलीपुर के पास पुलिस ने चेकनाका लगा उसकी गाड़ी को ट्रेस कर लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। राँची पुलिस आरोपी अभिषेक के पीछे साये की तरह चल रही थे।इस बात की जानकारी आरोपी को लग गई था। लेकिन उसके फोन से हर पल की जानकारी राँची पुलिस को मिल रही थी।राँची पुलिस की टीम फिल्मी अंदाज में आखिर कार आरोपी को दबोचने में कामयाब हो ही गई। इधर मृतक सन्दीप की बहन और उसके ममेरे भाई सहित चार लोग राँची पहुँचे।पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव उन्हें सौंप दिया। एम्बुलेंस से शव लेकर कोलकाता चले गए।बहन ने राँची पुलिस से एक निवेदन की। कहा जिसने उसके निर्दोष भाई की हत्या की है। उसे जरूर सजा दिलवा दें। उन्होंने और कुछ भी बोलने से इनकार कर दी। चुटिया थाना में कुछ देर पुलिस से जानकारी ली गई। उसके बाद चली गई।

★ **मृतक सैंडी की बहन ने लगाई राँची पुलिस से गुहार, मेरे निर्दोष भाई के हत्यारे को मिले फांसी की सजा :-** राँची के एक्सट्रीम बार में डीजे संदीप प्रमाणिक उर्फ सैंडी की हत्या ने सबको चौंका कर रख दिया। राँची पुलिस ने हत्यारे आरोपी अभिषेक सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं संदीप के परिजनों ने हत्यारे को कड़ी सजा देने की मांग की है। पुलिस ने डीजे संदीप के शव का पोस्टमार्टम कराया और पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार को संदीप का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। संदीप का शव लेने पहुंची उसकी बहन त्रिशिता ने न्याय की गुहार लगाई है। उसने कहा कि जिसने उसके निर्दोष भाई की हत्या की है। उसे फांसी की सजा होनी चाहिए क्योंकि उसने एक बहन से राखी बांधने का हक छीन लिया है। अपने भाई का शव लेने के बाद नम आंखों से बहन त्रिशिता ने कहा कि संदीप पिछले पांच-छः सालों से राँची में रहकर डीजे का काम करता था और इसी कमाई से अपने परिवार का खर्च चलाता था। संदीप की कुछ साल पहले ही शादी हुई थी और उसकी एक छोटी बेटी भी है। डीजे संदीप प्रमाणिक के परिजन इस घटना के बाद हत्यारे अभिषेक के लिए फांसी की मांग कर रहे हैं। बहन त्रिशिता ने कहा कि जिला प्रशासन और राँची पुलिस से वह यही मांग करती है कि जिस प्रकार से उसके निर्दोष भाई को हत्यारे ने गोली मारी है। उसी प्रकार जिला प्रशासन उसे फांसी की सजा दे तभी पीड़ित परिवार को न्याय मिल पाएगा। संदीप कोलकाता का रहने वाला था। बता दें कि डीजे संदीप प्रमाणिक उर्फ सैंडी राँची के चुटिया थाना क्षेत्र में स्थित एक्सट्रीम बार में काम करता था रविवार देर रात बार में कुछ लोगों के साथ वहां के कर्मचारियों की मारपीट हो गई थी। जिसके बाद पिटाई से बौखलाए शख्स ने बाद में बंदूक लाकर डीजे संदीप की हत्या कर दी। उसने बार पर फायरिंग भी की। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।●

महंत लालगिरी की जहरीले सांप के डसने से मौत

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के नामकुम थाना क्षेत्र अंतर्गत राजा उलातू के उनीडीह स्थित प्रसिद्ध शिवलोक धाम मरासिल्ली पहाड़ पर रहने वाले नागा साधु महंत लालगीरी के बाएं हाथ की बीच वाली अंगुली में 25 मई शनिवार की देर रात जहरीले सांप ने डंस लिया जिससे साधु की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही शिवलोक धाम मरासिल्ली पहाड़ ट्रस्ट के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार साधु काफी

दिनों से पहाड़ पर रह रहे थे। बीच-बीच में वो अन्य जगहों पर भी आना-जाना करते थे। तीन दिन पहले ही वो पहाड़ पर लौटे थे। शिवलोक ध ाम में बने कमरे में जमीन पर बिस्तर बिछा कर सोए हुए थे। बताया जाता है कि रात के तीन बजे उनकी हालत बिगड़ने पर उन्होंने पहाड़ के नीचे दुकान चलाने वाले कार्तिक को फोन कर कहा कि तबीयत ठीक नहीं लग रहा है, लगता है सांप ने काट लिया है, जल्दी आओ। उसके बाद कार्तिक ने तुरंत एक अन्य साथी को लेकर पहाड़ पर चढ़ रहा था तो रास्ते में साधु मिले। आनन-फानन

में कार्तिक ने उन्हें राजाउलातू चौक झाड़-फूंक कराने पहुंचे। जहां पहुंचते ही साधु गिर गए एवं उनकी मौत हो गई। इधर घटना की सूचना पर ट्रस्ट के सदस्य एवं स्थानीय लोग पहाड़ पर पहुंचकर साधु के कमरे की जांच की तो सांप मिला, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने मिलकर सांप को पकड़ लिया। घटना की जानकारी मिलते ही नामकुम पुलिस मौके पर पहुंची एवं पूरे मामले की जांच की।

☞ **अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे :-** घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में मातम छा गया । दूर दूर से साधु को मानने वाले लोग उनके अंतिम दर्शन के लिए शिवलोक धाम आने लगे । लोगों ने उन पर फूल माला चढ़ाकर उन्हें प्रणाम किया।

☞ **लातेहार के रहनेवाले थे महंत लालगीरी :-** बताया जाता है कि नागा साधु मंहत लालगीरी बाबा मूल रुप से लातेहार जिले के रहनेवाले थे। वो अलग-अलग स्थानों का भ्रमण करते थे। शिवलोक धाम मरासिल्ली पहाड़ सहित राँची के अन्य जगहों पर वर्षो से रह रहे थे। मरासिल्ली पहाड़ आने से पहले नामकुम रेलवे क्रासिंग के समीप स्थित मुक्तिधाम के मंदिर एवं शनि मंदिर में भी रहते थे।●

एक हत्या से फैल गई सनसनी

● **ओम प्रकाश**

झारखण्ड के लातेहार जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुआ गांव में हुई मुनिता देवी हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने कर दिया। मुनिता देवी की हत्या उसी के पति मनरूप सिंह और जेठानी कलावती देवी ने गला घोटकर कर दी थी। डीएसपी वेंकटेश कुमार की टीम ने मामले का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताते चले कि, गुआ गांव के रहने वाले 21 वर्षीय मनरूप सिंह का प्रेम प्रसंग अपने 29 वर्ष की भाभी कलावती देवी से पिछले दो वर्षों से चल रहा था। इसी बीच मनरूप सिंह की शादी एक महीना पहले हो गई। शादी होने के बाद भी देवर भाभी के बीच प्रेम प्रसंग जारी रहा। शादी के बाद मुनिता देवी ने दोनों को कई बार आपत्तिजनक हालत में देखा और बार-बार इसका विरोध करती थी। मुनिता देवी के द्वारा बार बार विरोध किए जाने से नाराज देवर मनरूप सिंह और भाभी कलावती देवी ने मुनिता की हत्या की योजना बना डाली। 23 मई को दोनों ने मिलकर मुनिता देवी की गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद सच को छिपाने के लिए घर के कंडी में दुपट्टा डालकर मुनिता देवी को फंदे पर लटका दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद जब पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची तो वहां का नजारा देखकर संदेह हुआ। इसी बीच मृतक महिला के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए थाना में प्राथमिक भी दर्ज करवाई।

☞ **देवर भाभी की गिरफ्तारी के बाद सामने आया सच :-** इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने इस पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की छानबीन के लिए बरवाडीह डीएसपी वेंकटेश कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया। पुलिस की टीम ने घटना में त्वरित कार्रवाई करते हुए शक के आधार पर मृतक महिला के पति मनरूप सिंह तथा जेठानी कलावती देवी को हिरासत में लेकर जब पूछताछ आरंभ की तो दोनों ने स्वीकार किया कि उन लोगों ने ही मुनिता देवी की हत्या की है।

☞ **एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी :-** इस संबंध में लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि 23 मई को छिपादोहर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुआ गांव में मुनिता देवी की हत्या का मामला दर्ज हुआ था। उनकी उम्र 21 वर्ष थी और एक महीना पूर्व उनकी शादी हुई थी। उनके पति का नाम मनरूप कुमार है। इस केस के इन्वेस्टिगेशन में ये बात सामने आई है की मनरूप कुमार और उनकी भाभी कलावती देवी उर्फ सुनैना देवी के बीच प्रेम प्रसंग में रोड़ा बनने के कारण दोनों ने मिलकर महिला की हत्या कर दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुमराह करने के लिए इन लोगों ने हत्या कर शव को कुंडी से टांग दिया था ताकि लगे यह मामला आत्महत्या का है। इन लोगों के द्वारा (ॅिेंदक ूतपजजमद) सुसाइड नोट भी बनाने का प्रयास किया गया। इन सभी बिंदुओं पर जांच करने के उपरांत इन दोनों की अरेस्टिंग हुई है। हत्या में प्रयुक्त दुपट्टे को भी बरामद कर लिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि दोनों आरोपियों ने अपने जुर्म को स्वीकार कर लिया है। दोनो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।●

वृद्धावस्था में होम्योपैथी है सहारा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, रेखा शर्मा, मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह, भाजपा जिला मंत्री शोभा देवी, मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आज का विषय है वृद्धावस्था में होम्योपैथिक चिकित्सा। उन्होंने कहा कि बाल्यावस्था और युवावस्था का भी बहुत बड़ा सहारा है होम्योपैथी। सहज और सुलभ दवा में बहुत कारगर भी है इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता है इसलिए निरापद है,

☞ पेट खराब होना आम बात हो गया है। पेट में यदि गैस की समस्या हो तो लक्षणानुसार नक्स वोमिका 30, कार्बोवेज 30 , चाइना 30 और लाइको पोडियम 30 नंबर का दे सकते हैं।

☞ पक्षाघात (लकवा) होने पर जेल्सीमियम 30, कास्टिकम 30 कोनियम मैक 30 लक्षणअनुसार दें। कंधे वह बांह में दर्द होने पर बेलाडोना 30 दें।

☞ आंख की पेशियों का पक्षाघात - फाइसोटीग्मा 30।

☞ मुंह का पक्षाघात, बात भी नहीं कर सके- कॉसिटकम 30 ।

☞ जीभ का पक्षाघात कास्टिकम 30

☞ मुत्राशय का पक्षाघात कास्टिकम 30, जेल्सीयम 30।

☞ पेशाब करते समय जलन कैंथरिस 30, ठंड लगकर पक्षाघात होने पर डल्कामारा 30।

☞ बुढ़ापे में धीमी और कमजोर नाड़ी - जेल्सीमियम 30

☞ वृद्ध जब अचानक झुककर चलते लगे मेजेरियम 30।

☞ प्रोस्टेट बढ़ना ,बार बार पेशाब सैवाल सेरूलेटा क्यू 5 से 15 बूंद तीन बार रोज लेना है।

☞ वृद्धावस्था में शरीर सूखता जाता है, हृदय कांपता है -आयोडीन 30

☞ बुढ़ापे में कमर में दर्द होने पर ब्रायोनिया 30,रस टक्स 30 दोनों दवा साथ साथ भी दे सकते हैं।

☞ पैर भारी लगना, चलते समय ठोकर लगना लेथारिस 30,

☞ वृद्धावस्था में रक्त की कमी के कारण हाथ की शक्ति कम हो जाती है बर्तन आदि सामान गिर जाते हैं, बोविष्टा 30।

☞ सर में चक्कर आना नक्स वोमिका 30

☞ वृद्धावस्था में स्मरण शक्ति घटना - बेराइटा कार्ब 30।

☞ वृद्धावस्था में सर कांपना जिंकम मेटालिकम 30।

☞ वृद्धो की मंदाग्नि, बुढ़ापे की कमजोरी, हर वक्त नींद आती रहना, ऊंघना, मानसिक गड़बड़ी किसी विषय पर अधिक सोच नहीं पाना नक्स मास्केटा 30।

☞ वृद्धावस्था में पेशाब रुकने की शिकायत होने पर सैलिडेगो क्यूं 10/15 बूंद चार पांच बार लेने से कैथेटर की जरूरत नहीं पड़ेगी है

☞ हृदय रोग की महौषधि क्रेटिगस क्यूं छाती में दर्द, हार्ट फेल्योर की आशंका में 5 से 15 दिन तक आवश्यकता अनुसार जल्दी-जल्दी भी इसका प्रयोग किया जा सकता है।

☞ वृद्धावस्था में जब शरीर सूखता जाता है मांस कम हो जाता है हृदय आदि अंग कांपने लगता है आयोडियम 30 ।

अंत में मैं कहना चाहता हूं कि वृद्धावस्था में स्वस्थ बने रहने के लिए नियमित सुबह शाम अवश्य लें। पेट साफ रखें, कम खाना खाएं और प्रर्याप्त पानी पीएं। संतुलित भोजन लें एवं समय-समय पर होम्योपैथिक चिकित्सक चिकित्सक से परामर्श अवश्य दें। कोई भी दवा होम्योपैथिक चिकित्सा के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर रंजीत प्रसाद,शोभा पटेल, पुजा कुमारी, पिंकी देवी, ममता पटेल, संजू कुमारी, अनामिका पाण्डेय आदि मौजूद थे।●

मुंह के अंदर का लार एक औषधि है

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

मुंह के अंदर का लार ,पहला भोजन को पचाने का काम करता है। यह ईश्वर प्रदत अमृत तल्य औषधि है जो हमारे भीतर के खराब बैक्टीरिया को नष्ट कर हमें आरोग्य प्रदान करने की ताकत रखता है। प्राय हम देखते हैं कि कुत्ता अपने जख्म को चाट कर ठीक कर लेता है।

☞ **समझे कि यह लार में है क्या?**

लार में सोडियम, फास्फेट, मैग्नीशियम, प्रोटीन, म्यूजिक तथा कई प्रकार के एंजाइम्स पाए जाते हैं। एंजाइम्स द्वारा स्टार्च को ग्लूकोज में परिणत कर दिया जाता है तथा ये वसा को भी विघटित कर देता हैं। कुछ एंजाइम्स में यूरिया और अमोनिया भी पाए जाते हैं। समानता एक से डेढ़ लीटर लार प्रतिदिन मानव की लार ग्रंथियां द्वारा निस्सारित होते रहते हैं। लार का निस्सरण तीन जोड़ी बड़ी लार ग्रंथियां तथा सैकड़ो क्षुद्र ग्रंथियां के माध्यम से होता है। इन्हीं ग्रंथियां से लार निकल कर हमारे मुंह में आता है ,लार का कम आना अथवा अधिक लार ग्रंथि को स्थिति पर निर्भर करता है ।लार का संबंध मनुष्य की ज्ञानेंद्रियों से भी होता है। इमली को देखते ही अथवा उसका स्मरण करते ही मुंह में लार आ जाता है। क्रोध में लार का बनना कम हो जाता है

और मुंह सूखने लगता है। प्राय अधिक पसंद वाले खाद्य पदार्थ को देखकर भी मुंह में पानी आना सामान्य बात है।

☞ **लार का कौन- कौन सा रोग को नष्ट कर देता है?**

मुंह में लार एक प्रकार का एंटीबॉडी विकसित कर विषाणुओं को नष्ट कर देता है। यह मुंह के भीतर तथा आमाशय में जाकर खराब बैक्टीरिया को समाप्त करने का कार्य करता है। मुंह के भीतर अवस्थित जीभ,दांत ,मसूढ़े तथा गाल के भीतर की त्वचा में आने वाली खराबियों की मरम्मत करने तथा उन्हें स्वस्थ रखने का कार्य भी करता है।लार में स्थित कैल्शियम और फास्फोरस दांतों के एनिमल को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। बताया जाता है कि सुबह की लार को आंखों में लगाए तो आंख के रोशनी बढ़ जाती है। त्वचा पर लगे तो चर्म रोग तथा सफेद दाग ठीक हो जाते हैं। किसी प्रकार के रोग तथा पायरिया आदि रहने पर लार का सेवन उचित नहीं होता है।

चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार सामान्य व्यक्ति को कम से कम एक लीटर सुसुम पानी का सेवन सुबह खाली पेट उठते ही करना चाहिए। ध्यान रहे कि बगैर कुल्ला किए ही पानी पीना चाहिए। ताकि संचित लार सीधा आमाशय में पहुंच जाए ऐसा करने से मल विकार का निस्सरण शीघ्र एवं समिति रूप से होता है। जिससे गैस का बनना भी काम हो जाता है, यही वजह है कि प्राचीन काल से ही बासी मुंह पानी पीने की नसीहत बुजुर्ग देते आए हैं। कुछ लोग जानकारी के अभाव में एक दिन पूर्व का रखा हुआ पानी को इस्तेमाल करते हैं। ऐसा नहीं है। बासी पानी नहीं, बासी मुंह होना चाहिए। बासी मुंह का पानी भीतर की हानिकारक बैक्टीरिया से मुक्ति दिलाने का कार्य करते हैं।●

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर किया गया आयोजन

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर पटना में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का आयोजन किया गया जिसका जस्ता भाजपा जिला मंत्री शोभा देवी,संचालन शोभा पटेल, मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। भाजपा मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा।मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि नर्सिंग स्टाफ अस्पताल की रीढ़ और आत्मा होती है। उनके बगैर किसी अस्पताल की कल्पना नहीं की जा सकती है। मरीजों की पूरी देखभाल उन्हीं के जिम्मे होती है। कोरोना काल में नर्सिंग स्टाफ ने मरीजों की उत्कृष्ट सेवा की। उस दौरान डॉक्टर से ज्यादा नर्सिंग स्टाफ ने योगदान दिया। उन्होंने कहा कि मरिजो के इलाज के क्रम में डॉक्टर के परामर्श

के अनुसार अनुपालन नर्सिंग स्टाफ के जिम्मे होती है, मरीज को देख दवा देने से लेकर उसका खान-पान सब कुछ नर्सिंग स्टाफ की देखरेख में होता है। इस अवसर पर ममता पटेल, अनामिका पाण्डेय, पुजा कुमारी पिंकी देवी,रेखा शर्मा आदि मौजूद थे। ●

आंख में ग्लूकोमा खतरनाक रोग है, होम्योपैथी में है सफल इलाज

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

आँख में यह बहुत ही खतरनाक रोग है इस रोग से आंख नष्ट हो जाते हैं ,अन्य पैथियों में इस रोग का बहुत कम इलाज है ,जबकि आपकी आंखों को होम्यो-पैथिक दवाएं पूर्ण रूप से बचाती है। आधुनिक विज्ञान में इस रोग का सही पता नहीं चला है। बीमारी का लक्षण धुंधली दिखाई देना, रोशनी की चारों ओर एक ज्योति दिखाई देना, दूर की चीज दिखाएं नहीं देना, धनुष के रंग दिखाई पड़ना,रोग बढ़ने पर निकट में भी धुंध ली दिखना, इस रोग में तनाव या टेंशन बढ़ जाता है, फलस्वरुप अक्षिगोला पत्थर की तरह कड़ा हो जाता है, रेटिना में रक्तस्राव ऑप्टिकल डिस्क में छेद होकर आंख नष्ट होने की संभावना बढ़ जाती है। वर्षों बाद अचानक रोग बढ़कर आंख नष्ट हो जाती है शुरू से लक्षणानुसार सेवन करें तो पूर्ण रूप की आरोग्य होते हैं।

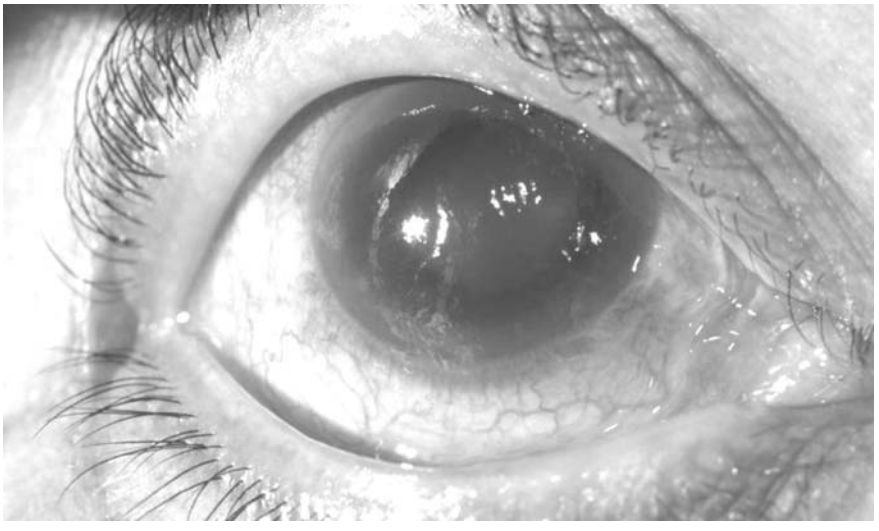

★ **लक्षणानुसार होम्योपैथिक दवा सेवन करें:-**

☞ आंख में दर्द,पानी गिरना,रोशनी के चारों तरफ धनुष का रंग दिखाई पड़ना, अंदर जलन आदि होने पर दवा का नाम आस्टियम 6/12/30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ आंख के अंदर दर्द,अंधेरा दिखाना ,दाहिने आंख में एक तरह की रोशनी दिखाई पड़ना : कोमोकेलेडिया 6/12/30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ अंधेरा दिखाना, मानो चारों तरफ अंधेरा है। मार्फिनम 6/12/30/ एक बूंद तीन बार रोज।

☞ आंख हिलने डोलन पर दर्द होना, रात्रि में तकलीफ बढ़ना। ब्रायोनिया 6/12/30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ चेहरा लाल, जलन, आंख में दर्द ,सिर में रह रहकर चिलकना। बेलाडोना 6/12/30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ अस्वच्छ दृष्टि, ललाट में दर्द, स्नायविक दर्द।सिड्रन 6/12/30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ दृष्टिहीनता,प्यूपिल फैलना, आंखों में दर्द,रोगी चुपचाप पड़ा रहता है। जेल्सीमियम 6/12/30 एक बूंद तीन बार रोज। इस दवा से शीघ्र ठीक हो जाता है।

☞ आंख के सामने भिन्न-भिन्न प्रकार के रंग दिखाई पड़ते हैं, बत्ती के चारो तरफ ज्योति दिखाई देना ,आंख के ऑपरेशन के बाद इस दवा से विशेष फायदा होता है। फास्फोरस 30 एक बूंद तीन बार रोज। इस दवा के बार बार इस्तेमाल न करें। कोई भी दवा चिकित्सा के सलाह से ही इस्तेमाल करें।●

25 जुलाई से प्रारंभ होगा मिथिला एवं बिहार का विशिष्ट पर्व

मधुश्रावणी

● निलेन्दु झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान सहरसा के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बताया है की मधुश्रावणी व्रत पूजन मधुश्रावणी व्रत का पूजन पंचमी से आरंभ हो जाता है, इस पर्व को यह व्रत नवविवाहित महिलाएं रखती हैं, और इस व्रत के समय के दौरान बिना नमक का भोजन करने का विधान रहा है। इस व्रत में मीठा भोजन तथा फलाहार का उपयोग किया जाता है। व्रत के दौरान मिट्टी और गाय के गोबर से बना विषहरा बनाती हैं और भगवान शिव के साथ देवी पार्वती का पूजन करती हैं। इस समय पर कथा एवं लोकगीतों को गाया जाता है। महिलाएं श्रृंगार करके धूमधाम के साथ इस उत्सव को मनाती हैं। इस व्रत को करने से पति की उम्र लंबी होती है। साथ ही वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर हो जाती हैं। वैवाहिक जीवन से नकारात्मकता दूर हो जाती है,पति-पत्नी के बीच आपसी प्रेम बढ़ता है,इस व्रत को करने से स्त्री वैधव्य के दोष से मुक्त हो जाती है,यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला और मोक्ष प्रदान करने वाला माना जाता है,वैवाहिक सुख की कामना करने वाली स्त्रियों के लिए यह पर्व आस्था एवं विश्वास का प्रतिक है जो आज भी अपने पुरातन रुप की भांति सभी के भीतर समाहित है।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- यह महीना आपकी राशि के लिए सामान्यत: ठीक-ठाक रहेगा,कोई पिछले कुछ समय से चली आ रही समस्याओं से आपको निजात मिलेगी। इस महीने किसी बड़ी उपलब्धि को आप हासिल कर सकते हैं, महीने के शुरुआती समय में किसी विशेष कार्य के लिए आपका चयन किया जा सकता है, जिसका निर्वाह करने में आप सफल रहेंगे, इस महीने स्वास्थ्य संबंधी कुछ समस्याएं देखने को मिल सकती हैं, हालांकि यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा।

वृषभ राशि :- यह महीना आपका अच्छा रहेगा आप किसी लंबी यात्रा पर जा सकते हैं, कार्यक्षेत्र में नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा, इस महीने आपको कोई बड़ा प्रोजेक्ट कार्य क्षेत्र में मिल सकता है, जिससे लाभ के योग बनेंगे, इस महीने आपको अपने मित्र पर विशिष्ट लोगों से सहयोग प्राप्त होगा,स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं इस महीने कम देखने को मिलेंगे, हालांकि अपने स्वास्थ्य के प्रति आप सहज सजग रहें।

मिथुन राशि :- यह महीना आपके लिए स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर आ सकता है। इस महीने अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें। परिवार में भी किसी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, इस महीने आप कुछ आसान तरीका घर और परिवार की कुछ परेशानियों के चलते आप तनाव ग्रस्त महसूस करेंगे, यह महीना आपके लिए कुछ उत्तरदायित्व भी लेकर आएगा, कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ा दायित्व मिल सकता है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ के सामान्य अवसर हैं।

कर्क राशि :- यह महीना आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा, आपके सोचे हुए कार्य पूर्ण न होने के कारण आप तनाव में रहेंगे। इस महीने व्यर्थ के विवाद से दूर रहें, नहीं तो आप किसी बड़ी समस्या में उलझ सकते हैं,इस महीने स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखने को मिलेंगी,साथी इस महीने आप प्रॉपर्टी संबंधी कार्यों में बड़ा निवेश सोच विचार कर करें, कोई बड़ा रकम उधार के रूप में किसी को देने से पहले उसे अच्छी तरीके से जांच लें, प्रॉपर्टी संबंधी लेनदेन में सावधानी रखें।

सिंह राशि :- यह महीना आपकी राशि के लिए अच्छा रहने वाला है। इस महीने मन प्रसन्न रहेगा तथा बड़े निवेश में आप सहभागी बन सकते हैं। परिवार के लोगों का भरपूर साथ मिलेगा। इस महीने परिवार के साथ आप कहीं बाहर छुट्टियां बिता सकते हैं। घर में मांगलिक कार्यों के योग बनेंगे, परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। इस महीने परिवार में किसी व्यक्ति का जॉब लगने से घर में खुशी का माहौल होगा, हालांकि महीने के उतरते समय में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को आपको फेस करना पड़ सकता है।

कन्या राशि :- यह महीना आपके लिए समानता ठीक-ठाक रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से आपको छुटकारा मिलेगा। इस महीने आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय में आपको नए पार्टनर से मिल सकते हैं, जिससे आपका कार्यक्षेत्र बढ़ जाएगा। इस महीने आप अपने किसी सगे संबंधी से या मित्र से बड़ी ध नराशि उधार के रूप में ले सकते हैं। साथ ही आपके अपने लोगों से इस महीने आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

तुला राशि :- यह महीना आपकी राशि वालों के लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। पारिवारिक परेशानियों के चलते आप मानसिक तौर से तनाव ग्रस्त रहेंगे। इस महीने परिवार में किसी सदस्य का स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ सकता है, जिस कारण आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में इस महीने विरोधी वर्ग आपके कार्यक्षेत्र में परेशानियां उत्पन्न कर सकते हैं। साथ ही ऐसा महीने आपके व्यापार-व्यवसाय में सहयोग लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि :- यह महीना आपकी राशि के लिए ज्यादा अच्छा नहीं कहा जा सकता। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के साथ-साथ पारिवारिक समस्याओं का सामना इस महीने आपको करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय में इस महीने उतार चढ़ाव की स्थिति रहेगी, हालांकि महीने के उतरते समय में व्यापार आदि में स्थिरता देखने को मिलेगी। इस महीने प्रॉपर्टी संबंधी कार्यों में आप बड़ा निवेश कर सकते हैं, जिससे आगामी समय में लाभ मिलेगा। इस महीने पारिवारिक समस्याओं के कारण घर में विवाद की स्थिति निर्मित होगी।

धनु राशि :- यह महीना आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आप जिन समस्याओं से परेशान हैं इस महीने उनका समाधान निकाल सकता है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में लाभ होगा। परिवार में चल रहे विवाद को खत्म करने में आप सफल होंगे। इस महीने परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे आप किसी नए दायित्व को ग्रहण कर सकते हैं।

मकर राशि :-यह महीना आपकी राशि वालों के लिए बहुत अच्छा रहेगा, अपने कार्य की शुरुआत करेंगे। इस महीने अच्छे लोगों से मिलना होगा, आपका संपर्क क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में लाभ के योग निर्मित होंगे। आप स्वयं का कोई नया कार्य शुरू कर सकते हैं। इस महीने कोई बड़ी पार्टनरशिप में आप सहभागी बन सकते हैं, जिससे आगामी समय में लाभ के योग बनेंगे। नौकरी वालों के लिए पदोन्नति मिलेगी। करियर में प्रयास कर रहे लोगों को सफलता मिलने की प्रबल संभावना है।

कुंभ राशि :- यह महीना आपके लिए अत्यधिक उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं घर में देखने को मिलेगी। इस महीने पारिवारिक विवाद में बढ़ोतरी होगी, जिस कारण आपका मन अस्थिर रहेगा। इस महीने व्यापार-व्यवसाय में आपके विरोधी आपके कार्यक्षेत्र को बिगाड़ सकते हैं, जिस कारण आर्थिक तौर से आप परेशानी महसूस करेंगे। इस महीने कर्ज के चलते आप और आपका परिवार परेशान रहेगा। हालांकि महीने के उतरते समय में आपको आर्थिक मदद प्राप्त हो सकती है।

मीन राशि :- यह महीना आपके लिए ज्यादा अच्छा नहीं कहा जा सकता। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होंगी, वहीं आपको कुछ पारिवारिक समस्याओं का सामना इस महीने करना पड़ सकता है। आर्थिक तौर से यह महीना ज्यादा अच्छा नहीं कहा जा सकता। व्यापार-व्यवसाय में अस्थिरता देखने को मिलेगी। इस महीने आपको अपने किसी मित्र रिश्तेदार से आर्थिक मदद मांगनी पड़ सकती है। महीने के उतरते समय में आपको व्यापार-व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत करने का ऑफर मिल सकता है। इस महीने कार्यक्षेत्र में आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

☆ क्या मजिस्ट्रेट सम्मन जारी करते समय अभियुक्त को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे सकता है?

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (1 मई) को कहा कि जमानत देने से पहले भी आरोपी को अदालत के समक्ष अपनी व्यक्तिगत उपस्थिति दिखाने से छूट दी जा सकती है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की खंडपीठ ने कहा, '(हाईकोर्ट की) टिप्पणी कि जमानत प्राप्त करने से पहले व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने का कोई प्रावधान नहीं है, सही नहीं है, क्योंकि संहिता (दंड प्रक्रिया संहिता) के तहत व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने की शक्ति नहीं होनी चाहिए। आरोपी को जमानत दिए जाने के बाद ही इसे प्रतिबंधात्मक तरीके से लागू किया जाएगा'।

अदालत की उपरोक्त टिप्पणी अपीलकर्ता/अभियुक्त की याचिका पर फैसला करते समय आई, जिसके व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की मांग करने वाले आवेदन को ट्रायल कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि जमानत प्राप्त करने से पहले व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने का कोई प्रावधान नहीं है। चूंकि अपीलकर्ता जमानत पर नहीं था, इसलिए अपीलकर्ता/अभियुक्त को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट नहीं दी गई। अदालत ने पाया कि दंड प्रक्रिया संहिता में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि आरोपी को अदालत के समक्ष व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगने से पहले जमानत लेने की आवश्यकता हो। जस्टिस संजीव खन्ना द्वारा लिखे गए फैसले में कहा गया कि संहिता के तहत व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने की शक्ति को प्रतिबंधात्मक तरीके से नहीं पढ़ा जाना चाहिए, क्योंकि यह केवल आरोपी को जमानत मिलने के बाद ही लागू होती है। अदालत के समक्ष आरोपी को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने के समर्थन में अदालत ने मेनका संजय गांधी और अन्य बनाम रानी जेठमलानी के फैसले का संदर्भ लिया, जहां अदालत ने माना कि व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने की शक्ति का उदारतापूर्वक प्रयोग किया जाना चाहिए। जब तथ्यों और परिस्थितियों में ऐसी छूट की आवश्यकता हो। इसके अलावा, अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट सीआरपीसी की धारा 205 के तहत अपनी विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए। समन जारी करते समय अभियुक्तों की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे सकता है और उन्हें अपने वकील के माध्यम से उपस्थित होने की अनुमति दे सकता है। अदालत ने कहा, ष्धारा 205 में कहा गया कि मजिस्ट्रेट अपने विवेक का प्रयोग करते हुए समन जारी करते समय अभियुक्तों की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे सकता है। उन्हें अपने वकील के माध्यम से उपस्थित होने की अनुमति दे सकता है।

☆ क्या कोई हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी मेंटेनेंस का दावा कर सकती है ?

हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 की धारा 18 दो में उन अवस्थाओं का वर्णन है जिनमें एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण का दावा कर सकती है (1)यदि पति- पत्नी के अभित्याग का अपराधी हो अर्थात पति उचित कारण के बिना या बिना पत्नी की राय के या उसकी इच्छा के विरुद्ध उसे त्यागता है या उपेक्षा पूर्वक उसकी अवहेलना करता है (2) यदि पति ने इस प्रकार के निर्दयता का व्यवहार किया है जिससे उसकी पत्नी के दिमाग में युक्तियुक्त संदेह उत्पन्न हो जाए कि उसका पति के साथ रहना हानिकारक या घातक है(3) यदि पति कुष्ठ रोग से ग्रसित है (4) यदि पति की कोई दूसरी जीवित पत्नी है उस घर में जिसमें उसकी पत्नी रहती है उसी में रखैल रखता है या अन्यत्र कहीं उस रखैल के साथ प्राय: रहता है (5)यदि वह हिंदू धर्म त्याग कर कोई दूसरा धर्म अपना लेता है (6) यदि कोई अन्य कारण है जो उसके पृथक निवास को न्यायोचित ठहराता है।

यहां त्याग तथा क्रूरता की स्थिति का निर्वचन उसी अर्थ में किया जाएगा जिस अर्थ में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 10 एवं 13 के अंतर्गत किया गया है उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्णय से

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

यह प्रतिष्ठित हो चुका है कि अभीत्याग के लिए पृथक निवास तथा वैवाहिक संबंध समाप्त करने का स्थाई आशय आवश्यक तत्व है और क्रूरता शारीरिक एवं मानसिक दोनों हो सकती है केरल उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने एक वाद मे सामाजिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया कि जहां पति अभित्याग का दोषी है वहां यह साबित करना कि ही पर्याप्त होगा कि वह अलग रह रहा है (चारू बना क्रॉउन 1929)10 लाहौर 265) दत्तक ग्रहण अधिनियम और भरण पोषण अधिनियम ने पत्नी के पृथक निवास और भरण पोषण के अधिकार को विस्तृत कर दिया है। इस की धारा 18 (2) में ऐसी दशाओं का वर्णन किया गया है जिसके अनुसार एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण प्राप्त करने का दावा कर सकती है।

भरण पोषण का अधिकार व्यक्तिगत होने से पत्नी अपने पति के जीवन काल में उसके किसी अन्य संबंधी को इस उपधारा के अधीन भरण-पोषण पाने के लिए तथा अलग निवास के अधिकार के लिए रखैल और पत्नी का उसी घर में रहने की बात साबित होना जरूरी है किंतु उपर्युक्त स्थिति में जब की रखैल उसी घर में रह रही है और पत्नी अलग हो गई है तो धारा 18(2) (7)केअधीन भरण-पोषण पाने की अधिकारी हो जाएगी(भद्रा रेड्डी वनाम शानमया ए आई आर 1987 कर्नाटक 209) नरेंद्र पाल कौर चावला बनाम मनजीत सिंह चावला एआईआर 2008 दिल्ली 07 के मामले में न्यायालय ने यह कहा कि जहां पति ने अपनी पत्नी के होते हुए दूसरी पत्नी से विवाह किया है और उसकी दूसरी पत्नी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसके पति ने इस विवाह के पूर्व विवाह संपन्न किया है और और दूसरी पत्नी की है सिर्फ से वाह 14 वर्षों से लगातार उसके साथ निवास कर रही है जिसके परिणाम स्वरूप उससे उसको दो पुत्रियां उत्पन्न हुई उपरोक्त मामलों का अवलोकन करते हुए न्यायालय ने यह भी निर्धारित किया की दूसरी पत्नी हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधि नियम की धारा 18 की उप धारा 2 के अंतर्गत उसकी पहली पत्नी के जीवित रहते रहने की अवस्था में भी वह अपने पति से भरण पोषण प्राप्त कर सकती है इस संबंध में न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दूसरी पत्नी से इस विश्वास के साथ विवाह किया गया कि वह उससे पहली बार विवाह जब पत्नी की ओर से कोई वाद पृथक भरण पोषण के लिए न्यायालय में दायर किया जाता है तो न्यायालय कोई अधिकार है की पत्नी एवं पति के पारस्परिक संबंध के स्वीकृत हो जाने पर अंतरिम भरण-पोषण का प्रबंध कर दे मीना चोपड़ा बनाम दीपक चोपड़ा एआइआर 2002 दिल्ली के मामले में पति एक बहुत ही अमीर व्यक्ति था जो अनैतिक जीवन व्यतीत करता था विवाह उपरांत उसने अपनी पत्नी से विवाह विच्छेद कर लिया था पत्नी ने विवाह विच्छेद के पश्चात अपने भरण पोषण के लिए हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम के अंतर्गत एक आवेदन न्यायालय के समक्ष दिया प्रस्तुत मामले में न्यायालय ने पति की स्थिति का अवलोकन करते हुए आदमी को अधिनियम की धारा 18 के अंतर्गत 20000 रूपये प्रतिमाह भरण-पोषण हेतु देने का आदेश दिया।

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

www.shruticommunicationtrust.org

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)
Jharkhand State Office:- **Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi**
Mob.- 9431073769

शुद्ध चावल एवं मक्के के आटे से निर्मित नमकीन

Dhunky NAMKEEN

Shree Shyamji Udyog

गजब स्वाद की ! गजब कहानी !

fssai

Lic No. 1042411000004

Veg Biryani
masala pola
katori chaat
rings
snacks

Expanding our Namkeen family!
Dealers inquiries welcome, contact us today!

NEAR JAI PRAKASH EVENING INTER COLLEGE
JANDAHA ROAD HAJIPUR (VAISHALI)
MOB: 7782053204

MADE IN INDIA

PURE

GSTIN : 10KEPD0123PIZP

उत्तर भारत का COOKIE MAKER, सीवान में पहली बार
आपके लिए लेकर आया है

Cookie का बेहतर श्रृंखला

PRATIK ENTERPRISES

राजपुर (रघुनाथपुर) में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा रस्क, बिस्कुट, बर्गर, मीठा ब्रेड, वंद, क्रीम रोल, पेटीज और बर्ड डे केक, पार्टी केक ग्राहकों के मनपसंद तैयार किया जाता है।

शुद्धता एवं स्वाद की 100% गारंटी
किसी भी अवसर पर
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

प्रतीक फुड कंपनी

प्रतीक इंटरप्राइजेज, प्रतीक पतंजलि
राजपुर, रघुनाथपुर, सीवान (बिहार)

-: सौजन्य से :-
ब्रजेश कुमार दुबे
Mob.-9065583882, 9801380138

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008